खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 16 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-255

गृह मंत्रालय ने बीपीआरएंडडी को सौंपी अहम जिम्मेदारी

बीते चार दशक में हुए प्रदर्शनों की होगी सूक्ष्म जांच

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में सत्ता पलटने के सुनियोजित षडयंत्रों के तहत हुए अराजक प्रदर्शनों और हिंसा को देखते हुए केंद्र सरकार ने भारत में पिछले चार दशकों में हुए प्रदर्शनों की बारिकियों से जांच करने का आदेश दिया है। खास तौर पर 74 आंदोलन के बाद हुए प्रदर्शनों की पूरी सूक्ष्मता से जांच की जाएगी कि इन आंदोलनों या प्रदर्शनों के पीछे क्या षडयंत्र थे और इनके पीछे कौन-कौन शक्तियां सक्रिय थीं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को इस शोध और जांच का दायित्व सौंपा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विरोध प्रदर्शनों का अध्ययन करने के बाद एक मानक संचालन प्रक्रिया (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीज्योर- एसओपी) भी तैयार करने के लिए कहा है। ताकि उन विरोध प्रदर्शनों के कारणों, वित्तीय पहलुओं और पर्दे के पीछे के लोगों का विश्लेषण के बाद ऐसी साजिशी गतिविधियों को कारगर तरीके से काबू में किया जा सके। अमित शाह ने जुलाई के अंतिम सप्ताह में नई दिल्ली में इंटेलिजेंस ब्यूरो द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन-2025 में इस तरह की जांच की आवश्यकता के बारे में बात की थी। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को विशेष रूप से इन विरोध प्रदर्शनों के कारणों, पैटर्न और परिणामों का विश्लेषण करने के लिए कहा गया है जिसमें यह भी पता लगाना है कि पर्दे के पीछे कौन लोग शामिल रहे हैं। यह निर्देश दिया गया है कि भविष्य में बड़े पैमाने पर आंदोलन को रोकने के लिए अध्ययन के परिणामों के

नेपथ्य में सक्रिय साजिशी तत्वों की पहचान की जाएगी

आधार पर एक एसओपी तैयार की जाए।

अमित शाह के निर्देशों के बाद, केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) एक टीम गठित करने की प्रक्रिया में है जो राज्य पुलिस विभागों के साथ सीआईडी की रिपोर्टों सहित पुरानी केस फाइलों के अध्ययन के लिए समन्वय करेगी। अमित शाह ने बीपीआरएंडडी को प्रवर्तन निदेशालय, वित्तीय खुफिया इकाई-भारत और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) जैसी वित्तीय जांच एजेंसियों को भी ऐसे आंदोलनों के वित्तीय पहलुओं की जांच करने के लिए शामिल करने को कहा है।

ऐसा भी बताया जा रहा है कि गृहमंत्री ने बीपीआरएंडडी को राज्य पुलिस विभागों के साथ समन्वय करके विभिन्न धार्मिक आयोजनों पर अध्ययन करने को कहा है ताकि भगदड़ जैसी घटनाओं के पीछे के कारणों को समझा जा सके और ऐसे आयोजनों की निगरानी और नियमन के लिए एक एसओपी तैयार किया जा सके। अमित शाह ने एनआईए, बीएसएफ और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो से पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद और सामान्य आपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए अलग-अलग तरीके तैयार करने को कहा।

गृह मंत्रालय के आला अधिकारी से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय गृहमंत्री ने खुफिया एजेंसियों को पंजाब से जुड़े मुद्दों की अच्छी जानकारी रखने वाले अधिकारियों की एक टीम बनाने को कहा है कि जिससे कि इन मुद्दों से निपटने के लिए अलग-अलग तरीकों की रूपरेखा तैयार की जा सके।

गृह मंत्री ने एनआईए को सलाह दी है कि आतंकवाद-अपराधी गठजोड़ के घरेलू पहलुओं को ध्वस्त करने के लिए एक अनूठा दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए जिसमें अपने नेटवर्क चलाने वाले अपराधियों को देश के अन्य हिस्सों की जेलों में स्थानांतरित करना भी शामिल है।

वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

कुछ पाबंदियों के साथ वक्फ कानून को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून 2025 पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि पूरे कानून पर रोक लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में वक्फ संशोधन कानून के कुछ प्रावधानों पर फिलहाल रोक लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल उस प्रावधान पर रोक लगाई है, जिसमें वक्फ घोषित करने के लिए किसी व्यक्ति का 5 वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक बताया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ निकायों में गैर-हिंदुओं को शामिल किए जाने को सही ठहराते हुए कहा है कि राज्यों के वक्फ बोर्ड में तीन से अधिक और केंद्रीय वक्फ बोर्ड में चार से अधिक गैर मुस्लिम सदस्य नहीं होने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कलेक्टर को वक्फ संपत्ति के अधिकार तय करने का अधिकार देने को गलत माना है। जहां तक कलेक्टर

अंतरिम आदेश : जारी रहेगा वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन

वक्फ बोर्ड में चार से अधिक नहीं रहेंगे गैर मुस्लिम सदस्य

की शक्ति का प्रश्न है, सरकार द्वारा उत्पन्न विवादों के लंबित रहने के दौरान कलेक्टर राजस्व रिकॉर्ड में यह प्रविष्टि दर्ज करेगा कि यह वक्फ संपत्ति नहीं है, जब तक कि उपयुक्त प्राधिकारी या न्यायिक मंच द्वारा इसका निर्णय नहीं हो जाता। न्यायालय ने कहा है कि यह शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन करता है। इसलिए इस पर विशेष रूप से रोक लगा दी गई है और कहा गया है कि किसी भी राजस्व रिकॉर्ड में बदलाव नहीं किया जाएगा और जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक किसी तीसरे पक्ष के अधिकार का सृजन नहीं किया जाएगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश है।

सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है जिसके तहत गैर मुस्लिम भी वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बन सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता पर रोक लगाने से भी इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि यह 1995 से 2013 तक भी मौजूद था। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 के सभी प्रावधानों पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कहा कि कानून की कुछ धाराओं को संरक्षण की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान पर रोक लगा दी है, जिसके अनुसार पिछले पांच वर्षों से इस्लाम का पालन करने वाले व्यक्ति ही वक्फ बना सकते हैं। अदालत ने कहा कि यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा, जब तक यह तय करने के लिए नियम नहीं बन जाते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए संशोधनों पर कोई रोक नहीं लगाई है। केवल याचिकाकर्ताओं के पक्ष में एक अंतरिम आदेश है कि संशोधित कानून सहित कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उन्हें वक्फ संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। यदि सरकार को कोई वक्फ लेना है, तो वक्फ अधिनियम में ▶10 पर

कोसी-सीमांचल के विकास के लिए 40 हजार करोड़ की योजना

पूर्णिया की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुनादी

कांग्रेस-राजद सुन ले घुसपैठियों को जाना ही होगा

पटना/पूर्णिया, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के कोसी-सीमांचल क्षेत्र में विकास की बड़ी योजनाओं की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस और राजद गठबंधन की बेजा हरकतों को लेकर स्पष्ट चुनौती दी। पीएम मोदी ने कहा, पूर्णिया की धरती से मैं उन लोगों को एक बात अच्छी तरह समझाना चाहता हूं कि राजद और कांग्रेस की जमात कान खोलकर सुन लो, जो भी घुसपैठिया है, उसे बाहर जाना ही होगा। घुसपैठ पर ताला लगाना, एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। जो घुसपैठियों को बचा रहे हैं, मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि आप कितनी भी ताकत लगा लो अब हम उन्हें देश में घुसने नहीं देंगे। भारत में घुसपैठियों की मनमानी नहीं चलेगी। यह मोदी की गारंटी है कि घुसपैठियों पर कार्रवाई होगी।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद लंबे समय से बिहार की सत्ता से बाहर है। मैं इसके लिए माताएं एवं बहनों को नमन करता हूं। राजद की सरकार में माताएं-बहनें परेशान थीं। वह डरी हुई थीं। आज डबल इंजन की सरकार में वह लखपति दीदी बन रही हैं। जीविका दीदी आज पूरे देश के लिए प्रेरणा है। पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस को केवल अपने परिवार की चिंता है। यह लोग कभी आपकी चिंता नहीं करेंगे। लेकिन, मोदी के लिए आप ही परिवार हैं। इसलिए मोदी कहता है सबका साथ सबका विकास। आने वाले दिनों में कई पर्व और त्यौहार आने वाले हैं। इस बार हमारी सरकार ने गरीबों के लिए बहुत बड़ा उपहार दिया है। आज से ठीक हफ्ते बाद नवरात्र का त्यौहार आएगा और 22 सितंबर से जीएसटी कम हो जाएगी।

पीएम मोदी ने कोसी-सीमांचल वासियों को एक बड़ी सौगात दी। पीएम मोदी ने करीब 40 हजार करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इसमें राष्ट्रीय मखाना बोर्ड की स्थापना सबसे प्रमुख है। पीएम मोदी ने कहा कि मखाना और बिहार का बहुत गहरा नाता रहा है। मखाना बोर्ड से इस क्षेत्र के हमारे किसान भाई-बहनों को बहुत लाभ होने वाला है। पीएम मोदी ने पूर्णिया एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट को हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने चार ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्णिया की गरीब महिलाओं को आवास योजना के तहत घर की चाबी भेंट की। इसके बाद उन्होंने मैथिली में लोगों को प्रमाण कहा। कहा कि मैं आप सबसे क्षमा मांगता हूं कि कोलकाता में मेरे कार्यक्रम के कारण मुझे पूर्णिया आने में देर हुई।

पीएम मोदी ने कहा, बिहार का विकास कांग्रेस और राजद वालों को पच नहीं रहा है। कुछ दिन पहले ही राजद की सहयोगी कांग्रेस पार्टी बिहार की तुलना बीड़ी से कर रही थी। आप बताइए ऐसी मानसिकता वाले लोग क्या बिहार का भला कर सकते हैं? यह लोग केवल अपनी तिजौरियां भर रहे हैं। ऐसे लोग बिहार का विकास कैसे कर सकते हैं? कांग्रेस के एक प्रधानमंत्री ने माना कि दिल्ली से चला हुआ 100 पैसा बिहार पहुंचते पहुंचते 15 पैसा ही रह जाता है। 85 पैसा नेताओं और अफसरों के पॉकेट में चला जाता है। पहले लालटेन जलाकर पंजा सारा पैसा रख लेता था। कांग्रेस और राजद से बिहार की सम्मान और पहचान को खतरा है। आज घुसपैठियों के कारण बिहार, बंगाल और असल के लोग ▶10 पर

एक करोड़ के इनामी सहदेव सोरेन सहित 3 नक्सली ढेर

हजारीबाग, 15 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। गोरहोर थाना क्षेत्र के पनतीतरी जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें एक करोड़ रुपए का इनामी सहदेव सोरेन मारा गया है।

इस मुठभेड़ में 25 लाख रुपए का इनामी नक्सली रघुनाथ हेम्ब्रम और 10 लाख रुपए का इनामी बिरसेन गंझू भी मारे गए हैं। सहदेव सोरेन लंबे समय से पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था। सुरक्षाबलों को उसकी मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद कोबरा कमांडो और गिरिडीह-हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। मुठभेड़ के दौरान हुई जवाबी फायरिंग में तीनों ▶10 पर

प्रधानमंत्री ने किया सैन्य कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन

सुरक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण में भी सेना का योगदान: मोदी

कोलकाता, 15 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कोलकाता में 16वें संयुक्त कमांडर सम्मेलन (सीसीसी) का उद्घाटन किया। आज से शुरू होकर तीन दिनों तक चलने वाला यह सम्मेलन विजय दुर्ग, जिसे पहले फोर्ट विलियम के नाम से जाना जाता था, स्थित भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय में आयोजित किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सशस्त्र बलों का यह पहला महत्वपूर्ण सम्मेलन है और इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी शामिल हैं। यह सम्मेलन 15 से 17 सितंबर

तक चलेगा। इसका आयोजन पूर्वी कमान मुख्यालय में किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर में बेहतरीन भूमिका के लिए भारतीय सेना को बधाई और अभिवादन देता हूं। राष्ट्र निर्माण में भी सेना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पीएम मोदी ने कहा, सेना ने हमेशा देश की संप्रभुता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पीएम मोदी सेना से हुए मुखातिब

प्रधानमंत्री ने सेना के साहस, समर्पण और बलिदान को सैल्यूट किया

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों के साहस, समर्पण और बलिदान की तारीफ की और कहा कि सेना देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती है और हर चुनौती का सामना करती है। अपने संबोधन में पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सशस्त्र बलों की खूब सराहना की, साथ ही राष्ट्र निर्माण, एंटी पायरेसी, संघर्ष क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी और मित्र देशों को मानवीय सहायता और आपदा राहत देने के लिए सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। रक्षा में 2025 को ईयर ऑफ रिफॉर्म मानते हुए, प्रधानमंत्री ने रक्षा मंत्रालय को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और किसी भी स्थिति में जीत हासिल करने के लिए ज्यादा ज्वाइंटनेस, आत्मनिर्भरता और इनोवेशन के लिए ठोस कदम तेजी से लागू करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो साल में लागू किए गए सुधारों और अगले दो साल की योजना की भी समीक्षा की। इस मौके पर सशस्त्र बलों की तरफ से प्रधानमंत्री को सेना की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। खास तौर पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद बनाए गए न्यू नॉर्मल, नई उभरती तकनीक और रणनीति के संदर्भ में भविष्य के ▶10 पर

बीसीसीआई के दबाव में पाकिस्तान से खेला गया मैच

दुबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया। भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने ऐसा करके अपना सांकेतिक विरोध जताया और यह सांकेतिक संदेश दिया कि वे पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं खेलना चाहते थे, उन्हें दबाव में यह मैच खेलना पड़ा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना ने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय खिलाड़ी बीसीसीआई के दबाब में पाकिस्तान से मैच खेला।

सुरेश रैना ने कहा, मैं पक्के तौर पर जानता हूं कि कोई भी खिलाड़ी एशिया कप में नहीं खेलना चाहता था। खिलाड़ी मजबूरी में खेले क्योंकि बीसीसीआई ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का फैसला ले लिया था। ▶10 पर

यूक्रेन की मदद को आगे आए पोलैंड और रोमानिया, जेट विमान तैनात

लंदन,15 सितंबर (एजेंसियां)।

सैन्य गठबंधन उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) सहयोगी पोलैंड और रोमानिया ने शनिवार को यूक्रेन में रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों का जवाब देने के लिए लड़ाकू विमानों को तैनात किया। यह सैन्य गठबंधन मित्र देशों के हवाई क्षेत्र के बार-बार उल्लंघन के जवाब में अपने रक्षात्मक विकल्पों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, पोलिश सेना ने कहा कि यूक्रेन की सीमा से लगे हवाई क्षेत्र में जेट विमानों की तैनाती के बाद शनिवार को हवाई क्षेत्र का कोई उल्लंघन दर्ज नहीं किया गया। पोलिश प्रधानमंत्री डोनाड टस्क ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में बताया कि पोलैंड की सीमा के पास यूक्रेन में रूसी ड्रोनों द्वारा संचालित खतरे के जवाब में रक्षा तैयारी उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है।

लेकिन, बुखारेस्ट में रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, नाटो के पूर्वी हिस्से में दक्षिण में एक रूसी ड्रोन ने रोमानियाई हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। मंत्रालय ने कहा कि डेन्यूब नदी पर यूक्रेनी बुनियादी ढांचे पर रूसी हवाई हमलों के बाद यूक्रेन की सीमा पर हवाई स्थिति की निगरानी के लिए दो एफ-16 लड़ाकू विमान भेजे गए। डेन्यूब नदी रोमानिया और यूक्रेन के मध्य बहती है। रूसी ड्रोन और मिसाइलों ने बार-बार यूक्रेनी बंदरगाह और वहां के शिपिंग ठिकानों को निशाना बनाया है।

पोलैंड के राष्ट्रीय सुरक्षा ब्यूरो ने रविवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पोलैंड गणराज्य के राष्ट्रपति करोल नवरोकी ने एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन के विदेशी सदस्य देशों के सशस्त्र बलों के एक हिस्से को ईस्टर्न सेंट्री अभियान के तहत पोलैंड गणराज्य के सुदृढ़ीकरण के रूप में पोलैंड गणराज्य के क्षेत्र में रहने की सहमति व्यक्त की गई है। पोस्ट में कहा गया, राष्ट्रपति का प्रस्ताव गोपनीय है।

रोमानिया के रक्षा मंत्री इयोनुत मोस्टेनु ने एक्स पर कहा कि बुखारेस्ट रूस के लापरवाह व्यवहार की निंदा करता है। हम अपने नाटो सहयोगियों के साथ सतर्क हैं। रोमानिया ने अभी तक किसी भी रूसी ड्रोन को नहीं मार गिराया है। उधर, नाटो देशों के ड्रोन मार गिराने का पहला मामला पिछले सप्ताह सामने आया, जब पोलिश और डच लड़ाकू विमानों ने पोलैंड के ऊपर तीन रूसी ड्रोनों को नष्ट कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

कैलाश मानसरोवर यात्रा कर लौट रहे श्रद्धालु नेपाल-चीन सीमा पर फंसे

काठमांडु। कैलाश मानसरोवर से दर्शन करके लौटते वक्त नेपाल-चीन बॉर्डर पर स्थित हिल्सा बॉर्डर (नेपाल) में अयोध्या जिले के श्रद्धालु फंसे गए। वे भारत लौटने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखते हुए गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह और समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। विधायक अभय सिंह ने अपने पत्र में भारत सरकार से अपील की है कि नेपाल में फंसे श्रद्धालुओं को सुरक्षित रूप से भारत लाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने संबंधित मंत्रालयों और अधिकारियों को निर्देशित करने की भी मांग की है। सांसद-विधायक ने पीएम मोदी से की सुरक्षित भारत लाने की अपील वहीं समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भी इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए पीएम मोदी और गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। सांसद ने भरोसा दिलाया कि वे खुद गृह मंत्रालय से बातचीत कर श्रद्धालुओं को सुरक्षित वापस लाने की कोशिश करेंगे। नेपाल में फंसे लोगों के परिवार चिंतित हैं। गोसाईगंज के रहने वाले रमाकांत यादव के भाई ने बताया कि उनके भाई फंसे हुए श्रद्धालुओं में शामिल हैं। इन सभी के परिवार वाले चिंतित है। उन्होंने कहा कि हमारी एक ही उम्मीद है कि सरकार जल्द उन्हें भारत वापस लाए। इस मामले में आगे की कार्रवाई और श्रद्धालुओं की सुरक्षित वापसी को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार है ।

नाटो देश खरीद रहे हैं रूसी तेल हमारे प्रतिबंध लगाने से क्या होगा: राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर चीन और भारत ही थे। अब रूसी तेल को लेकर अमेरिका और नाटो के बीच भी झगड़ा शुरू हो गया है। ट्रंप का कहना है कि वे अकेले प्रतिबंध लगाकर कुछ नहीं कर सकते, जब तक यूरोपीय संघ और नाटो के देश रूसी तेल खरीदना बंद नहीं करेंगे। इस मामले में उन्होंने नाटो के सदस्य देशों को एक पत्र भी लिखा है और इसमें अपनी बात कही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने के मामले में इस बार यूरोपीय संघ को निशाने पर लिया है उन्होंने कहा है कि अगर वे रूस से तेल खरीदना बंद करें तो ही रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन यूरोपीय देशों की ओर से की जा रही कोशिशें अब भी कम हैं। ट्रंप ने साफ कहा कि वे और भी सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं, लेकिन तब तक इंतजार करेंगे जब तक नाटो देशों में सभी एकजुट होकर रूस पर कड़े प्रतिबंध नहीं लगाते। ट्रंप ने नाटो के सदस्य देशों को लिखी चिट्ठी में कहा है - मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं, लेकिन यह तभी होगा जब सभी नाटो देश एक साथ रूस से तेल खरीदना बंद कर देंगे और उस पर कड़े प्रतिबंध लगाएंगे।

सविता भंडारी बनीं नेपाल की पहली अटॉर्नी जनरल

काठमांडू। नेपाल में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने वरिष्ठ अधिवक्ता सविता भंडारी को नया अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया। सविता भंडारी इस संवैधानिक पद पर पहुंचने वाली देश की पहली महिला बनीं। राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, यह नियुक्ति प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर हुई है। इससे पहले रविवार को ही राष्ट्रपति भवन ने पूर्व अटॉर्नी जनरल रमेश बादल का इस्तीफा मंजूर किए जाने की सूचना सार्वजनिक की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सविता भंडारी सूचना आयोग में आयुक्त रह चुकी हैं और प्रख्यात विधि विद्वान कृष्ण प्रसाद भंडारी की पुत्री हैं। प्रधानमंत्री कार्की ने सुबह ही उनके नाम का प्रस्ताव दिया था, जिसके स्वीकार होने के बाद प्रक्रिया पूरी हुई। इधर, हाल ही में जेन जेड आंदोलन के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ भड़की हिंसक प्रदर्शनों में राख में तब्दील हो चुकी नेपाल की अहम संस्थाओं ने सेवाएं फिर शुरू कर दीं। अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त होने के दो दिन बाद सुशीला कार्की ने सिंह दरबार स्थित दफ्तर से औपचारिक रूप से कामकाज संभाला। इस मौके पर उन्होंने आंदोलन में मारे गए युवाओं के परिवारों को 10-10 लाख नेपाली रुपये देने और उन्हें शहीद घोषित करने का ऐलान किया। प्रदर्शनों के दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय और कई मंत्रालयों में आग लगा दी गई थी। कार्की ने सिंह दरबार परिसर में बचे हुए एक भवन से कामकाज शुरू किया। उन्होंने कहा कि यह आगजनी और तोड़फोड़ साज़िश के तहत की गई हो सकती है और हर पहलू की जांच होगी।

इजराइल का गाजा शहर पर हवाई हमला कई इमारतों में विस्फोट के बाद आग लगी

गाजा पट्टी,15 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइली सेना ने रविवार को गाजा शहर में हवाई हमला। इससे कई ऊंची इमारतों में विस्फोट के बाद आग लग गई। इसके बाद लोगों को कई इलाकों को छोड़ने की चेतावनी दी गई। इजराइली सेना ने शहर को पूरी तरह से खाली करने का आदेश दिया है।

सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल की सेना ने रविवार सुबह कुछ ही घंटों के भीतर गाजा शहर में कई टावरों को खाली कराने के आदेश जारी किए हैं। यह हमले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आहूत बैठक से पहले हुई है। बैठक में गाजा में बंधक बनाए गए लोगों को नुकसान से बचाने के प्रयासों पर चर्चा की जाएगी। इजराइल की सेना ने गाजा के बंदरगाह के पास स्थित 11 मंजिला अल कवथर इमारत को भी निशाना बनाया है।

एक सूत्र ने बताया कि गुरुवार को होने वाली बैठक में इजराइली विदेश और रक्षा मंत्रियों के साथ-साथ इजराइली सैन्य और सुरक्षा सेवाओं के प्रमुख भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि गाजा में अभी भी लगभग 20 बंधक जीवित हैं। दो इजराइली अधिकारियों ने बताया कि आने वाले दिनों में गाजा शहर में इजराइली सैन्य जमीनी अभियान शुरू होने वाला है।

फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के महानिरीक्षक ने रविवार को एक बयान में कहा कि पिछले चार दिनों में गाजा शहर में कम से कम 10 संयुक्त राष्ट्र भवनों पर हमला किया गया है। यूएनआरडब्ल्यूए के महानिरीक्षक फिलिप लाज़ारिनी ने कहा कि शहर और गाजा के उत्तर में तेज इजराइली हवाई हमलों के बाद गाजा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है और कोई भी सुरक्षित नहीं है।

इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि हमास इस क्षेत्र में इजराइली सैनिकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहा था। अल मोहना टावर (ऊंची इमारत तेल अल-हवा इलाके में स्थित है) को हमास प्रयोग कर रहा था। उसे भी निशाना बनाया। इजराइली रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने एक्स पर स्थित छह मंजिला इमारत को निशाना बनाकर किए गए हमलों का एक वीडियो पोस्ट किया है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को गाजा पर इजराइली हमलों में कम से कम 74 फिलिस्तीनी मारे गए।

हिंसा और आगजनी के परिणाम: नेपाल में तंबू में चलाई जा रही सुप्रीम कोर्ट

काठमांडू। किसी भी समस्या का समाधान हिंसा नहीं हो सकती। नेपाल में प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के परिणाम सामने आने लगे हैं। हालात ये हैं कि पहले प्रदर्शनकारियों में लूटपाट कर तमाम संस्थाओं को आग के हवाले कर दिया। देश की तमाम महत्वपूर्ण संस्थाओं की इमारतें फुंक दी गई हैं। ऐसे में जब कर्फ्यू हटा और दफ्तर खुले, तो कामकाज करने की जगह तक नहीं मिली। यही वजह है कि नेपाल में सुप्रीम कोर्ट अस्थायी तंबू में चल रही है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सामान्य तरीके की तरह ही सुप्रीम कोर्ट ने मामलों की जानकारी ली और तारीखें दीं। इसके बाद पंजीकरण और कैदियों के पेश होने की याचिकाओं की सुनवाई हुई। चूंकि सुविधाएं नहीं हैं, ऐसे में कोर्ट में लंबित मामलों की तारीखें आगे बढ़ाई जा रही हैं। दिक्कत ये है कि अदालत के बहुत से दस्तावेज भी आगजनी की घटनाओं में जल चुके हैं या खो गए हैं। नेपाल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजय प्रसाद मिश्रा ने कहा कि इन हालात में अदालत पूरी तरह काम तो नहीं शुरू कर सकती लेकिन इसे धीरे-धीरे पटरी पर लाया जा रहा है। बता दें कि नेपाल में अब सारे दफ्तर खोल दिए गए और ये पहला दिन था जब कोर्ट फिर से कामकाज करने लगा। इसके लिए इमारत नहीं थी, तो टेंट लगाए गए, जिन पर साफ लिखा था - सुप्रीम कोर्ट नेपाल। स्थानीय मीडिया ने कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, तो देखने वाले दंग रह गए क्योंकि यहां कोर्ट के स्टाफ सामान्य तरीके से काम कर रहे थे। वे आम जनता से मिल रहे थे और सुनवाई की तारीखें दे रहे थे। पिछले हफ्ते हुए जेन जी के हिंसक हुए प्रदर्शनों में कोर्ट परिसर और आसपास के सरकारी भवनों को भी आग लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट परिसर में कई गाड़ियां और मोटरसाइकिल जल गईं। कोर्ट की बिल्डिंग, जजों के चेंबर्स और रजिस्ट्रार ऑफिस बर्बाद हो गया। नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने भी रविवार को दिए गए जनता को संबोधन में बताया कि कोर्ट की फाइलें और रिकॉर्ड सब नष्ट हो गए हैं और अब सब कुछ फिर से बनाना होगा। इसके लिए नए सिरे से काम करना होगा। इन घटनाओं की वजह से कामकाज ठप न पड़े इसलिए कोर्ट का काम तंबू में ही शुरू हो गया है।

यूक्रेन ने रूस पर 361 ड्रोन दागे, तेल रिफाइनरी में विस्फोट, रेल पटरी नष्ट

मॉस्को (रूस),15 सितंबर (एजेंसियां)।

रूस की आक्रामकता से झुलस रहे यूक्रेन ने पिछले 48 घंटों में उसे क्षति पहुंचाने की बड़ी कोशिश की है। रूस के अधिकारियों के अनुसार, यूक्रेन ने शनिवार शाम से रविवार सुबह सूरज उगने से पहले तक कम से कम 361 ड्रोन दागे। इस दौरान उत्तर-पश्चिम में स्थित विशाल किरिशी तेल रिफाइनरी में शक्तिशाली विस्फोट हुआ और आग लग गई।

द मॉस्को टाइम्स और तास की रिपोर्ट्स में इस घटना का जिक्र करते हुए बताया गया है कि नाटो सदस्य पोलैंड में रूसी ड्रोन गिराए जाने के कुछ देरबाद यूक्रेन ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल निर्यातक रूस में तेल रिफाइनरी और पाइप लाइनों पर हमले किए। हालांकि रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों ने कम से कम 361 ड्रोन मार गिराए। खबरों के अनुसार, पश्चिमी लेनिनग्राद क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में रविवार तड़के दो ट्रेनें पटरी से उतर गईं। हादसे में एक ट्रेन चालक की मौत हो गई और रेल यातायात बाधित हो गया। दोनों घटनाएं शनिवार देररात पश्चिमी ओरयोल में रेल पटरी के एक हिस्से पर विस्फोटक के कुछ घंटों बाद हुईं। इस विस्फोट में तीन रूसी राष्ट्रीय रक्षक अधिकारी मारे गए। यूक्रेन सैन्य खुफिया एजेंसी के एक सूत्र ने दो हमलों की जिम्मेदारी ली, लेकिन उस दुर्घटना की जिम्मेदारी नहीं ली जिसमें चालक की मौत हो गई। कीव ने कहा है कि मॉस्को इन रेल मार्गों का इस्तेमाल यूक्रेन में लड़ रही अपनी सेना के लिए सैनिकों और ईंधन पहुँचाने के लिए करता है। इसलिए इनको निशाना बनाया गया। गवर्नर अलेक्जेंडर ड्रोज्डेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, लेनिनग्राद के गाचिना जिले में सेमरिनो स्टेशन के पास एक डीजल इंजन पटरी पर उतर गया। उसके चालक की मौत हो गई। ड्रोज्डेंको ने बताया कि 15 बोगी वाली एक मालगाड़ी भी दिन में दक्षिण में स्ट्रोगानोवो और मशिन्स्काया गांवों के बीच पटरी से उतर गई। तास के अनुसार, यूक्रेनी सेना ने विशेष सैन्य अभियान क्षेत्र में 24 घंटे में लगभग 1,330 सैनिकों को खोया है। विशेष रूप से बैटलग्रुप नॉर्थ के क्षेत्र में 170 सैनिक, बैटलग्रुप वेस्ट के क्षेत्र में 240 से अधिक सैनिक, बैटलग्रुप साउथ के क्षेत्र में 200 सैनिक, बैटलग्रुप सेंटर के क्षेत्र में 450 सैनिक, बैटलग्रुप ईस्ट के क्षेत्र में 225 से अधिक सैनिक और बैटलग्रुप डेनेपर के क्षेत्र में 45 से अधिक यूक्रेनी सैनिक मारे गए।

अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान ने अभ्यास कर दिखाया दम, किम जोंग भड़के

वाशिंगटन। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने सोमवार को दक्षिण कोरिया के एक द्वीप के पास वायु और नौसैनिक अभ्यास किया। वहीं उत्तर कोरिया ने इस संयुक्त युद्धाभ्यास की निंदा करते हुए इसे लापरवाह शक्ति प्रदर्शन बताया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि 'फ्रीडम एज' नामक यह अभ्यास समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र में तीनों देशों की संयुक्त अभियागत क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। यह उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने के लिए जरुरी है। इस संयुक्त युद्धाभ्यास की निंदा कर इसे लापरवाह शक्ति प्रदर्शन बतायाअमेरिकी हिंद-प्रशांत कमांड ने बताया कि इस अभ्यास में अमेरिकी मरीन और वायुसेना के हवाई उपकरण शामिल हैं और इसमें उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल व वायु-रक्षा अभ्यास, चिकित्सीय निकासी और समुद्री अभियानों का प्रशिक्षण होगा। इसे अब तक का सबसे उन्नत त्रिपक्षीय रक्षा सहयोग अभ्यास बताया जा रहा है। यह अभ्यास दक्षिण कोरिया के दक्षिणी जेजू द्वीप के पास शुक्रवार तक चलेगा। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने इन अभ्यासों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया के आसपास किया गया यह लापरवाह शक्ति प्रदर्शन अंततः उनके लिए ही बुरे नतीजे लाएगा।

पाकिस्तान में कानून पर लगी मुहर- अब बिना आरोप के 3 माह तक हिरासत में रखेगी पुलिस

इस्लामाबाद,15 सितंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान दुनिया का एक मात्र देश है जहां सिर्फ आतंक और दहशत का पालन-पोषण होता है। जुल्म और अत्याचार का गढ़ बने इस दुश में अब एक नया कानून बन गया है। जिसे आतंकवाद निरोधक (संशोधन) विधेयक, 2025 कहा गया है, इस नए कानून पर के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस कानून के लागू होते ही सरकार और सुरक्षा बलों को संदिग्धों को बिना आरोप लगाए तीन महीने तक हिरासत में रखने की व्यापक शक्तियां मिल गई हैं। हालांकि, सरकार का कहना है कि आतंकी घटनाएं, फिरौती और अपहरण जैसी घटनाओं से निपटने के लिए यह कानून जरूरी है, लेकिन विपक्षी दलों और मानवाधिकार संगठनों ने इसे नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला बताया है। यह संशोधन 1997 के आतंकवाद निरोधक अधिनियम (एटीए) के उन प्रावधानों को बहाल करता है जो पहले समाप्त हो चुके थे। अब संघीय एजेंसियां ही नहीं, बल्कि सेना भी सरकारी आदेशों के तहत लोगों को हिरासत में ले सकेगी। आलोचकों का कहना है कि कानून में राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे शब्द बहुत व्यापक और अस्पष्ट हैं, जिनका इस्तेमाल मनमाने ढंग से राजनीतिक कार्यकर्ताओं, छात्रों, पत्रकारों और अल्पसंख्यकों पर किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सबसे विवादास्पद पहलू रोकाथामात्मक हिरासत का है, जिसमें कार्रवाई के लिए सिर्फ विश्वसनीय सूचना या उचित संदेह ही पर्याप्त माना गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रावधान बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियों और दमन का रास्ता खोल सकता है। कानून में सेना को विशेष अधिकार दिए जाने से पाकिस्तान की राजनीति में पहले से ही मजबूत सैन्य प्रभाव और गहरा होने की आशंका जताई जा रही है। विश्लेषकों का कहना है कि पहले भी आतंकवाद विरोधी कानूनों का इस्तेमाल वास्तविक आतंकी खतरों से इतर, बलूच राष्ट्रवादियों, पश्तून कार्यकर्ताओं और अन्य हाशिये पर खड़े समुदायों के खिलाफ होता रहा है।

एमी अवार्ड्स 2025 के विजेताओं की पूरी लिस्ट आई सामने, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड जीन स्मार्ट को

वाशिंगटन,15 सितंबर (एजेंसियां)।

मनोरंजन जगत के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित पुरस्कारों में गिने जाने वाले एमी अवार्ड्स का 77वां संस्करण लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में आयोजित हुआ। पहली बार इस शो की मेजबानी अमेरिकी स्टैंडअप कॉमेडियन नैट बार्गेट्ज ने की। इस बार अवार्ड्स में सेवरेंस, द पिट, एडोलसेंस और द स्टूडियो जैसी सीरीज का जलवा छाया रहा। अब आखिरकार एमी अवार्ड्स 2025 के विजेताओं की पूरी लिस्ट सामने आ चुकी है। कॉमेडी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब सेठ रोजेन को उनकी सीरीज द स्टूडियो के लिए मिला। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवार्ड जीन स्मार्ट ने हैक्स के लिए अपने नाम किया। मंच से उन्होंने हैक्स की पूरी टीम और कलाकारों का आभार जताया। ड्रामा कैटेगरी की बात करें तो ब्रिट लोअर को सेवरेंस में शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया, जबकि एडम स्कॉट ने भी इसी सीरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब हासिल किया।

अभिनेत्री कैथरीन लानासा को द पिट के लिए ड्रामा सीरीज की सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का अवार्ड मिला। मंच पर आते ही वह भावुक हो उठीं और अपनी पूरी टीम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कॉमेडी सीरीज श्रेणी में इस साल दो बड़े नामों ने बाजी मारी। द स्टूडियो के लिए सेठ रोजेन को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का अवार्ड मिला, जबकि द ओनर के लिए इवान गोल्डबर्ग को यह सम्मान दिया गया। ड्रामा सीरीज में सेवरेंस के सेठ मिलचिक का दमदार किरदार निभाने वाले ट्रैमेल टिलमैन ने सहायक अभिनेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं, ओवन कूपर ने एडोलेसेंस के लिए अवॉर्ड जीतकर नया इतिहास रच दिया। महज 15 साल की उम्र में वह यह सम्मान हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष अभिनेता बने।

77वें एमी अवॉर्ड्स 2025 के विजेताओं की पूरी लिस्ट

- बेस्ट ड्रामा सीरीज - द पिट
- बेस्ट एक्टर (ड्रामा सीरीज) - नूह वाइल (द पिट)
- बेस्ट एक्ट्रेस (ड्रामा सीरीज) - ब्रिट लोअर (सेवरेंस)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (ड्रामा सीरीज) - ट्रैमेल टिलमैन (सेवरेंस)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस (ड्रामा सीरीज) - कैथरीन लानासा (द पिट)
- बेस्ट डायरेक्टर (ड्रामा सीरीज) - एडम रैंडल (स्लो हॉर्सेज)
- बेस्ट कॉमेडी सीरीज - द स्टूडियो
- बेस्ट एक्टर (कॉमेडी सीरीज) - सेठ रोजेन (द स्टूडियो)
- बेस्ट एक्ट्रेस (कॉमेडी सीरीज) - जीन स्मार्ट (हैक्स)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (कॉमेडी सीरीज) - जेफ हिलर (समबडी समव्हेयर)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस (कॉमेडी सीरीज) - हान्नाह ऐनबिंडर
- बेस्ट डायरेक्टर (कॉमेडी सीरीज) - सेठ रोजेन (द स्टूडियो)
- बेस्ट लिमिटेड या एंथोलॉजी सीरीज - एडोलसेंस
- बेस्ट एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - स्टीफन ग्राहम (एडोलसेंस)
- बेस्ट एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज) - क्रिस्टिन मिलिओटी (द पेंगुइन)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - ओवेन कूपर
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - एरिन डोहर्टी (एडोलसेंस)
- बेस्ट डायरेक्टर (लिमिटेड/एंथोलॉजी सीरीज या फिल्म) - फिलिप बैरेंटिनी (एडोलसेंस)
- बेस्ट टॉक सीरीज - द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट
- आउटस्टैंडिंग रियलिटी कम्पटीशन - द ट्रेटर्स।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

पीपीएफआई का इंडिया विजन : भारत को इस्लामी मुल्क बनाना

पीपीएफआई के कमांडर महबूब आलम ने खोले कई राज

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 14 सितंबर को पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीपीएफआई) के बिहार राज्य अध्यक्ष महबूब आलम उर्फ महबूब आलम नदवी को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई 2022 के फुलवारीशरीफ़ आपराधिक साजिश मामले से जुड़ी हुई है।

महबूब आलम बिहार के कटिहार जिले के हसनगंज इलाके का रहने वाला है। उसे किशनगंज से पकड़ा गया। वह इस मामले में गिरफ्तार और चार्जशीट किए गए कुल 26 आरोपितों में से 19वां आतंकी है। यह केस पीएफआई की उन गतिविधियों से जुड़ा है, जिनका मकसद धार्मिक नफरत फैलाकर समाज में डर और आतंक का माहौल बनाना और देश विरोधी साजिशों को अंजाम देना था। एनआईए के मुताबिक, यह मामला शांति और सौहार्द बिगाड़ने, लोगों में असंतोष फैलाने और देश के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने से जुड़ा है। यह मुकदमा सबसे पहले स्थानीय पुलिस ने 26 संदिग्धों के खिलाफ दर्ज किया था। एजेंसी ने बताया कि आरोपित अवैध और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल थे, जिनका लक्ष्य था, धार्मिक उन्माद भड़काना, समाज में अशांति फैलाना और हिंसा को हथियार बनाकर अपने मकसद पूरे करना।

जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि महबूब आलम और दूसरे आरोपित पीएफआई के उस विजन डॉक्यूमेंट पर काम कर रहे थे, जिसे 11 जुलाई 2022 को फुलवारीशरीफ़ स्थित अहमद पैलेस से बरामद किया गया था। इसी दस्तावेज में संगठन की गुप्त योजना का जिक्र था। एनआईए ने बताया कि महबूब आलम इस साजिश का हिस्सा था और उसने भर्ती, ट्रेनिंग, बैठकों और अन्य देशविरोधी गतिविधियों में भाग लिया। इतना ही नहीं, उसने फंड भी जुटाया और इसे अपने साथियों और पीएफआई कार्यकर्ताओं तक पहुंचाया। एजेंसी ने कहा कि इस मामले की जांच बीएनएस और यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम) के तहत जारी है।

जांच में पता चला कि आलम और उसके साथी एक गुप्त विजन डॉक्यूमेंट पर काम कर रहे थे। इसका नाम इंडिया विजन 2047 था। बिहार पुलिस ने जुलाई 2022 में आठ पन्नों का एक दस्तावेज जब्त किया था। जिस दस्तावेज का मकसद साफ था, वे 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने की योजना बना रहे थे। इसमें कहा गया कि अगर कुल मुस्लिम आबादी का मात्र 10 प्रतिशत भी उनका साथ दे दे तो वे बहुसंख्यक समुदाय को दबाकर अपना वर्चस्व कायम कर लेंगे।

डायरेक्ट रोडमैप में भर्ती और प्रशिक्षण पर जोर था। खासकर एक पीई विंग बनाकर उन्हें तलवार, डंडे और अन्य हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जाएगी ताकि आक्रामक व रक्षात्मक दोनों काम कर सकें। साथ ही सरकारी विभागों, कोर्ट, पुलिस और सेना में विश्वासी मुसलमान घुसाने की रणनीति बताई गई थी। दस्तावेज ने विरोधियों को अलग-थलग करने और जरूरत पड़ी तो हटा देने तक की बात कही थी। रणनीति में मीडिया-आउटरीच, हर इलाके में पीएफआई की मौजूदगी और संघ या परिवार के नेताओं के खिलाफ जानकारी इकट्ठा करने जैसे कदम भी बताए गए थे। आखिरी हिस्से में कहा गया कि सीधी लड़ाई की स्थिति में विदेशों, खासकर तुर्की जैसे मित्र इस्लामी देशों से मदद ली जाएगी।

इस दस्तावेज में लिखा था कि 2047 तक भारत को इस्लामी राष्ट्र बनाने की योजना है। इस दस्तावेज में पीएम मोदी पर हमले की साजिश का भी जिक्र था। दस्तावेज में साफ लिखा था कि सिर्फ 10% मुस्लिमों की मदद से भी कायर हिंदुओं को दबाया जा सकता है। योजना में विदेशी इस्लामी देशों, खासकर तुर्की से मदद लेकर भारत के खिलाफ हथियारबंद विद्रोह खड़ा करने की बात थी। इसके बाद एनआईए ने 17 राज्यों में छापेमारी की। इसमें बम बनाने के मैनुअल, ट्रेनिंग मॉड्यूल, विजन 2047 डॉक्यूमेंट और एक सीडी जब्त की गई। इन सबका मकसद था भारत में दहशत फैलाना और इस्लामी शासन थोपना। इन खुलासों के बाद सितंबर 2022 में केंद्र सरकार ने पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर 5 साल का बैन लगा दिया।

सरकार ने साफ कहा कि ये सभी संगठन यूएपीए कानून के तहत अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। बैन किए गए संगठनों में ऑल इंडिया इमाम्स काउंसिल, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया (सीएफआई), रहाब इंडिया फाउंडेशन, एनसीएचअ-रओ, नेशनल वीमेन फ्रंट, जूनियर फ्रंट, एम्पावर इंडिया फाउंडेशन और रहाब फाउंडेशन, केरल भी शामिल हैं।

एक माह बीतने के बाद भी मचेल में लापता लोग नहीं मिल पाए

जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। मचेल माता के बेस कैंप चिशोती में एक माह पहले बादल फटने की घटना में लापता लोग अभी तक नहीं मिल पाए हैं। हालांकि इन लापता होने वालों की संख्यां पर अभी भी विवाद है क्योंकि मुख्यमंत्री यह संख्या 70 से अधिक बताते हैं तो आधिकारिक रिकार्ड में यह 32 है। हालांकि अभी तक 72 शव निकाले जा चुके हैं। ये तीर्थयात्री 14 अगस्त के खूनी दिन, पहाड़ी किश्तवाड़ जिले में देवी चंडी के मंदिर जाते समय चिशोती में हुए बादल फटने की त्रासदी का शिकार हो गए थे। इस आपदा में कई तीर्थयात्री मारे गए थे और कई अन्य लापता हो गए थे, जिनमें से कुछ के शव कई दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद ही बरामद हो पाए थे। लापता हुए बदकिस्मत 32 तीर्थयात्रियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

वैसे बादल फटने के बाद, बचावकर्मियों ने लगभग 167 तीर्थयात्रियों को बचाया और इस त्रासदी में 72 अन्य तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई लापता घोषित कर दिए गए और बचावकर्मियों ने आपदा प्रभावित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से कुछ लापता व्यक्तियों के कटे हुए अंग भी बरामद किए। लापता लोगों की तलाश के लिए लगातार प्रयास जारी हैं, लेकिन खोजकर्ताओं को अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। अब जबकि यह त्रासदी लगभग एक महीना पुरानी हो चुकी है, लापता लोगों के परिजन मृतकों से जुड़े रीति-रिवाजों को लेकर गहरे शोक और असमंजस में हैं, क्योंकि उन्हें अब भी उम्मीद है कि उनके लापता प्रियजन किसी दिन स्वस्थ होकर अपने परिवारों से मिल पाएंगे।

हालांकि इन लापता लोगों के परिजन और अन्य प्रियजन कुछ दिनों तक घटनास्थल पर रुके और खोजकर्ताओं की हर सफलता पर उत्सुकता से नजर रखी, लेकिन कई दिनों तक कोई सफलता न मिलने पर, वे खोज अभियान की जानकारी के लिए प्रशासन, पुलिस और कुछ स्थानीय पत्रकारों के फोन नंबर लेकर अपने घर के लिए रवाना हो गए। लापता प्रियजनों को खोजने में कोई कसर नहीं छोड़ते हुए, कुछ खोए हुए तीर्थयात्रियों के परिजनों ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लापता तीर्थयात्रियों की तस्वीरें और अन्य विवरण भी पोस्ट किए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कई दिन बीत जाने के कारण शव सड़ गए होंगे या नदी में बहकर किसी और जगह चले गए होंगे।

राजमार्ग बंद के विरोध में कश्मीर की फल मंडियां बंद

जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। फलों से लदे ट्रकों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने में सरकार की विफलता के विरोध में सोमवार को कश्मीर भर की फल मंडियों में पूर्ण बंद रहा। उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि अगर श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग दो दिनों के भीतर पूरी तरह से बहाल नहीं हुआ तो वे घाटी भर में हड़ताल करेंगे। इस बीच श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर व्यवधान के कारण घाटी भर में फल मंडियों के बंद होने के बीच, कृषि उत्पादन विभाग और बागवानी मंत्री जाविद अहमद डार राजमार्ग की स्थिति का जायजा लेने और फलों से लदे ट्रकों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के उपाय खोजने के लिए तुरंत पहुंचे थे। सोपोर स्थित एशिया की दूसरी सबसे बड़ी फल मंडी में भावुक दृश्य देखने को मिले, जहां उत्पादकों ने नम आंखों से उद्योग के अस्तित्व की गुहार लगाई। प्रदर्शन के दौरान कई बागवान रो पड़े और उन्होंने कहा कि उनकी साल भर की मेहनत फंसे हुए ट्रकों में सड़ रही है और सरकार चुपचाप देख रही है। विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, अध्यक्ष फयाज अहमद मलिक ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर लोगों को निराश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर मुख्यमंत्री फलों के ट्रकों की आवाजाही सुनिश्चित नहीं कर सकते, तो उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। अगर आप कुछ नहीं कर सकते, तो इस्तीफा दे दीजिए और कहा कि किसी भी विधायक ने उत्पादकों के पक्ष में आवाज नहीं उठाई। उत्पादकों ने आरोप लगाया कि लोहा और अन्य वस्तुओं से लदे ट्रकों को तो जाने दिया जा रहा है, लेकिन फलों से लदे वाहनों को जानबूझकर रोका जा रहा है। मलिक ने तनाव बढ़ने की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 48 घंटों के भीतर राजमार्ग बहाल नहीं किया गया, तो उत्पादक घाटी भर में हड़ताल की घोषणा करेंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियां ठप हो सकती हैं। गौरतलब है कि सोपोर, हंदवाड़ा, शोपियां, कुलगाम, अनंतनाग और अन्य सहित घाटी भर की मंडियां 14 और 15 सितंबर को दो दिवसीय बंद के आह्वान के तहत बंद रहीं। इस बीच किसानों के बीच पहुंचे डार ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से स्थिति का आकलन कर रहे हैं और राजमार्ग पर सेब के ट्रकों की सुचारू आवाजाही के लिए क्या करने की आवश्यकता है, इसकी जांच कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं आज इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए रामबन में अधिकारियों के साथ बैठक करूंगा तथा सैकड़ों ट्रकों के फंसे रहने की समस्या का आकलन करने तथा समाधान ढूंढने के लिए उधमपुर भी जाऊंगा।

शिक्षा की आड़ में धर्मांतरण और यौन शोषण का धंधा

सात बच्चियां मुक्त कराई गईं, केंद्र को रिपोर्ट प्रेषित

रोहतास, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले के सासाराम में शिक्षण संस्थान में जबरन धर्मांतरण और रेप के मामले का खुलासा हुआ है। इंद्रपुरी के सिकरिया गांव में स्थित जेम्स इंग्लिश स्कूल और उससे जुड़े जेम्स टेलरिंग इंस्टीट्यूट में धर्मांतरण और नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण की घटना सामने आई है। रोहतास जिला बाल कल्याण समिति की जांच में इसका खुलासा हुआ है। समिति ने स्कूल परिसर की जांच की थी और वहां गंभीर शिकायतें पाई थीं। समिति ने अपनी रिपोर्ट में गंभीर आरोप लगाए हैं। रिपोर्ट भारत सरकार के गृह सचिव, डीएम समेत कई अधिकारियों को

भेजी गई है और उच्चस्तरीय जांच की सिफारिश की गई है।

जांच के दौरान समिति को पता चला कि जेम्स टेलरिंग इंस्टीट्यूट में गरीब परिवार के बच्चों को झांसा देकर लाया जाता था और उनका धर्मांतरण कराया जाता है। 27 अगस्त 2025 को गया जिले की एक किशोरी लापता हो गई थी। उसकी मां ने 30 अगस्त को इंद्रपुरी थाने में पीएफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद बाल कल्याण समिति ने 8 सितंबर 2025 को स्कूल परिसर में जांच की। जांच टीम में समिति के अध्यक्ष संतोष कुमार, सदस्य ददन पांडेय, गायत्री कुमारी, इंद्रपुरी की थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी और प्रधान प्रोबेशन पदाधिकारी प्रशांत सिंह विष्ट शामिल थे। जब समिति के लोग जेम्स टेलरिंग इंस्टीट्यूट पहुंचे तो वहां 7-8 बच्चियों को सिलाई सिखाई जा रही थी। जांच के दौरान बच्चियों का नामांकन रजिस्टर, हाजिरी पंजी या अन्य कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। संस्था कब से चल रही है, किस आधार पर बच्चियों को रखा गया है इसका भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

इस दौरान टीम ने पाया कि एक लड़की जोर-जोर से रो रही थी और दो लोग उसे खींचकर ले जा रहे थे।

पूछने पर कहा गया कि उसके पेट में दर्द है। बताया गया कि वह ऐसे ही करती रहती है। इंद्रपुरी थानाध्यक्ष व समिति सदस्य गायत्री कुमारी ऊपर गई। वहां लड़की को चुप कराने के लिए बुरी तरह पीटा जा रहा था। टीम ने बच्ची को रेस्क्यू कर उसे इलाज के लिए भेजा, लेकिन डॉक्टर ने इलाज करने से मना कर दिया। इसके बाद उसे समिति में लाया गया। महिला काउंसलर से बात करने पर लड़की ने बताया कि चार लोगों ने उसके साथ रेप किया था। मेडिकल जांच के बाद उसे बालिका गृह भेजा गया।

9 सितंबर 2025 को समिति की सदस्य गायत्री कुमारी की निगरानी में जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन और इंद्रपुरी थाना अध्यक्ष की टीम ने वहां से कुल सात बच्चियों को मुक्त कराया। समिति ने बताया कि इन सभी बच्चियों को बालिका गृह में शिफ्ट कर दिया गया है। टीम द्वारा दी गई रिपोर्ट में बच्चियों के बयान दर्ज हैं। उनमें से कई बच्चियों ने नामांकन फॉर्म में जो जानकारी दी थी, उससे यह संदेह हुआ कि वहां धर्मांतरण से जुड़ी गतिविधियां चल रही थीं। इस आधार पर समिति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि एक उच्चस्तरीय जांच समिति बनाई जाए और पूरे मामले की गहराई से जांच की जाए। सासाराम के एसपी रौशन कुमार ने भी कहा है कि डीएम स्तर से जांच टीम का गठन किया जाएगा और रिपोर्ट आने के बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी।

तिरंगे की जगह इस्लामिक झंडा लगाने का उकसावा

बलिया में मौलाना शहाबुद्दीन गिरफ्तार

बलिया, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के जमीन पडसरा गांव में मौलाना शहाबुद्दीन को हिंदू विरोधी टिप्पणी करने और आरएसएस के खिलाफ बयानबाजी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। भाषण में उसने लोगों को इस्लाम का झंडा लगाने के लिए उकसाया था।

यह घटना बारावफात के जलसे के दौरान की है। जहां नगरा थाना क्षेत्र के जमीन पडसरा जामा मस्जिद के मौलाना शहाबुद्दीन ने अपने भाषण में आरएसएस और हिंदुत्व को लेकर विवादित टिप्पणी की। इसके अलावा उसने यह भी कहा कि जब हिंदू लोग हिंदुत्व को बढ़ावा देने के लिए झंडा लगाते हैं, तो इस्लाम का झंडा भी लगाना चाहिए। मौलाना ने भारत के तिरंगे पर सवाल उठाते हुए कहा कि सीधे-सीधे इस्लाम का झंडा लगाना चाहिए। उसने कहा कि जैसे हिंदुत्व जिंदाबाद है, वैसे ही इस्लाम जिंदाबाद करना चाहिए, नहीं तो लोग पीसे जाते रहेंगे।

वैष्णो देवी और पुंछ को नहीं मिल पा रही भूस्खलन से मुक्ति

जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। वैष्णो देवी यात्रा और पुंछ में लगातार बारिशों के कारण भूस्खलन रूक नहीं पा रहे हैं। हालत यह है कि अगर वैष्णो देवी में बारिश और भूस्खलन के कारण यात्रा 21वें दिन भी शुरू नहीं हो पाई थी तो पुंछ में सैंकड़ों घरों पर खतरा मंडरा रहा था और बीसियों जमींदोज हो चुके थे।

अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण भूस्खलन, भूमि धंसाव और अचानक बाढ़ आई है, जिससे सैकड़ों परिवार अपने घरों से बेघर हो गए हैं और जम्मू संभाग के पुंछ और रामबन जिलों के कई इलाके संकट में हैं। पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के कलाबन गांव को इस सप्ताह की शुरुआत में आवासीय क्षेत्रों के नीचे की मिट्टी खिसकने के बाद असुरक्षित घोषित कर दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि लगभग 95 घरों में दरारें आ गई हैं और लगभग 700 निवासियों को अस्थायी आश्रयों में पहुंचाया गया है।

कलाबन के एक किसान मोहम्मद यूसुफ, जिन्हें उनके परिवार के साथ एक सरकारी स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया था, ने बताया कि रातों-रात जमीन के कुछ हिस्से धंस गए और हमारे घरों की दीवारें टूटने लगीं। हमने सब कुछ पीछे छोड़ दिया, यह नहीं जानते हुए कि हम कभी वापस लौट भी पाएंगे या नहीं। जिला अधिकारी ने कहा कि एहतियात के तौर पर पुनर्वास किया गया है और आश्रयों में राहत सामग्री और चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं। मेंढर प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता सुरक्षा है। हम सभी प्रभावित परिवारों को भोजन, बिस्तर और आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

इस बीच बदले मौसम और लगातार हो बारिश ने वैष्णो देवी यात्रा के शुरू होने से पहले ही यात्रा मार्ग को एक बार फिर अवरुद्ध कर दिया। रातभर हुई भारी बारिश के कारण मां वैष्णो देवी के पारंपरिक मार्ग पर सांझी छत क्षेत्र में भूस्खलन होने से पत्थर और मलबा मार्ग पर आ गया है। इसके चलते रविवार से मां वैष्णो देवी की यात्रा शुरू नहीं होने से श्रद्धालु मायूस नजर आए। दिनभर यात्रा के प्रवेश द्वार दर्शनी ड्योढ़ी पर श्रद्धालु बैठे रहे थे। मार्ग से मलबा हटाने के लिए युद्धस्तर पर काम जारी है। इस कार्य में माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के कर्मचारी जुटे हुए हैं।

डोडा पुलिस ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के खिलाफ चेताया

तीन दिनों में 300 सोशल मीडिया अकाउंट ब्लाक

जम्मू, 15 सितंबर (ब्यूरो)। डोडा के विधायक और आप पार्टी के प्रदेश प्रमुख मेहराज मलिक को पीएसए के तहत गिरफ्तार किए जाने के बाद डोडा जिले में न सिर्फ माहौल गर्म है बल्कि सोशल मीडिया पर आग फैलाने का काम तेजी से चल रहा है।

पुलिस ने पिछले तीन दिनों में करीब 300 सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक किया है, फिर भी फर्जी खबरों का प्रसारण रुक नहीं पा रहा है। ऐसे में डोडा पुलिस ने लोगों से फर्जी खबरें, पुराने वीडियो, नफरत भरे भाषण या ऐसी कोई भी सामग्री शेयर न करने की अपील की है जिससे परेशानी या अशांति फैल सकती है।

एसएसपी डोडा संदीप मेहता ने कहा कि ऐसी असत्यापित सामग्री शेयर करना अपराध है और आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट के एक पूर्व आदेश (संख्या 3471-74/डीएम डोडा दिनांक 03.09.2025) का भी जिक्र किया, जिसमें सभी को आनलाइन सावधानी बरतने की याद दिलाई गई थी। पुलिस ने लोगों से आग्रह किया है कि वे किसी भी जानकारी को फारवर्ड करने से पहले उसकी जांच कर लें और झूठी या हानिकारक पोस्ट की सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन पर दें। पुलिस ने कहा कि वे ज़िल में शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और अफवाहों और गलत सूचनाओं को फैलने से रोकने के लिए जनता का सहयोग चाहते हैं।

मिस वर्ल्ड से हेल्थ वर्ल्ड तक: मानुषी छिल्लर ने मुंबई में लॉन्च किया सोमा वेलनेस

मिस वर्ल्ड और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर ने हेल्थ-केयर के क्षेत्र में एंटरप्रेन्योरशिप की घोषणा करते हुए, मुंबई में 'सोमा वेलनेस' नाम की एक उन्नत रीजनरेटिव मेडिसिन और वेलनेस सेंटर की स्थापना की है। इस पहल को उन्होंने अपने पिता और प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मित्रा बसु छिल्लर के साथ मिलकर शुरू किया है, जो इस क्लिनिक के मेडिकल डायरेक्टर की भूमिका निभा रहे हैं।चिकित्सा की पढ़ाई में मजबूत अकैडमी बैकग्राउंड और स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी रुचि रखने वाली मानुषी, डॉक्टर बनने की राह पर थीं जब उन्होंने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। अब उनका का लक्ष्य ग्लोबल मेडिकल विशेषज्ञता को भारतीय स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के साथ जोड़ना है। 'सोमा वेलनेस' भारत में वैज्ञानिक प्रमाणित रीजनरेटिव मेडिसिन उपचार पेश करता है जो पहले केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट के प्रमुख केंद्रों में ही उपलब्ध थे।

'सोमा वेलनेस' का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए व्यक्तिगत, अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपचार प्रणाली प्रदान करना है, इसका फोकस केवल लक्षणों के प्रबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे जाकर लंबे समय तक स्वास्थ्य लाभ देने पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं: पुरानी बीमारियों का निवारण, हार्मोनल संतुलन को बेहतर बनाना, वज़न और उम्र से संबंधित समस्याओं का प्रबंधन, जीवन शक्ति और लंबे समय तक स्वास्थ्य की बहाली।

प्रत्येक क्लाइंट की पूरी स्वास्थ्य जांच की जाती है, जिसमें ब्लड प्रोफाइल, एलर्जी और इनटोलरेंस परीक्षण, जेनेटिक, लाइफस्टाइल और एनवायरनमेंट कारकों का विश्लेषण शामिल होता है। इसके आधार पर क्लिनिक एक कस्टमाइज प्लान तैयार करता है जिसमें न्यूट्रीशन, लाइफ-स्टाइल और लक्षित उपचारों (इलाज) को शामिल किया जाता है, जिससे एक ही बीमारी वाले दो व्यक्तियों को एक जैसे इलाज की आवश्यकता नहीं पड़ती।

सोमा वेलनेस पर मानुषी छिल्लर ने अपनी भागीदारी के बारे में बात करते हुए कहा: सोमा मेरे लिए एक जुनून से जुड़ा प्रोजेक्ट रहा है। मैं अपने पिता को दशकों के अभ्यास से मेडिकल साइंस के ज़रिए लोगों का जीवन बेहतर बनाते हुए देखा है, और वहीं से मैंने सीखा है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। भारत को ऐसी विश्वस्तरीय, वैज्ञानिक प्रमाणित वेलनेस केयर की ज़रूरत है जो केवल शरीर नहीं, मन और इतिहास – को ध्यान में रखे।

सोमा में, हम प्रत्येक व्यक्ति के लिए वैज्ञानिक तरीकों से तैयार किए गए इलाज के साथ इस सोच को साकार कर रहे हैं। एक मेडिकल स्टूडेंट के तौर पर, मैं सोमा की यात्रा में लगातार योगदान देने की योजना बना रही हूं। निवारक और रीजनरेटिव मेडिसिन में तीन दशकों से अधिक के अनुसंधान और प्रैक्टिस पर आधारित 'सोमा वेलनेस' ने बहुत कम समय में खुद को भारत में एक अनोखे स्वास्थ्य केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया है।

अब तक ऐसे कई मरीज यहाँ आ चुके हैं जो पहले इन उपचारों के लिए विदेश जाते थे। वहीं, कई अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट भी अब 'सोमा'की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जहां उन्हें कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाला इलाज मिल रहा है। इनोवेशन, सम्पूर्ण देखभाल और उन्नत मेडिकल साइंस को एक साथ मिलाकर 'सोमा वेलनेस' भारतीय स्वास्थ्य क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी कदम का प्रतिनिधित्व करता है, और यह मानुषी छिल्लर के ग्लोबल ब्यूटी आइकॉन से एक समर्पित हेल्थकेयर एंटरप्रेन्योर बनने की सफल यात्रा को भी दर्शाता है।

'बिग बॉस-19' से बाहर होने पर नगमा मिराजकर ने कहा – दिल अभी भरा नहीं

कंटेस्टेंट नगमा मिराजकर 'बिग बॉस-19' के घर से बाहर हो गई हैं। इससे बाहर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा है। पोस्ट में नगमा ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी बाहर हो जाएंगी।नगमा मिराजकर ने इंस्टाग्राम पर वीकेंड का वार के एपिसोड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, के दिल अभी भरा नहीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी जल्दी बाहर हो जाऊंगी। अगर मैंने अपने फैंस को निराश किया है तो मैं उनसे माफी चाहती हूं। बिग बॉस हाउस में मेरा स्वास्थ्य थोड़ा सही नहीं था, लेकिन फिर भी मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा। ये ऐसे सबक हैं जो मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे जीवन के सबसे बड़े अवसरों में से एक था और इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं।

कंटेस्टेंट ने कहा कि शो में बनी हर याद उनके दिल के करीब रहेगी। उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर की हर हंसी, हर आंसू, हर खामोशी और अंदर की हर याद हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मुझे उस घर में रहने का एहसास बहुत याद आएगा। हालांकि मेरा सफर जल्दी खत्म हो गया, लेकिन मेरा दिल अभी भी उस घर के अंदर उन लोगों के साथ है जिन्हें मैं प्यार और सम्मान करती हूं।

नगमा ने कहा कि वह अपने लवर आवेज दरबार को बाहर से सपोर्ट करती रहेंगी। फिलहाल वे शो में एक अच्छे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ रहे हैं। नगमा ने उनके बारे में लिखा, मैं अपने प्यार, आवेज का समर्थन करूंगी और मैं उसे वहां चमकते हुए देखने के लिए बेताब हूं। घर में मौजूद मेरे कुछ दोस्तों का धन्यवाद जिन्होंने इस सफर को मेरे लिए खास बनाया!इस पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा कि यह अंत नहीं है, यह उनके जीवन का एक और अध्याय है जिसे वे हमेशा संजोकर रखेंगी।

बिग बॉस 19 में भिड़े अभिषेक और शहबाज, कैप्टन अमाल मलिक की सख्ती ने मचाया बवाल

जैसे-जैसे बिग बॉस 19 आगे बढ़ रहा है, घर का घमासान भी तेज होता जा रहा है। हर दिन कोई नया ड्रामा, कोई नई लड़ाई और कोई नया रिश्ता देखने को मिल रहा है। इस बार जो देखने को मिला, उसने सबको चौंका दिया। वीकेंड के डबल एलिमिनेशन के बाद घर में टीवी एक्टर अभिषेक बजाज और सिंगर-इन्फ्लुएंसर शहबाज बदेशा के बीच जमकर लड़ाई हुई, जो धक्का-मुक्की तक आ पहुंची। इस प्रोमो में अभिषेक बजाज, जो अब तक घर में शांत और समझदार कंटेस्टेंट के तौर पर देखे जा रहे थे, इस बार गुस्से में आग-बबूला हो उठे। दूसरी तरफ शहबाज, जिनका अंदाज हमेशा मजाकिया और चुलबुला रहा है, उन्होंने भी इस बार चुप रहने की बजाय पलटवार किया।मामला शुरू हुआ घर के कैप्टन अमाल मलिक और कुनिका सदानंद की कहासुनी से। प्रोमो में अमाल कुनिका से जोर से चिल्लाते हुए कहते हैं, ''आप क्यों जा रही हो किचन में, जब आपकी ड्यूटी नहीं है तो?''

इस बात पर कुनिका ने कहा कि वो इस तरह से इज्जत करते हैं। इस पर अमाल का रिप्लाई होता है कि इज्जत देने का मतलब ये नहीं कि मैं नौकर बन जाऊं।चिल्लाने को अभिषेक ने गलत बताया और कह दिया, ''ये बहुत ही बेकार तरीका है।'' इससे नाराज शहबाज ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों के बीच बहस शुरू हो गई।जहां अभिषेक ने अपनी बात पर डटे रहना चाहा, वहीं शहबाज ने उन्हें खुलकर टोकना शुरू कर दिया। दोनों की आवाजें तेज होने लगीं, चेहरों पर गुस्सा साफ नजर आने लगा, और देखते ही देखते ये बहस धक्का-मुक्की में बदल गई। अभिषेक ने गुस्से में शहबाज को चुनौती देते हुए कहा, आजा, फड़फड़ा दूंगा तुझे। ये शब्द जैसे ही बाहर आए, घर का माहौल और भी गरमा गया।

शहबाज ने भी पीछे हटने का नाम नहीं लिया। वो गार्डन एरिया में अभिषेक की तरफ बढ़े और लगातार कुछ कहते रहे। बाकी घरवालों ने बीच में आकर दोनों को रोका, नहीं तो मामला हाथापाई तक पहुंच सकता था। इस लड़ाई ने दर्शकों को दिखा दिया कि बिग बॉस का घर अब धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है। पहले तीन हफ्तों में जहां थोड़ा संयम और समझदारी दिखाई दी थी, अब असली चेहरे और असली भावनाएं बाहर आने लगी हैं।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में जान्हवी कपूर के कॉमिक अंदाज़ से चौंक जाएंगे दर्शक

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'परम सुंदरी' में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं जाह्नवी कपूर अब अपनी अगली फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की रिलीज़ के लिए तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहाँ निर्देशक शशांक खैतान ने जाह्नवी कपूर के साथ फिर से काम करने का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि जाह्नवी ने डेब्यू फिल्म 'धड़क' के बाद से काफी अनुभव हासिल किया है और अब वह कॉमेडी के ऐसे जॉनर में कदम रख रही हैं, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आज़माया है। शशांक ने जाह्नवी के छिपे हुए कॉमिक टाइमिंग की तारीफ़ करते हुए कहा कि उन्हें यकीन है दर्शक उनकी इस नई छवि से खुश होकर चौंक जाएंगे। उन्होंने कहा, मैंने जाह्नवी कपूर के साथ पहली बार उनकी डेब्यू फिल्म 'धड़क' में काम किया था, और इतने वर्षों बाद हमें एक बार फिर 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि इतने वर्षों में उनके अभिनय में काफी गहराई आ गई है।यह पहला मौक़ा है, जहां जान्हवी ने कॉमेडी जॉनर ट्राय किया है और मुझे यकीन है कि जब लोग ये फिल्म देखेंगे तो उनकी खूबसूरती के साथ उनके कॉमिक टाइमिंग की तारीफ़ किए बिना नहीं रह पाएंगे। विशेष रूप से मैं उनसे काफी प्रभावित हुआ हूँ। ऐसा माना जाता है कि कॉमेडी फिल्में या फिर इस तरह के जॉनर में रिहर्सल की ज़रूरत नहीं होती, लेकिन सच तो यह है कि कॉमेडी फ़िल्में बहुत अधिक रिहर्सल मांगती हैं, जिससे परफेक्ट टाइमिंग लाई जा सके। सो हमने काफी रिहर्सल की और मुझे ख़ुशी है कि हमारी कोशिश रंग लाई है।

ट्रेलर के आज रिलीज़ होने के साथ ही जाह्नवी कपूर का 'तुलसी कुमारी' के रूप में नया रूप ताज़गी से भरपूर लग रहा है। उनकी वरुण धवन के साथ चमकती हुई केमिस्ट्री तुरंत ध्यान खींचती है, जबकि ट्रेलर में एक ऐसा किरदार दिखाया गया है जो बड़े पर्दे पर जाह्नवी का नया पहलू सामने लाने का वादा करता है।

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें, तो उन्हें जल्द ही उनके दर्शक 'होमबाउंड' में देखेंगे, जिसे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में खूब सराहा जा रहा है। इसके अलावा उनकी अगली फिल्म 'पेड्डी' भी है, जिसमें वह राम चरण के साथ नजर आनेवाली हैं।

आज सूर्य करेंगे कन्या राशि में गोचर

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य का विशेष स्थान है। सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा कहा जाता है। वे हर महीने राशि परिवर्तन करते हैं। इस गोचर का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि सूर्य देव 16 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। सूर्य देव 16 सितंबर को मध्य रात्रि 1:46 मिनट पर सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्य देव 17 अक्टूबर तक रहेंगे। खास बात ये है कि ये सूर्य देव के मित्र ग्रह की राशि है। व्यक्ति की कुंडली में सूर्य अच्छे स्वास्थ्य, प्रसिद्धि, नाम, सरकारी नौकरी, सफलता, उच्च पद के कारक होते हैं। ये हर राशि में लगभग एक महीने तक विराजमान रहते हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन का विशेष महत्व होता है। जब भी कोई ग्रह किसी एक राशि में मौजूद होता है फिर किसी निश्चित समय में दूसरी राशि में परिवर्तन करता है तो इसका प्रभाव सभी जातकों पर शुभ और अशुभ दोनों तरह का होता है। ज्योतिष शास्त्र के नजरिए से सूर्य हर एक महीने में राशि परिवर्तन करते हैं। कुंडली में सूर्य के शुभ भाव में होने पर व्यक्ति को नौकरी, मान-सम्मान और धन लाभ होता है। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीच राशिगत तथा मेष राशि में उच्च राशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

सूर्य का शुभ-अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

उपाय- भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को

अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें। जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें। भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

चार राशियों के लिए शुभ

वृष, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। इन राशि वाले लोगों को जॉब और बिजनेस में तरक्की मिल सकती है। प्रॉपर्टी और आर्थिक मामलों में फायदा मिल सकता है। सेहत के लिए समय अच्छा रहेगा। किस्मत का साथ मिल सकता है। पारिवारिक मामलों के लिए भी समय शुभ कहा जा सकता है। इन 4 राशि वालों पर मौजूदा अशुभ ग्रह स्थिति का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

चार राशियों के लिए मिला-जुला समय

मेष, मिथुन, सिंह और धनु राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन 6 राशि वाले लोगों को धन लाभ तो होगा, लेकिन खर्चा भी हो जाएगा। कुछ मामलों में सितारों का साथ मिलेगा वहीं कामकाज में रुकावटें, तनाव और विवाद होने की भी आशंका है। सेहत संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

चार राशियों को रहना होगा संभलकर

कर्क, तुला, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इन 4 राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। कामकाज में रुकावटें आ सकती हैं। विवाद होने की आशंका है। धन हानि और सेहत संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं। नए काम की शुरुआत करने से बचना होगा। कर्जा न लें। कामकाज में लापरवाही और जल्दबाजी करने से भी बचना चाहिए।

मातामह श्राद्ध 2025 जानें क्यों खास है यह श्राद्ध, क्या हैं नियम और महत्व?

नवरात्रि स्थापना के साथ अधिकांश घरों में मातामह श्राद्ध किया जायेगा। सर्व पितृ और मातामह नाना, मातामही नानी का श्राद्ध आश्विन शुक्ल प्रतिप्रदा नवरात्रि के दिन करते है। मातामह श्राद्ध 22 सितंबर को होगा। संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि, परिजनों की स्मृति में तर्पण और श्राद्ध कर्म की तिथि अनुसार करने की परंपरा है।

संतान ना होने की स्थिति में मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है। अक्सर मातामह श्राद्ध पितृ पक्ष की समाप्ति के अगले दिन होता है। इस बार 22 सितंबर को होगा। परंपरा है, कि लोग अपनी संतान नहीं होने पर दत्तक गोद लेते थे ताकि मृत्यु के बाद वो पिंडदान कर सके। मान्यतानुसार दत्तक पुत्र दो पीढ़ी तक श्राद्ध कर सकता है।

ज्योतिषाचार्य से जानिए मातामह श्राद्ध का महत्व

शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी औरत के पिता का निकाला जाता है जिसका पति व पुत्र ज़िन्दा हो अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता।

इस प्रकार यह माना जाता है कि मातामह का श्राद्ध सुख व शांति व सम्पन्नता की निशानी है। यहां यह बात गौर करने लायक़ है कि एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में अपनी बेटी के घर का पानी भी नहीं पिता और इसे वर्जित माना गया है, लेकिन उसके मरने के बाद उसका तर्पण उसका दोहित्र (बेटी) करती है।

मातामह श्राद्ध में दूसरी पीढ़ी करती है तर्पण-पिंडदान

दिवंगत परिजन के घर में लड़का ना होए तो लड़की की संतान यानी नाती भी पिंडदान कर सकता है। मान्यतानुसार लड़की के घर का

खाना नहीं खा सकते इसलिए मातामह श्राद्ध के दिन नाती तर्पण कर सकता है।

मातृ ऋण से मिलती है मुक्ति

इस दिन माता पक्ष यानी मां, नानी का श्राद्ध करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है और मां अपने कुल को वृद्धि, सुख-सौभाग्य व समृद्धि का आशीर्वाद देकर चली जाती हैं।मातामह श्राद्ध बहुत ही महत्वपूर्ण माना गया है। जो लोग माता पक्ष का श्राद्ध नहीं करते, उनको मातृ दोष का भागी बनना पड़ता है। मातामह श्राद्ध का दिन परिवार की मातृ पितरों से जुड़ा हुआ है, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए इस दिन पिंडदान, तर्पण विधि और श्राद्ध कर्म किए जाते हैं।

क्या होता है मातामह श्राद्ध

मातामह श्राद्ध एक ऐसा श्राद्ध है जो एक पुत्री द्वारा अपने पिता व एक नाती द्वारा अपने नाना को तर्पण के रूप में किया जाता है। इस श्राद्ध को सुख शांति का प्रतीक माना जाता है।

यह श्राद्ध करने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें है अगर वो पूरी न हो तो यह श्राद्ध नहीं किया जाता है। शर्त यह है कि मातामह श्राद्ध उसी महिला के पिता के द्वारा किया जाता है जिसका पति व पुत्र जिंदा हो। अगर ऐसा नहीं है और दोनों में से किसी एक का निधन हो चुका है तो मातामह श्राद्ध का तर्पण नहीं किया जाता।

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं?

महिलाएं श्राद्ध करें या नहीं? यह प्रश्न भ्रम की स्थिति उत्पन्न करता है। अमूमन देखा गया है कि परिवार के पुरुष सदस्य या पुत्र-पौत्र नहीं होने पर कई बार कन्या या धर्मपत्नी को भी मृतक के अंतिम संस्कार करते या श्राद्ध वर्षी करते देखा गया है। परिस्थितियां ऐसी ही हों तो यह अंतिम विकल्प है। इस बारे में हिंदू धर्म ग्रंथ, धर्म सिंधु सहित मनुस्मृति और गरुड़ पुराण भी महिलाओं को पिंड दान आदि करने का अधिकार प्रदान करती है।

श्राद्ध में ये तीन अत्यंत पवित्र माने जाते है

पुत्री का पुत्र अर्थात दौहित्र, कुतप समय, अर्थात अपरान्ह समय व तिल। श्राद्ध कर्म में ये तीन पवित्र माने गए है। सामान्यतः श्राद्ध कर्म में कभी क्रोध व जल्दबाजी नहीं करना चाहिए।

शांति, प्रसन्नता व श्रद्धा पूर्वक किया कर्म ही पितरों को प्राप्त होता है। धर्मशास्त्रीय ग्रन्थ सिद्धान्त शिरोमणि व अथर्वेद का मानना है कि श्राद्ध कर्म हमारे वेद शास्त्रों द्वारा अनुमोदित व विज्ञान सम्मत भी है। कन्यागत सूर्य में जो भोज्य सामग्री पितरों को दी जाती है वे समस्त स्वर्ग प्रदान करने वाली कही गयी है। पितृ पक्ष के ये सोलह दिन यज्ञों के समान है इस काल मे अपने पितरों की मृत्यु तिथि पर दिया गया भोजनादि पदार्थ अक्षय होता है अतः इस काल मे श्राद्ध ,तर्पण,दान, पुण्य आदि अवश्य करना चाहिए। इससे आयु, पुत्र, यश, कीर्ति, समृद्धि, बल, श्री, सुख, धन, धान्य की प्राप्ति होती है।

सूर्य को जल चढ़ाने का सही तरीका: एक प्रतिशत लोग ही जानते हैं किस्मत बदलने का सीक्रेट कोड!

करोड़ों हिंदू प्रतिदिन सूर्य देवता को जल अर्पित करते हैं, किंतु 1 प्रतिशत लोगों को ही सूर्य को जल चढ़ाने का वो नियम पता है, जिससे बुरे दिन खत्म होते हैं और जीवन में अच्छे दिन और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं।

सूर्य को जल चढ़ाने का सही नियम जानने के बाद ये आपकी किस्मत बदलने का सीक्रेट कोड भी है, जिसके बारे में जानकार आपके भी होश उड़ जाएंगे। आइए जानते हैं सूर्य को जल अर्पित करने के वो नियम जिसके बारे में कम लोगों को ही पता है।

सूर्य को जल अर्पित करने के नियम-

सूर्य को जल अर्पित करने के लिए हमेशा तांबे के लोटे का ही इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि तांबे का धातु सूर्य की ऊर्जा आप तक आसानी से पहुंचती है।

सूर्य को जल चढ़ाने का समय फिक्स है, इसलिए प्रतिदिन 9 बजे से पहले ही उन्हें जल अर्पण करें। ऐसा इसलिए क्योंकि तब सूर्य की किरणें प्योर और गुणकारी होती है।

तांबे के कलश में जल के अलावा अक्षत, रोली और लाल फूल जरूर डालें। ये चीजें सूर्य की तरंगों को आप

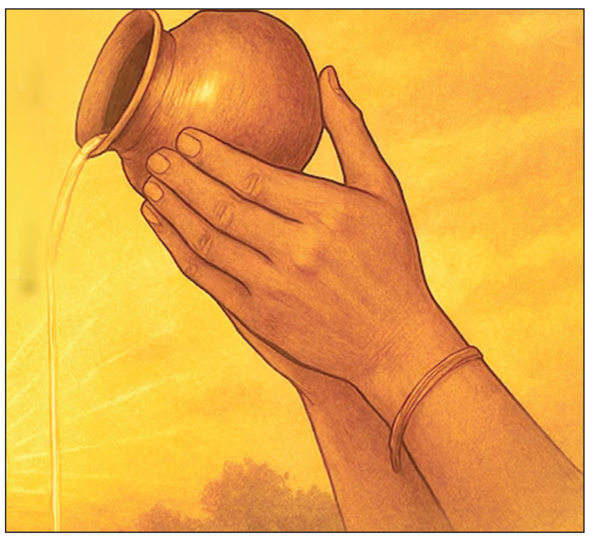

तक आसानी से पहुंचाती है।

सूर्य को जल देते वक्त आपका मुख पूर्व दिशा की तरफ ही होना चाहिए। इस दिशा में जल चढ़ाते समय ऊं सूर्याय नम: मंत्र का जाप करना चाहिए।

सूर्य को जल चढ़ाते समय जल जहां पर गिरता है, वह से जल को स्पर्श करके अपने माथे पर जरूर लगाएं। ऐसा करने से आपके अंदर की नेगेटिविटी दूर होगी।

इन उपायों को करने से आपकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आने के साथ जीवन में हमेशा सफलता प्राप्त होती है।

सूर्य को जल अर्पण करने से तीन चीजें जागृत होती हैं

दरअसल जब हम सूर्य को जल चढ़ाते हैं, तो उस वक्त हमारे शरीर में तीन चीजें जागृत होती हैं। पहली सप्तधातु, दूसरी पिंगला नाड़ी और तीसरी तप्त ताम्र प्रभाव।

सप्तधातु (शरीर के 7 धातुएं)- इसका मतलब शरीर को रोगों से मुक्ति मिलती है।

पिंगला नाड़ी- सूर्य को जल देने से आपका आत्मविश्वास और एक्शन लेने की ऊर्जा में वृद्धि होती है।

तप्त ताम्र प्रभाव- ये नेगेटिविटी को अपने अंदर समाहित करके सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। और यह सब होता है एक लोटा सूर्य को जल देने से, ये कोई रिवाज नहीं, बल्कि आपकी दिनचर्या है।

पंचबलि कर्म क्या होता है, किन 5 स्थान और 5 जीवों का है इसमें जिक्र

पितृ पक्ष के दौरान किया जाने वाला पंचबलि श्राद्ध ऐसा कर्म है, जिसके बिना श्राद्ध पूरा नहीं माना जाता है। इससे पितरों की आत्मा तृप्त होकर मोक्ष को प्राप्त करती है। इसलिए पितृ पक्ष में इस कर्म महत्वपूर्ण होता है। पितृ पक्ष में पंचबलि श्राद्ध कर्म पितरों, देवताओं के साथ ही सभी प्राणियों और समष्टि कल्याण को तृप्ति प्रदान कराता है। इस कर्म में 5 स्थानों पर 5 जीवों के लिए भोजन रखा जाता है। आइये जानते हैं इसके बारे में।

पितृ पक्ष में पंचबलि श्राद्ध कर्म पितरों, देवताओं के साथ ही सभी प्राणियों और समष्टि कल्याण को तृप्ति प्रदान कराता है। इस कर्म में 5 स्थानों पर 5 जीवों के लिए भोजन रखा जाता है। पंचबलि श्राद्ध में पहला गौ बलि (पश्चिम दिशा में गाय के लिए भोजन), दूसरा श्वान बलि (कुत्ते के लिए), तीसरा काक बलि (कौए के लिए), चौथा देवाधि बलि (देवता या ब्राह्मण के लिए) और पांचवा पिपलिकादि बलि (चीटीं और कीड़े-मकौड़े) के लिए श्राद्ध का भोजन रखा जाता है। पंचबलि श्राद्ध का अर्थ होता है 5 प्रकार के जीवों को भोजन या अन्न अर्पण करना। इसमें कौआ, गाय, कुत्ता, चीटीं और ब्राह्मण शामिल होते हैं। मान्यता है कि इन जीवों और देवताओं के तृप्त होने पर ही परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और ग्रह-दोष दूर होते है। ब्राह्मण को देवता या पितरों का प्रतिनिधि माना जाता है, कौआ को पितरों का दूत, कुत्ता को भैरव का वाहन, गाय में देवताओं का वास माना जाता है और सूक्ष्मजीवों को पितरों को स्वरूप माना जाता है।

तीन तरह के पितृ और 12 तरह के होते हैं श्राद्ध 10वें श्राद्ध से नहीं होती अन्न-धन की कमी

पितृ पक्ष की शुरुआत 7 सितंबर से हो चुकी है और 21 सितंबर 2025 को यह समाप्त होता है। पितृ पक्ष के 15 दिनों में लोग अपने मृत पूर्वजों का श्राद्ध और तर्पण करते हैं। लेकिन पुराणों में मृत पूर्वजों के भी तीन प्रकार बताए गए हैं। इसके साथ ही श्राद्ध के भी 12 प्रकारों का उल्लेख मिलता है। आप इनमें से किस पितृ का श्राद्ध करते हैं, कौन सा श्राद्ध करते हैं और इसके क्या लाभ हैं, यह जान लीजिए।

पितरों के प्रकार

नित्य पितृ- ऐसे पितृ जोकि हमेशा मौजूद रहते हैं। विष्णु पुराण में इन्हें ही पूर्वज कहा गया है। ये अपने वंश से आत्मा की शांति की अपेक्षा रखते हैं। इनका श्राद्ध या तर्पण नियमित रूप से किया जाता है।

नैमित्तिक पितृ- ये ऐसे पितृ होते हैं, जिन्हें विशेष अवसरों में स्मरण किया जाता है। ऐसे पितरों को हरिर्भुज यानी अग्नि में अर्पित भोजन ग्रहण करने वाला पितृ माना जाता है।

साप्तमिक पितृ- ये ऐसे पितृ होते हैं जोकि विशेष साप्तहातिक अवसरों से जुड़े होते हैं। इनका श्राद्ध सप्ताह के विशेष दिनों में किया जाता है। पुराणों में इन पितरों को शिव गणों

की तरह माना जाता है।

श्राद्ध के 12 प्रकार

1. नित्य श्राद्ध, 2. नैमित्तिक श्राद्ध, 3. काम्य श्राद्ध, 4. वृद्ध श्राद्ध, 5. सपिंडित श्राद्ध, 6. पार्वण श्राद्ध, 7. गोष्ठ श्राद्ध, 8. शुद्धि श्राद्ध, 9. कर्मांग श्राद्ध, 10. दैविक श्राद्ध, 11. यात्रार्थ श्राद्ध और 12. पुष्टि श्राद्ध।

दसवां श्राद्ध दिलाता है अन्न-धन

दसवें श्राद्ध को दैविक श्राद्ध कहा जाता है। इस श्राद्ध को करने से देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जो पितरों के प्रसाद को उन तक पहुंचाते हैं। इस तरह से दैविक श्राद्ध से देवता और पितृ दोनों को प्रसन्न कर आशीर्वाद पाया जा सकता है। मान्यता है कि इस श्राद्ध से सौभाग्य, धन, अन्न, संतान आदि की प्राप्ति होती है। इसलिए कहा जाता है कि दैविक श्राद्ध करने से अन्न-धन्न की कभी कमी नहीं होती है।

ध्यान की प्रशांतमूर्ति - श्रीविजयशांति सूरीश्वर जी म.सा

भारत में ही नहीं, लेकिन इसके पार भी गुरुदेव की महिमा व्याप्त हैं। मंत्रदाता, दीक्षादाता, शिक्षादाता , मार्गदाता और धर्मदाता, आदि अनेक रूपों में गुरु के व्यक्तित्व की अभिव्यक्ती की जा सकती है। ध्यान यह रखना है कि, मात्र वस्त्र परिवर्तन से बने वह औपचारिक गुरु हैं। पर जिनका चारित्र पवित्र हो, वह अलौकिक गुरु कहलाए जाते श्री विजय शान्तिसूरी महाराज एक अदभूत व अलौकिक गुरु है। गुरुदेव का जन्म माघ शुक्ला 5 विंस. 1946 दि 25-1-1890 को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है ।

श्री गुरुदेवने ज्ञान दर्शन चारित्र व अपनी अप्रतिम साधनाओं के बल पर हजारों लाखों परिवारों के दिल में धर्म की ज्योत जलाई है। गुरुदेव ने कई मंदिरों की प्रतिष्ठा एवं जिणोद्धार करवाया था।

गौ वध हिसां बंद करवाई थी। समाज सुधार में एक नई रोश्नी चमकाई थी।

गुरु का वाक्य मंत्र के समान है-
गुरु की दृष्टि कृपा स्वरूप है।
गुरु का आशीष मोक्ष का वरदान है।।

जैन शास्त्रों में ही नही बल्कि जेनेतर शास्त्रों में भी गुरु को विशिष्ट सम्मान दिया गया है। कवियों ने तो यहाँ तक कह दिया कि भगवान से पहले गुरु को वंदन हो ,क्योकि गुरु भगवान से परिचित करवाने वाले सिर्फ गुरु हीं होते हैं।

कबीर ते नर अन्ध है, कहत गुरु को और ।
हरि रुठे गुरु को ठोर है। गुरु रूठे नहीं ठोर ।।

जैन जगत् के सर्वोत्तम मंत्र नवकार में भी गुरु को एक -

(82वीं पुण्यतिथि पर विशेष)

महान् स्थान प्राप्त है। पाँच पदों में से चार पदों पर गुरु का निवास है।गुरुदेव को सन 1933 मे जगतगुरु समाट विश्वीपकारी नेपाल राजगुरु व सन 1935 में हिज होलीनस आदि पदवियों से सम्मानित किया गया था।

गुरुदेव का अंतिम चातुर्मास विक्रम संवत् 2000 अचलगढ़ में हुआ था । गुरुदेव ने अपने देवलोक गमन के पूर्व ही समाचार पत्रों में घोषणा की अब कोई मेरे दर्शनार्थ न आए मैं ध्यान में बैठने वाला हूँ।गुरुदेव ने स्वंय को महाप्रयाण महासमाधि के लिये तैयार किया।

गुरु शिखर जईशुं, हवे धरशुं आत्म ध्यान ।
कदी न मुखथी बोलशु ,प्रभु-प्रभु नु तान ।।

गुरुदेव अपने अंत समय में जनसमुदाय से अधिक संपर्क त्याग आत्म -ध्यान में इतने तल्लीन हो गए थे कि 2-3 दिन कमरे का दरवाजा भी नहीं खोला करते थे।

श्री विजय शातिभूरीश्वरजी म.सा का देवलोक गमन विं.स. 2000 आसोज वद 10,दिनांक 23-9-1943 की मध्य रात्रि में हुआ। गुरुदेव की आयु 54वर्ष की थी। कई भक्तों को गुरुदेव के अंतिम समय समीप रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

गुरुदेव के अंतिम संस्कार में कई राज्यों के राजा विदेशी भक्त और अनेक साधु साध्वीजी भगवंत उपस्थित थे। लगभग 30000 जनसमुदाय के बीच अन्तिम संस्कार हुआ श्र गुरु चिता की ज्वाला के ऊपर गुरुदेव अभय मुद्रा में भक्तो को दर्शन दिया।

आत्म समाधि अविचलगढ़ मां आदरी ।
काया संगे कष्ट तणो नही पार जो ।।
शांत सुधानु नीर मुखे बहतुं रहे ।
क्षमा सूत्र की पल पल जपतां मा जो ।।

पर प्रकाशक अंधकारमय संसार में स्व जिनशासन देव गुरु धर्म की प्राप्ति के बिना जीव निश्चय ही भटकता रहता है। संसार में जो भी महान हुआ है वह गुरु की कृपा से ही हुआ है।

चहां । जैसे तिमिर को हरता हैं। धरती रोशन शीतल करता है ।
संकट में तू एक सहारा । गुरुदेव तारणहार प्राणआधार ।
श्रीविजय शान्तिगुरुदेव जी के उपकारों आमूलचूल वर्णन करना असंभव है।

-ऊषा जैन बरलोटा
हैदराबाद

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दें

संपादकीय

मणिपुर का विभाजन यथावत

प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर को भारत माता के मुकुट का 'सुशोभित रत्न' माना है। उन्होंने हिंसा को न केवल दुर्भाग्यपूर्ण माना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों से घोर अन्याय भी करार दिया है। प्रधानमंत्री ने शांति और स्थिरता का आह्वान किया है, क्योंकि यही विकास का रास्ता है। बेशक प्रधानमंत्री के कथन उचित हैं, क्योंकि देश के नेता को तनावग्रस्त, हिंसक, विभाजक समुदायों को ऐसी ही तसल्ली देनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय भी बीते दो सालों में मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों को मेज पर लाया है और उनमें संवाद का सिलसिला शुरू कराया है। संवाद की सफलता अभी दूर की कौड़ी है, क्योंकि कुकी-जो समुदाय के 10 विधायकों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर स्पष्ट किया है कि दोनों समुदाय एक छत के नीचे, साथ-साथ, नहीं रह सकते, लिहाजा उन्हें संघशासित क्षेत्र बना दिया जाए और विधानसभा भी दी जाए। दोनों अच्छे पड़ोसी की तरह रह सकते हैं। प्रधानमंत्री ने अभी कोई आश्वासन नहीं दिया है, लेकिन जिन 10 विधायकों ने ज्ञापन दिया है, उनमें 7 भाजपा विधायकों के हस्ताक्षर हैं। प्रधानमंत्री मोदी, अंततः, मणिपुर गए, यह स्वागतयोग्य है। विपक्ष की आलोचना अपनी जगह है। प्रधानमंत्री की व्यस्तता चौतरफा होती है, लेकिन उनकी सरकार ने मणिपुर के तनाव और ज्वाला को अनदेखा कभी नहीं किया। खुद गृहमंत्री अमित शाह कई दिन मणिपुर में डेरा डाले रहे। जो अधिकारी गृह सचिव होते थे, उन्हीं अजय भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया। वह समस्याओं को बारीकी से समझते हैं। फिर सवाल किए जा सकते हैं कि 2023 की जातीय हिंसा, मार-काट, बलात्कार, महिलाओं का नग्न प्रदर्शन, हथियारों की लूट और अवैध जमावड़े के खौफनाक परिदृश्य के बाद ही प्रधानमंत्री को अब समय क्यों मिला? यकीनन मणिपुर के जातीय तनाव और हत्यारी हिंसा में 260 लोग मारे गए। 1500 से अधिक घायल हुए। करीब 60,000 लोगों को विस्थापित होना पड़ा। सैकड़ों गांव जला दिए गए। हजारों लोग अब भी राहत शिविरों में हैं। चुराचांदपुर जाने वाले प्रधानमंत्री मोदी, 1988 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के प्रवास के बाद, दूसरे प्रधानमंत्री हैं। अलबत्ता 2014-22 के दौरान प्रधानमंत्री मोदी 7 बार पूर्वोत्तर राज्यों में गए और उनके सरोकारों को साझा किया। बेशक पूर्वोत्तर, शेष देश के साथ उसका जुड़ाव और चौतरफा विकास मोदी सरकार की गंभीर प्राथमिकताओं में शामिल रहे हैं। सबसे ताजा उदाहरण यह है कि मिजोरम को राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन के जरिए नई दिल्ली से जोड़ना गौरवमय प्रयास है और पहाड़ी राज्यों को रेलमार्ग से जोड़ने की क्रांतिकारी पहल भी है। ऐसा ही एक कठिन और दुर्लभ प्रयास कश्मीर में भी किया गया है, लेकिन ऐसी संभावनाएं हिमाचल में साकार नहीं हो पा रही हैं। बहरहाल मणिपुर का मुद्दा फिलहाल घोर संवेदनशील है। 2023 में मणिपुर उच्च न्यायालय ने मैतेई समुदाय को 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा देने पर विचार करने का जो फैसला सुनाया था और जिसके बाद मैतेई-कुकी समुदाय एक-दूसरे के खून के प्यासे हो गए थे, वह मुद्दा आज भी यथावत है। प्रधानमंत्री को स्पष्ट करना पड़ेगा कि वह दोनों समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के पक्ष में हैं अथवा किसी और समाधान पर विचार कर रहे हैं! दोनों समुदायों के बीच विभाजन की रेखा इतनी गहरी खिंच चुकी है कि कोई सामान्य समाधान स्वीकार्य नहीं होगा। मणिपुर में मैतेई आबादी 53 फीसदी है। जिन इलाके में वे बसे हुए हैं, उसे घाटी कहते हैं। कुकी पहाडियों में रहते हैं। पूर्वोत्तर के इस सूबे में आज उग्रवाद उतना नहीं है, जितना कांग्रेस सरकारों के दौरान होता था, लेकिन म्यांमार का अफीम माफिया जिस स्तर पर मणिपुर में सक्रिय है, वह उग्रवाद से भी बदतर है। हालांकि प्रधानमंत्री ने 8500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास किए हैं। केंद्र की ओर से 3000 करोड़ रुपए का विशेष पुनर्वास पैकेज भी घोषित किया है। विस्थापितों और पीड़ितों के लिए 500 करोड़ के पैकेज की घोषणा की है। प्रधानमंत्री के सामने मणिपुर की समस्या पेचीदा है।

> प्रधानमंत्री ने शांति और स्थिरता का आह्वान किया है, क्योंकि यही विकास का रास्ता है। बेशक प्रधानमंत्री के कथन उचित हैं, क्योंकि देश के नेता को तनावग्रस्त, हिंसक, विभाजक समुदायों को ऐसी ही तसल्ली देनी चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्रालय भी बीते दो सालों में मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों को मेज पर लाया है और उनमें संवाद का सिलसिला शुरू कराया है। संवाद की सफलता अभी दूर की कौड़ी है, क्योंकि कुकी-जो समुदाय के 10 विधायकों ने प्रधानमंत्री को ज्ञापन देकर स्पष्ट किया है कि दोनों समुदाय एक छत के नीचे, साथ-साथ, नहीं रह सकते, लिहाजा उन्हें संघशासित क्षेत्र बना दिया जाए और विधानसभा भी दी जाए। दोनों अच्छे पड़ोसी की तरह रह सकते हैं। प्रधानमंत्री ने अभी कोई आश्वासन नहीं दिया है, लेकिन जिन 10 विधायकों ने ज्ञापन दिया है, उनमें 7 भाजपा विधायकों के हस्ताक्षर हैं। प्रधानमंत्री मोदी, अंततः, मणिपुर गए, यह स्वागतयोग्य है। विपक्ष की आलोचना अपनी जगह है। प्रधानमंत्री की व्यस्तता चौतरफा होती है, लेकिन उनकी सरकार ने मणिपुर के तनाव और ज्वाला को अनदेखा कभी नहीं किया। खुद गृहमंत्री अमित शाह कई दिन मणिपुर में डेरा डाले रहे। जो अधिकारी गृह सचिव होते थे, उन्हीं अजय भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया। वह समस्याओं को बारीकी से समझते हैं।

हमारा झुकाव सोवियत संघ की तरफ था लेकिन कम्युनिस्ट देश होने के कारण वो उस युद्ध में तटस्थ हो गया

भारत की विदेश नीति से दुनिया हतप्रभ है

राजेश कुमार पासी

> विशेष तौर पर अमेरिका और यूरोपीय देश इससे अचंभित है कि भारत इतना ताकतवर कैसे हो सकता है जो एक साथ उन्हें चुनौती दे रहा है। ये तो नहीं कहा जा सकता कि भारतीय विदेश नीति का डंका बज रहा है लेकिन भारतीय विदेश नीति चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रही है। इस समय भारतीय विदेश नीति के सामने बड़ी कठिन चुनौतियां खड़ी हुई है लेकिन धीरे-धीरे उनसे निपटा जा रहा है। संतुलन और स्वायत्तता भारतीय विदेश नीति की विशेषता रही है लेकिन अब इसमें आक्रामकता भी जुड़ गई है। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की छाप भी विदेश नीति पर रही है जिससे भारत ने किसी भी देश के साथ परस्पर हितों पर आधारित रिश्ते निभाये हैं. भारतीय विदेश नीति स्वार्थ से सदा दूर रही है।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति के मामले में भारत ने जो किया है और कर रहा है वो अद्भुत है, इसलिए पूरी दुनिया इससे हतप्रभ है। विशेष तौर पर अमेरिका और यूरोपीय देश इससे अचंभित है कि भारत इतना ताकतवर कैसे हो सकता है जो एक साथ उन्हें चुनौती दे रहा है। ये तो नहीं कहा जा सकता कि भारतीय विदेश नीति का डंका बज रहा है लेकिन भारतीय विदेश नीति चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रही है। इस समय भारतीय विदेश नीति के सामने बड़ी कठिन चुनौतियां खड़ी हुई है लेकिन धीरे-धीरे उनसे निपटा जा रहा है। संतुलन और स्वायत्तता भारतीय विदेश नीति की विशेषता रही है लेकिन अब इसमें आक्रामकता भी जुड़ गई है। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की छाप भी विदेश नीति पर रही है जिससे भारत ने किसी भी देश के साथ परस्पर हितों पर आधारित रिश्ते निभाये हैं. भारतीय विदेश नीति स्वार्थ से सदा दूर रही है। ग्लोबल रिश्ते हमेशा हितों पर आधारित होते हैं, इसलिए वैश्विक राजनीति में कहा जाता है कि कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, स्थायी सिर्फ हित होते हैं। न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर, ये भारतीय विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है जबकि 1962 में हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। हमने दोनों गुटों से दूर रहने की नीति अपनाई थी, जिसके कारण चीनी आक्रमण के समय कोई हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। नेहरू जी को अमेरिका के सामने गिड़गिड़ाना पड़ा, तब जाकर अमेरिका हमारे लिए खड़ा हुआ। हमारा झुकाव सोवियत संघ की तरफ था लेकिन कम्युनिस्ट देश होने के कारण वो उस युद्ध में तटस्थ हो गया था। गुटनिरपेक्षता की नीति के बावजूद 1971 में इंदिरा जी ने सोवियत संघ के साथ सुरक्षा समझौता साइन कर लिया था अन्यथा 1971 के युद्ध में हमारे देश की बड़ी बर्बादी हो सकती थी। उस युद्ध में अमेरिका पाकिस्तान की तरफ से मैदान में आ गया था। नेहरू जी के समय की सबसे दूर रहने की नीति का इंदिरा जी ने त्याग कर दिया था, इसलिए सोवियत संघ ने हमारी मदद के लिए अपनी नौसेना भेज दी थी। रूस के साथ विशेष संबंध होते हुए भी हमने अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक संतुलन कायम रखा है। भारत पर एक गुट में शामिल होने का हमेशा दबाव रहा है। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका भारत को अपने खेमे में लेने की कोशिश करता रहा हैं हालांकि अब सिर्फ एक गुट बचा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अब अमेरिका चाहता है कि भारत संतुलन साधना छोड़कर पश्चिमी देशों के साथ रूस के खिलाफ खड़ा हो जाए। अमेरिका जानता है कि भारत और चीन के कारण रूस की अर्थव्यवस्था चल रही है इसलिए वो भारत को रूस से तेल खरीदने से रोक रहा है। एक समय अमेरिका चाहता था कि भारत रूस से तेल खरीदता रहे ताकि तेल की कीमतें स्थिर रहें. अब अमेरिका ऐसा नहीं चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका का रवैया बदल गया है जिसके कई कारण हैं। अमेरिका के दीर्घकालिक हित भारत के साथ जुड़े हुए हैं लेकिन वो पाकिस्तान के

साथ गलबहियां कर रहा है। अमेरिका के साथ हमारे संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं क्योंकि उसने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। पीएम मोदी ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर झुकने की बजाए तन कर खड़े होने का फैसला कर लिया है। जहां मेरी ग्लोबल राजनीति की समझ है, उसके अनुसार भारत और चीन का एक साथ आना संभव नहीं है क्योंकि दोनों देशों के हितों के बीच बहुत ज्यादा टकराव हैं। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण भारत और चीन ने मिलकर चलने का फैसला किया है। इससे पूरी दुनिया हतप्रभ है कि यह कैसे हो सकता है। भारत-चीन ने अमेरिका के टैरिफ वॉर के जवाब में ऐसा किया है। ऐसा लगता है कि दोनों देश अपने विवादों को एक किनारे रखकर अमेरिका के ट्रेड वॉर से निपटने की रणनीति बना चुके हैं। टैरिफ के जवाब में भारत ने अपनी घरेलू मांग बढ़ाने के लिए जीएसटी की दरों में बड़ा बदलाव किया है, इसके अलावा लगभग 50 देशों में अमेरिकी निर्यात का विकल्प ढूंढना शुरू कर दिया है। अमेरिका के लिए अब समस्या यह है कि अगर भारत और अमेरिका के बीच सब कुछ सामान्य होने के बाद भी भारत जिस ओर चल पड़ा है, वो वापिस आने वाला नहीं है। ये एक ऐसा तीर है जो अब कमान में वापिस आने वाला नहीं है। एक तरह से अमेरिका ने एक सोते हुए शेर को जगा दिया है और अब उसे इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदने से रोकने के लिए भारत पर जबरदस्त दबाव बनाया हुआ है लेकिन भारत ने इस दबाव में आने से स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया है। भारत ने दिखा दिया है कि वो एक सार्वभौमिक राष्ट्र है और अपनी विदेश नीति किसी दूसरे देश के दबाव में नहीं बनाने वाला है। जब डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर टैरिफ लगाया तो उसने भी अमेरिका पर टैरिफ ठोक दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी लेकिन भारत को ऐसी कोई मोहलत नहीं दी गई। भारत-अमेरिकी व्यापार को देखते हुए अमेरिका को लगा कि भारत झुक जाएगा लेकिन भारत की प्रतिक्रिया उसकी उम्मीदों के विपरीत आई। चीन के इतिहास और वर्तमान को देखते हुए भारत कभी भी चीन पर भरोसा नहीं कर सकता, इसके बावजूद भारत ने चीन के साथ चलने का फैसला कर लिया है। एससीओ की बैठक के दौरान जिनपिंग, पुतिन और मोदी की एकजुटता देखकर पूरी दुनिया हतप्रभ है। जिस तरह अमेरिका के लिए चीन बड़ा खतरा है, वैसे ही चीन के लिए भारत और भारत के लिए चीन बड़ा खतरा है। इसके बावजूद रूस पिछले कई सालों से इस कोशिश में लगा हुआ था कि दोनों देश अपने विवादों को अलग रखकर एक साथ आ जाएं। रूस की लाख कोशिशों के बावजूद उसे इस काम में रत्ती भर भी सफलता नहीं मिल रही थी। डोनाल्ड ट्रंप के कारण यह काम भी हो गया है। भारत ने रूस की बात नहीं मानी लेकिन जब उसे ऐसा करना सही लगा तो कर दिया। यूरोपीय देशों के साथ भारत ट्रेड पैक्ट साइन करने वाला है और जापान के साथ संबंध बढ़ा रहा है। इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के देशों में अमेरिका का विकल्प तलाश रहा है। भारत ने अमेरिका को समझा दिया है कि तुम्हारे दोस्त और दुश्मन दोनों ही हमारे साथ हैं, अब तुम अपना सोचो। यही कारण है कि ट्रंप के सुर बदल रहे हैं और वो भारत के साथ बातचीत करने की मंशा जाहिर कर रहे हैं। वास्तव में अब ट्रंप भारत के ऊपर लगाए गए टैरिफ को हटाना चाहते हैं लेकिन वो चाहते हैं कि उनका और अमेरिका का सम्मान बचा रहे। वो चाहते हैं कि दुनिया को यह संदेश न जाए कि भारत ने अमेरिका को झुका दिया। दुनिया यह सब समझ रही है, इसलिए हतप्रभ है कि विश्व शक्ति कैसे घुटनों के बल बैठती नजर आ रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बयान दिया है कि अमेरिका ने हम पर टैरिफ इसलिए लगाया है क्योंकि वो सोचते हैं कि हम लोग मजबूत हो गए तो उनका क्या होगा हालांकि उन्होंने अमेरिका का नाम नहीं लिया है। उनकी बात पूरी तरह सच है लेकिन दूसरा सच यह भी है कि अमेरिका अब टैरिफ हटाने के रास्ते निकाल रहा है क्योंकि उसे लगता है कि टैरिफ लगाने से भारत आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर और ज्यादा मजबूत हो सकता है। सच बात तो यही है कि अमेरिका भारत को दूसरा चीन बनते हुए नहीं देखना चाहता लेकिन उसके चाहने से कुछ होने वाला नहीं है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बयान दिया है कि जो भारत के साथ नहीं रहेगा, वो नुकसान उठाएगा। इसके अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर कई बार अमेरिका को आईना दिखा चुके हैं। यूरोपीय देशों को भी रूसी तेल को लेकर वो कई बार सुना चुके हैं। भारत की विदेश नीति में आक्रामकता बढ़ती जा रही है जिसे पूरी दुनिया देख रही है। जिस तरह से भारत अमेरिका के खिलाफ खड़ा हो गया है, उससे भी दुनिया हतप्रभ है क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। भारत को अमेरिका के साथ ट्रेड से बहुत ज्यादा फायदा है। डोनाल्ड ट्रंप ने यही सोचकर भारत पर टैरिफ लगाया था कि भारत अपने नुकसान को देखते हुए झुक जाएगा लेकिन भारत के बारे में उनका आंकलन गलत साबित हुआ। चीनी सेना के खिलाफ भारत की सेना चार साल तक सीमा पर खड़ी रही, आखिरकार चीन को समझौता करके अपनी सेना हटानी पड़ी। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जैसी कार्यवाही की है, उससे भी दुनिया हतप्रभ है।

देश | दुनिया से

बरसात की त्रासदी : अतीत, वर्तमान व भविष्य

हिमाचली लोगों ने बेरहम बरसात से बाढ़ व भूस्खलन की अतीत की खौफनाक व त्रासद घटनाओं से सबक नहीं सीखा। वर्तमान में भयानक व भयावह घटनाएं घटित हो रही हैं। 13 सितंबर 2025 शनिवार को बिलासपुर और चंबा में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। गनीमत रही कि कोई मानवीय तबाही नहीं हुई है। प्राकृतिक आपदा से बिलासपुर के नमहोल के गांव गुतराहन और चंबा के चुवाड़ी में घरों में मलबा घुस गया और कीमती गाडियां दब गईं। 16 जून से बरसात का सिलसिला निरंतर चल रहा है। 16 सितंबर को तीन महीने पूरे हो जाएंगे। निरमंड में भूस्खलन होने से एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए। बाढ़ से पुराने पुल टूट गए, लोग बह गए हैं। जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। धर्मशाला आए प्रधानमंत्री ने भी आपदा राहत के लिए 1500 करोड़ की घोषणा की है। मंडी के सराज में भी बहुत लोग मारे गए हैं। कुछ अभी भी लापता हैं। अतीत में बहुत मानवीय त्रासदी हुई थी और वर्तमान में भी तबाही की डरावनी व खौफनाक पुनरावृत्ति हो रही है। 2 सितंबर 2025 को मंडी के सुंदरनगर के जंगमबाग गांव में भारी वर्षा के कारण पहाड़ी में भूस्खलन हुआ। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। प्रतिदिन भूस्खलन हो रहे हैं और लाशों के अंबार लग रहे हैं। बरसात ने घर के घर तबाह कर दिए और सब कुछ लील लिया। चिराग बुझ गए, परिवार के परिवार खत्म हो गए। बरसात की इस त्रासदी में अबोध व मासूम बच्चों की बहुत मौतें हुई हैं। माताओं, बहनों के सुहाग उजड़ गए। कई बच्चे अनाथ हो गए। सराज में 11 महीने की निकिता के मां-बाप बह गए। आपदा से प्रदेश में अब तक 320 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 40 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। 20 जून से अब तक 231 बार से अधिक आपदाएं आई हैं। 95 बार भूस्खलन, 91 बार फ्लैश फ्लड और 45 बार बादल फटे हैं। मणिमहेश यात्रा में फंसे 15000 तीर्थयात्रियों में से 10000 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। यात्रा के दौरान 17 श्रद्धालुओं की जान चली गई। भविष्य को सुरक्षित करना होगा ताकि मानवीय तबाही रुक सके। खनन व पेड़ों के कटान पर रोक लगानी होगी। आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाना होगा, ताकि ऐसी रौंगटे खड़े कर देने वाली त्रासदियां रुक सकें। त्रासदी झेल चुके लोगों के जख्म तो भर जाएंगे, लेकिन निशान अमिट रहेंगे।

सतर्कता व सावधानी बरतनी होगी। जीवनशैली बदलनी होगी। सरकार ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम की धारा 34 के तहत पूरे हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया है। प्रदेश में भारी वर्षा, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ से 31 अगस्त तक 3056 करोड़ रुपए का प्रारंभिक नुकसान आंका गया है। बरसात से हिमाचल के प्रभावित जिलों में मंडी, कुल्लू, चंबा, शिमला, लाहौल स्पीति, कांगड़ा, हमीरपुर व बिलासपुर शामिल हैं। प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ बंद करनी होगी। प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते, परंतु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते हैं और न ही सरकारें सबक सीखती हैं। कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते हैं। तब तक नई घटना घटित हो जाती है। पहाड़ों को काटकर बनाए फोरलेन बनने से भी बहुत नुकसान हुआ है। पहाड़ दरक रहे हैं, लोग अकाल मौत मर रहे हैं। वर्तमान घटनाओं के आंकड़े बहुत ही डरावने हैं। सैंज में भी बादल फटने से आई बाढ़ में पिता और पुत्री की मौत हुई थी। 30 जून 2025 को सराज में बादल फटने व बाढ़ आने से सब कुछ तबाह हो गया। सराज कभी गुलजार रहता था, आज वीरान हो चुका है। तीन महीने बीत गए हैं, धीरे-धीरे जीवन पटरी पर लौट रहा है। बाढ़ में बेमौत मारे गए अपनों की यादें रोने पर मजबूर कर रही हैं, क्योंकि अब जिंदगी भर यादों के सहारे ही जीना पड़ेगा। यहां बाढ़ के कारण पंगलियूर गांव के एक ही परिवार के 11 लोग बेमौत मारे गए, मात्र एक लडक़ी ही बच सकी थी। सराज के बाद मंडी में भी ऐसी ही घटना हुई जिसमें एक ही परिवार के तीन लोग मारे गए थे। 2024 में निरमंड के समेज में बहुत बड़ा हादसा हुआ था, जहां बादल फटने से पूरा गांव बह गया था। यहां लगभग 45 लोग मारे गए थे। अतीत की त्रासदियों को देखें तो आत्मा सिहर उठती है। 20 अगस्त 2022 को मंडी के गोहर में बादल फटने से एक मकान जमींदोज हो गया जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे। जब एक घर से आठ अर्थियां उठी तो कायनात कांप उठी थी। 25 जुलाई को किन्नौर में भूस्खलन की चपेट में आने से 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। अतीत को भुला दिया गया, कोई सबक नहीं सीखा, नतीजतन हादसे दर हादसे हो रहे हैं। 16 जून 2025 से हिमाचल में बरसात का कहर मचा हुआ है और थमने का नाम नहीं ले रहा है। यह बरसात निर्बाध रूप से हो रही है। जुलाई-अगस्त दो महीने लगातार बरसात होती रही। अब सितंबर माह में भी यह बरसात निरंतर जारी है। अब पता नहीं कब तक यह सिलसिला जारी रहेगा, यह भविष्य के गर्भ में है। बरसात के कहर से जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। हजारों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं। बरसात के रौद्र रूप से हर तरफ तबाही का मंजर हुआ है। आज मानव अपनी करनी पर पछतावा कर रहा है, लेकिन अब कोई चारा नजर नहीं आ रहा है। लाचार व बेसहारा हो चुका मानव अब आंसू बहा रहा है। मानव अपनी गलतियों का नतीजा भुगत रहा है। काश पूर्व में यह गलतियां न की होती तो आज यह दुर्गति न होती, मगर माया में अंधा हो चुका इनसान बेहोश हो चुका था। जब तक होश आया सब कुछ तबाह हो गया। अब अपने किए कर्मों का फल प्राप्त कर रहा है। किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर बरप रहा है। प्रति वर्ष प्राकृतिक आपदाएं अपना जलवा दिखाती रहती हैं तो कभी बाढ़ का रौद्र रूप जिंदगियां लीलता है। कहते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते, परंतु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते हैं। देश के हर राज्य में बरसात का कहर बरप रहा है। प्रतिवर्ष लाखों लोग आपदा का दंश झेल रहे हैं। हादसों में लोग अपंग हो रहे हैं, बच्चे अनाथ होते जा रहे हैं। प्रकृति से छेड़छाड़ बंद करनी होगी, तभी इन हादसों पर रोक लग सकती है। अगर अब भी प्रकृति से खिलवाड़ बंद नहीं किया तो मानव को ऐसी सजाएं मिलती रहेंगी।

आप का | नजरिया

आसमां बंद नहीं है

हिमाचल की क्षमता का दोहन सरकारी पींगों में उछलता रहा, लेकिन यह फैसला नहीं हुआ कि आसमान को खोला कैसे जाए। कई आसमां बंद हैं तुम्हारे शहर के, जमीं पे ठोकरें खा के भी तूने ऊपर न देखा। हम सरकारी प्रक्रियाओं में जन्नत की उम्मीद लिए, तय न कर पाए कि हर घर में सपना बदल रहा है। पूरे विश्व, देश और हमारे पड़ोसी राज्यों के सपने बदले हैं, बल्कि उनके सपनों में शरीक हमारे युवा भी पलायन कर रहे हैं। एक अच्छा फैसला स्कूली शिक्षा को लेकर यह हुआ है कि प्रदेश के करीब दो सौ स्कूलों में सीबीएसई का पाठ्यक्रम लागू होगा। हैरानी यह कि ऐसे फैसलों का हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन विरोध कर रहे हैं। बेशक गुणवत्ता के आधार और शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिमाचल स्कूल बोर्ड भी बहुत कुछ कर सकता था, लेकिन वार्षिक परीक्षाओं के ढर्रे से ऊपर इसकी निगाह ही नहीं गई। अगर सरकार चुनकर दो सौ स्कूल सीबीएसई के सुपुर्द करने जा रही है, तो इन्हीं में से दो दर्जन स्कूलों को आधुनिक शिक्षा के आदर्श मॉडल बनाने के लिए हिमाचल शिक्षा बोर्ड भी तो फैसला ले सकता है। गुणात्मक सुधार की दृष्टि से शिक्षा बोर्ड ने पिछले दस सालों में अगर कुछ किया होता, तो सरकारी स्कूलों से निजी की ओर पलायन न होता। यह बीमारी सार्वजनिक क्षेत्र के हर संस्थान की है। दरअसल सार्वजनिक क्षेत्र को अपने तौर तरीके बदलते हुए निजी क्षेत्र की कार्य संस्कृति को अपनाना होगा। हमने बीबीएन जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की क्षमता का विवेचन किया होता तो उत्पादन की वृद्धि में इजाफा हो जाता। क्या हमने औद्योगिक क्षेत्रों के निर्धारण में यह तय किया कि वहां हिमाचली आकाश के लिए कौन सी धरती जरूरी है। क्या पालिटेक्नीकल स्कूल व कालेज से शुरू हुई पढ़ाई व प्रशिक्षण की श्रृंखला औद्योगिक शहरों तक पहुंची या यह किसी रोजगार कार्यालय में दर्ज होकर रह गई। हिमाचल में आज का युवा अपने भविष्य के लिए स्वरोजगार को कैसे अपनाए या हिमाचली निवेश से प्रदेश का भविष्य कैसे संवरे, इस पर विभिन्न विभागों ने कितनी बैठकें कीं। प्रदेश के आर्थिक उत्थान में एक हिमाचली का क्या और कहां तक योगदान हो सकता है, क्या इस सोच की कोई परिपाटी बनी। पर्यटन को ही लें, तो क्या पर्यटन आर्थिकी, निवेश या रोजगार पर हमारी शिक्षा ने उदाहरण बनाए। अगर ढंग से हम इतिहास के विषय को पर्यटन की रगों में उतार देते, तो पर्यटक गाइड की भूमिका में कई सोये हुए गांव-कस्बे जाग जाते। उदाहरण के लिए सुजानपुर टीहरा, पुराना कांगड़ा, चंबा-मंडी, नाहन, शिमला व कई अन्य ऐतिहासिक व धरोहर क्षेत्रों की पर्यटन सेल्स पिच पर प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड सही मायनों में उतर आएं, तो सैलानियों की संतुष्टि का आधार पुष्ट हो जाएगा। किसी पर्यटक स्थल पर निजी होटल के कमरे बुक करता टैक्सी ड्राइवर, पोर्टर या गाइड तो मिल जाएगा, लेकिन सरकारी होटलों की जानकारी के कोई स्तंभ नहीं मिलते। हर जिला की आर्थिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक, खान-पान, परंपरागत तथा गीत-संगीत से जुड़ी विशेषताओं से बाजार का परिचय आकाश तक होना चाहिए, लेकिन हम अपनी क्षमता के बाजार में रोजगार का निर्यात कर बैठे हैं। सुंदरनगर हो या प्रदेश के हर हाई-वे और पर्यटक स्थलों के खान-पान के बाजार से गुजरते पर्यटक से पूछें तो वहां सिड्डू, मोमो या बर्गर बेचते बाहरी राज्यों के लोग मिल जाएंगे। हिमाचल में होटल निर्माण के फायदे लीज पर बाहरी लोगों द्वारा ली गई संपत्तियों में चले जाते हैं। हर सरकारी स्कूल का संचालन अगर एक प्रबंधक के तहत हो, तो लक्ष्य भी स्पष्ट होंगे। अस्पतालों का संचालन डाक्टरों की वरिष्ठता के बजाय एमबीए की दक्षता में किसी प्रबंध के माध्यम से हो तो एक्सरे, सीटी स्कैन से एमआरआई मशीनों की वर्किंग बदल जाएगी। सरकारी संपत्तियों का बोझ अगर कमाऊ हो जाए, तो खजाने की मेहनत जाया नहीं होगी। प्रदेश की पेशकश को बदलने की हर जरूरत को नए पैमानों और नवाचार के आईनों में देखना होगा।

> हम सरकारी प्रक्रियाओं में जन्नत की उम्मीद लिए, तय न कर पाए कि हर घर में सपना बदल रहा है। पूरे विश्व, देश और हमारे पड़ोसी राज्यों के सपने बदले हैं, बल्कि उनके सपनों में शरीक हमारे युवा भी पलायन कर रहे हैं। एक अच्छा फैसला स्कूली शिक्षा को लेकर यह हुआ है कि प्रदेश के करीब दो सौ स्कूलों में सीबीएसई का पाठ्यक्रम लागू होगा। हैरानी यह कि ऐसे फैसलों का हिमाचल स्कूल शिक्षा बोर्ड के कर्मचारी संगठन विरोध कर रहे हैं। बेशक गुणवत्ता के आधार और शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिमाचल स्कूल बोर्ड भी बहुत कुछ कर सकता था, लेकिन वार्षिक परीक्षाओं के ढर्रे से ऊपर इसकी निगाह ही नहीं गई। अगर सरकार चुनकर दो सौ स्कूल सीबीएसई के सुपुर्द करने जा रही है, तो इन्हीं में से दो दर्जन स्कूलों को आधुनिक शिक्षा के आदर्श मॉडल बनाने के लिए हिमाचल शिक्षा बोर्ड भी तो फैसला ले सकता है। गुणात्मक सुधार की दृष्टि से शिक्षा बोर्ड ने पिछले दस सालों में अगर कुछ किया होता, तो सरकारी स्कूलों से निजी की ओर पलायन न होता। यह बीमारी सार्वजनिक क्षेत्र के हर संस्थान की है। दरअसल सार्वजनिक क्षेत्र को अपने तौर तरीके बदलते हुए निजी क्षेत्र की कार्य संस्कृति को अपनाना होगा। हमने बीबीएन जैसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की क्षमता का विवेचन किया होता तो उत्पादन की वृद्धि में इजाफा हो जाता।

कुछ | अलग

तरक्की का पुल

विधायक महोदय को एक दिन सपने में ख्याल आया कि कुछ बड़े काम करके नाम कमाया जाए। इस बहाने 'मिशन रिपीट' और जनता में फिर नाम हो जाएगा। वह जनता की खुशी के लिए तेजी से विकास करना चाहते थे। विधायक मुख्यमंत्री के ही धड़े से थे, लिहाजा उनके लिए सरकारी पैसे की कमी नहीं थी। वह जो मांग रखते थे, वही परियोजना पूरी हो रही थी। कमाल यह था कि उनके इलाके के सभी विभागों के आला अधिकारी सक्रिय हो चुके थे। पीडब्ल्यूडी सडक़ को चकाचक करती, तो जल शक्ति विभाग इसी को खोद कर पाइप बिछा देता और बीच-बीच में विद्युत आपूर्ति को अबाधित रखने के लिए तीसरा महकमा भी अपने हिसाब से पोल खड़े कर देता। देखते ही देखते स्कूलों को कालेजों में बदलने की मुहिम शुरू हुई, तो विधायक महोदय ने अस्पताल को मेडिकल कालेज बनवा दिया। जनता की खुशी के लिए उन्होंने गलियों को सडक़ का दर्जा देना शुरू कर दिया। पंचायतों को नगर परिषद बना दिया। विकास की धुन में विधायक महोदय ने शहर को अगली सदी में पहुंचाने की ठान ली। देश वैसे भी अब स्वदेशी होने लगा था, इसलिए चीन की सीमा से कहीं आगे निकल कर सोचा जा रहा था। विधायक सरकारी खर्च पर चीन के चोंगकिंग शहर गए तो वहां बने पुलों को देखकर इतने अभिभूत थे कि उन्होंने ठान लिया कि लौट कर अपने नगर को ऐसा ही एक अदद तोहफा देंगे। योजना बनी और धड़ाधड़ टेंडर भी हो गए। अब शहर के बीचों बीच पुल आलीशान था, जनता का मेजबान था। लोग दूर से पुल को देखते और खुश होते कि राज्य का पैसा उनके करीब आ रहा है।

दृष्टि | कोण

अब एमएसएमई की मजबूती जरूरी

इन दिनों प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में यह टिप्पणी की जा रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच देश की अर्थव्यवस्था को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक भारत को दुनिया का विकसित देश बनाने के लिए देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की विभिन्न चुनौतियों के समाधान और इसकी मजबूती के मद्देनजर नई रणनीति पर आगे बढ़ना जरूरी है। निःसंदेह इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि हाल ही में जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में जिस तरह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरें कम की गई हैं और जीएसटी को युक्तिसंगत बनाया गया है, उससे ट्रंप के टैरिफ की चुनौतियों का सामना कर रहे एमएसएमई को भारी लाभ होगा। एमएसएमई से जुड़े जीएसटी सुधार प्रमुख रूप से ऑटोमोबाइल, ड्रायफ्रूट्स उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी उत्पाद, परिधान, लॉजिस्टिक्स, हस्तशिल्प, आवास निर्माण उत्पाद क्षेत्रों की इकाइयों को भारी लाभ देंगे। एमएसएमई क्षेत्र में जीएसटी दरों को कम किए जाने की रणनीति आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने तथा विशेष रूप से महिलाओं, ग्रामीण उद्यमियों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए रोजगार को बढ़ावा देगी। इससे खास तौर से वस्त्र, खिलौने, हस्तशिल्प, चमड़ा और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि दोपहिया वाहनों, कारों, बसों और ट्रैक्टरों पर कम जीएसटी से मांग बढ़ेगी, जिससे टायर, बैटरी, ग्लास, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के

एमएसएमई को लाभ होगा। ट्रैक्टरों पर जीएसटी घटाकर 5 फीसदी (1800 सीसी) करने से भारत की वैश्विक स्तर पर ट्रैक्टर विनिर्माण में अग्रणी बनने की स्थिति मजबूत होगी। साथ ही इससे संबद्ध एमएसएमई को प्रोत्साहन मिलेगा। वाणिज्यिक माल वाहनों (ट्रक, डिलीवरी वैन) पर जीएसटी 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिए जाने से माल ढुलाई, लॉजिस्टिक्स लागत, महंगाई का दबाव कम होने से एमएसएमई को लाभ होगा। ऐसे में निश्चित रूप से जीएसटी की नई स्लैब से आम आदमी, छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को राहत मिलेगी। चाहे आम आदमी के इस्तेमाल की चीजें हों, चाहे वे किसानों से जुड़ी वस्तुएं हों, चाहे वे मध्यम वर्ग से संबंधित वस्तुएं हों, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, बीमा का क्षेत्र हो, प्रत्येक क्षेत्र में एमएसएमई को दी गई बड़ी जीएसटी राहत अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार देंगी। यद्यपि अब जीएसटी दर घटने से एमएसएमई को कर राहत जरूर मिलेगी, लेकिन इसके अलावा एमएसएमई के समक्ष डिजिटल ढांचा, कुशल श्रमिक, बाजार पहुंच, फंडिंग की कमी, टेक्नोलॉजी, सप्लाई चेन, डेटा सुरक्षा और स्किल डेवलपमेंट की चुनौतियां खड़ी हुई हैं। आईटी सेक्टर से जुड़े स्टार्टअप्स के समक्ष व्यावहारिक मार्गदर्शन, एक्सेस और प्रारंभिक निवेश की चुनौती है। खाद्य प्रसंस्करण जैसे उद्यमों में खराब तकनीक और कमजोर लॉजिस्टिक व्यवस्था के कारण गुणवत्ता में कमी की चुनौती है। ऊर्जा की अनियमित आपूर्ति और बड़ी कंपनियों से भुगतान में देरी एमएसएमई के विकास में बड़ी बाधा हैं। सिडबी की रिपोर्ट के मुताबिक अभी एमएसएमई के लिए सरल कर्ज की प्राप्ति एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि एमएसएमई क्षेत्र देश में उत्पादन, निर्यात और रोजगार में लगातार अपनी अहम भूमिका बढ़ाता जा रहा है। विगत 21 जुलाई को राज्यसभा में एमएसएमई मंत्री ने बताया कि देश में इस समय पंजीकृत 6.5 करोड़ एमएसएमई करीब 28 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में एमएसएमई का योगदान करीब 30.1 फीसदी है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आखिर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान–पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर–स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवनसाथी के मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दखल देना उसकी झुंझलाहट का कारण बन सकता है। गुस्से को फिर से भड़कने से रोकने के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आसानी से इस परेशानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी–मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक–झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मातहतों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करना सकारात्मक परिणाम देगा। आज खाली वक्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आपके वैव–ाहिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ूबसूरत परिवर्तन हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल–मोल कर ही बोलें। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फ़ायदेमंद होगी। ख़ास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें – हो सकता है कि वे आपकी ज़रूरतों को ज़्यादा गंभीरता से न लें। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग–पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता–कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आस–पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान–पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हल्का–सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार–दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फ़ैसले ख़ुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक़्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद–विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 सितंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी रात्रि 12:24 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 06:46 तक
योग : वरियान रात्रि 12:33 तक
करण : वणिज दोपहर 12:55 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 12:29 तक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:08 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दशमी का श्राद्ध , कन्या संक्रान्ति रात्रि 01:47 से, पुण्यकाल दूसरे दिन , भद्रा दोपहर 12:54 से रात्रि 12:33 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एमएसएमई से ही आत्मनिर्भर अभियान को मिलेगी गति : नायब सिंह सैनी

पानीपत, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों की सफलता में लघु उद्योगों की भूमिका सर्वोपरि है। 21वीं सदी का भारत जिस ऊंचाई और गति से आगे बढ़ रहा है, उसमें एमएसएमई का महत्वपूर्ण योगदान है। हरियाणा सरकार लघु उद्योगों के विकास के लिए विशेष योजनाएं और प्रोत्साहन नीतियां लागू कर रही है, ताकि उद्यमियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें और वे बाजार प्रतिस्पर्धा में मजबूती से खड़े हो सकें।

मुख्यमंत्री सोमवार को जिला पानीपत के समालखा में आयोजित लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समालखा में लघु उद्योग भारती के तीन दिवसीय औद्योगिक चिंतन से लघु उद्योगों के विकास की नई दिशा मिल सकेगी। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से मार्गदर्शन प्राप्त कर युवा उद्यमी विकसित भारत –विकसित हरियाणा की कहानी लिखेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा का भौगोलिक क्षेत्र केवल 1.3 प्रतिशत है, लेकिन यह वर्ष 2024–25 के अग्रिम अनुमान के अनुसार राष्ट्रीय जीडीपी में 3.6 का प्रतिशत का योगदान दे रहा है। सकल राज्य घरेलू उत्पाद पिछले दशक में 10.8 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। फरीदाबाद, पानीपत, यमुनानगर और अंबाला के अनधिकृत औद्योगिक क्षेत्र में चल रही हजारों एमएसएमई को राहत प्रदान की गई है और इस क्षेत्र में इनका लाभ भी मिलना शुरू हो गया है। प्रदेश में 10 नए आईएमटी विकसित करने की योजना बनाई गई है जिनमें से तीन नए आईएमटी राष्ट्रीय राजमार्गों पर विकसित करने के लिए भूमि प्राप्त की जा रही है। इनमें अंबाला, जींद और फरीदाबाद–पलवल आईएमटी शामिल हैं। इनके अलावा कोसली और नारायणगढ़ में भी आईएमटी के लिए जगह चिन्हित की गई है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यापार करने में आसानी के लिए 48 विभागों में 1100 से अधिक अनुपालनों के नियामक बोझ को कम किया है। विगत 11 वर्षों में प्रदेश में 7 लाख 66 हजार सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्योग लगे हैं तथा इनमें 39 लाख लोगों को रोजगार भी मिला है। सिंगल रूफ क्लीयरेंस सिस्टम के तहत 230 से अधिक ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आज हरियाणा निवेशकों और स्टार्टअप्स की पहली पसंद बन गया है। हरियाणा भारत में स्टार्टअप की संख्या में सातवें बड़े राज्य के रूप में उभरा है। वर्तमान में हरियाणा में 9100 से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं। प्रदेश में 19 यूनिकॉर्न कंपनियां हैं। उन्होंने कहा कि अगले चरण में स्टार्टअप में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में हरियाणा राज्य स्टार्टअप नीति के तहत 22 स्टार्टअप्स को एक करोड़ 14 लाख रुपए की वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए निजी निवेशकों के सहयोग से 2 हजार करोड़ रुपए का फंड ऑफ फंड्स भी स्थापित किया जा रहा है। ए.आई. आधारित स्टार्टअप को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा ड्रोन प्रौद्योगिकी के लिए 10 करोड़ रुपए का स्टार्टअप फंड शुरू किया गया है और इसके लिए करनाल में 500 युवा किसानों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री की लगभग 28 हजार यूनिट लग चुकी हैं इसे और आगे बढ़ाने के लिए इस पर काम किया जा रहा है। एकीकृत मिनी फूड पार्क योजना पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए इस पर 50 प्रतिशत की दर से पूंजी निवेश सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

मुआवजे के नाम पर किसानों के साथ मजाक कर रही है प्रदेश की भाजपा सरकार : सैलजा

ऐलनाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कुमारी सैलजा ने सोमवार को ऐलनाबाद विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर किसानों की समस्याएं सुनी। सांसद ने कहा कि मुआवजे के नाम पर प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के साथ मजाक कर रही है, स्वयं किसान हितेषी होने का दावा करने वाली भाजपा सरकार को पता होना चाहिए कि फसलों का लागत मूल्य क्या होता है और किसान को किस परेशानी से गुजरना होता है। सरकार को नरमा और कपास पर कम से कम 60–75 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देना चाहिए, 15 हजार रुपये प्रति एकड़ की घोषणा कर सरकार किसानों के जख्मों पर नमक छिड़क रही है।

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने सोमवार को ऐलनाबाद क्षेत्र का दौरा किया। सबसे पहले ऐलनाबाद में सुनील गोदारा के आवास पर पहुची और कार्यकर्ताओं से मिली। इस मौके पर ऐलनाबाद विधायक चौ. भरत सिंह बैनीवाल, कांग्रेस की जिला प्रधान संतोष बैनीवाल, वीरभान मेहता, संदीप नेहरा एडवोकेट, राजेश चाडीवाल, पूर्व जिला प्रधान मलकीत सिंह खोसा, मलकीत सिंह रंधावा, राम सिंह सोलंकी चेयरमैन नगर पालिका ऐलनाबाद, सतपाल मेहता, लादूराम पूनिया, जग्गा सिंह बराड़ डबवाली दुर्गा सिंह पूर्व सरपंच औटू और भोला सिंह मल्लेकां आदि मौजूद थे।

तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में ओबीसी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका : डा. सतीश पूनिया

चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में ओबीसी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा उस नेतृत्व को समर्पित है, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया है। प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और नेतृत्व ने भारत को एक नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि विश्व में पीएम मोदी की भूमिका एक विश्व नेता के रूप में उभरी है, जिस पर हर भारतीय को गर्व है। डा. पूनिया ने कहा कि बीजेपी की जनहितैषी नीतियों और सुशासन से खुश देश प्रदेश की जनता ने भाजपा को तीसरी बार सेवा करने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक इन 16 दिनों में सभी कार्यकर्ताओं केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर घर–घर जाना है, और मोदी सरकार की नीतियों और उपलब्धियों को बताना है।

बकाया राशि की रिकवरी के लिए जल्द अधिकारियों की बैठक होगी: अनिल विज

चंडीगढ़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि बिजली डिफाल्टरों की बकाया राशि की रिकवरी के लिए जल्द ही ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की एक बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें संबंधित अधीक्षक अभियंताओं से रिकवरी के संबंध में रिपोर्ट ली जाएगी।विज आज यहां चण्डीगढ में मीडिया कर्मियों द्वारा ऊर्जा विभाग की बकाया राशि 7700 करोड की रिकवरी के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि बिजली डिफाल्टरों का यह तथ्य जब उनके सामने आया तो उसी समय ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक ली गई थी, जिसमें प्रत्येक जिले की रिकवरी के बारे में जानकारी के तहत संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब अमुक अधिकारियों की रैंकिंग भी रिकवरी के अनुसार तय की जाएगी।

विज ने बताया कि इस बारे में जल्द ही अधिकारियों की बैठक ली जाएगी और रिकवरी के संबंध में रिपोर्ट ली जाएगी। सेवा पखवाडा के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा कि अंबाला में सेवा पखवाडा के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगें और अंबाला के चार मण्डलों के अंतर्गत एक–एक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा, जिसमें 75–75 लोग रक्तदान करेंगें।

इसके अलावा, सभी मण्डलों में शरीर के पूर्ण जांच के लिए शिविर आयोजित किया जाएगा, बीमारी मिलने वाले रोगियों का उपचार भी करवाया जाएगा। ऐसे ही, अंबाला के चारों मण्डलों में नमो–वन के तहत 75 पेड एक की वैरियाटी के एक जगह पर लगाए जाएंगें। इसके अतिरिक्त, सडकों के किनारे व डिवाइडर पर भी पौधे लगाए जाएंगें।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को जयपुर में आयोजित अहम बैठक में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सर्किट हाउस में हुई बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव आशीष मोदी, आयुक्त नगम निगम ग्रेटर डॉ. गौरव सैनी, आयुक्त विशेष योग्यजन केसरलाल मीना सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

अठावले ने केंद्रीय मंत्रालय द्वारा संचालित योजनाओं की गत तीन वर्षों के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विशेष योग्यजन विभाग, अनुजा निगम द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने बैठक में राज्य में अनुसूचित जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए छात्रवृत्ति का राशि वितरण, एससी/एसटी के लिए अत्याचार निवारण अधिनियम का क्रियान्वयन, अंतरजातीय विवाह हेतु अनुदान राशि वितरण, अनुसूचित जाति की छात्राओं के लिए आवासीय विद्यालय के लिए अनुदान राशि वितरण, राज्य में वृद्धाश्रम योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन हेतु अनुदान राशि का वितरण, दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए संचालित योजनाओं की समीक्षा की।

राजस्थान में मौजूदा सरकार चुनाव को रोक रही है : पायलट

टोंक, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के महासचिव टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक में वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान एवं पैदल मार्च में शिरकत की। वोट चोरी को लेकर हस्ताक्षर अभियान का आगाज किया। इस दौरान सचिन पायलट ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत देश हमारा दुनिया का सबसे बडा लोकतंत्र है। और यहां लोकतंत्र की संवैधानिक रूप से काफी मजबूत है, लेकिन केन्द्र सरकार चुनाव आयोग सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं को जान–बूझकर खोखला करने में लगी हुई है, लेकिन कांग्रेस सहित अन्य लोग और जनता इसका विरोध करने के लिए एक जूट है। पायलेट ने कहा कि राजस्थान में मौजूदा सरकार चुनाव को रोक रही है। छात्र संघ चुनाव, नगरपालिका चुनाव नही करवा रही है, जबकि 6 माह में करवाना जरूरी है। विशेष परिस्थितयों को छोडकर लेकिन राज्य सरकार चुनाव को लगातार टाल रही है। उन्होने कहा कि राज्य की जनता परेशान है, कोई विकास कार्य नही हो रहे है।

सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि कल मैं उज्जैन में था मेरे को इस कार्यक्रम के लिए कहा गया था। फिर आज सुबह मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी में हमारे एनयूए–सआई प्रत्याशियों के लिए वोट मांगने के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी था। वहां से चलकर आपके बीच आया हूं।

डिजिटल स्वरूप में होगी जनगणना, गाँव व तहसील स्तर का सटीक डेटा बनेगा योजनाओं का आधार : सुधांश पंत

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य में प्रस्तावित जनगणना–2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई जिसमें राजस्थान राज्य के 19 विभागों के प्रशासनिक सचिवों/ वरिष्ठ प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।मुख्य सचिव ने कहा कि यह बैठक फरवरी 2027 में आयोजित होने वाली जनगणना की प्रारंभिक बैठक है। उन्होंने विभागों को निर्देशित किया कि आगामी जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाइयों का समय पर गठन सुनिश्चित करें और सभी कार्य केंद्र सरकार के जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशों के अनुरूप पूरे करें।

उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूर्णत: डिजिटल स्वरूप में होगी, जिससे तहसील और गाँव स्तर का डेटा सटीक रूप से संकलित होगा। इस डेटा के विश्लेषण से विभिन्न विभाग अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। पंत ने कहा कि केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार सम्बंधित सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि जनगणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रशासनिक इकाई की सीमाओं में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 31 दिसम्बर 2025 तक ही सीमाओं में बदलाव अनुमत होगा और इसके बाद 1 जनवरी 2026 से मार्च 2027 तक किसी भी प्रकार का परिवर्तन स्वीकार्य नहीं होगा। अत: उन्होंने निर्देशित किया कि सम्बंधित विभागों को 1 दिसंबर 2025 के पूर्व उक्त प्रक्रिया पूर्ण कर लेने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जानी है, उन्होंने इसे एक राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए सभी विभागों से समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया।पंत ने जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य मई जून माह में किए जाने के संबंध में निर्णय लेने हेतु नोडल विभाग को निर्देश दिए।

सीएम भजनलाल शर्मा ने तकनीकी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा की बजट घोषणाओं पर ली उच्चस्तरीय बैठक

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी हमारे देश के सुनहरे भविष्य हैं, जिनकी सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने गुणवत्ता के उच्चतम मापदण्डों का पालन करते हुए विद्यालयों के निर्माण एवं मरम्मत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, इन कार्यों में जवाबदेहिता के लिए स्कूली शिक्षा विभाग में कार्यकारी एजेंसी की नियुक्ति करने के लिए भी निर्देशित किया।मुख्यमंत्री शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने गांव–ढाणी से लेकर शहरी क्षेत्र में स्थित राजकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शैक्षणिक सुविधाओं तथा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और विस्तार पर गहन चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विगत कुछ वर्षों में निर्मित शैक्षणिक संस्थानों के जीर्ण–क्षीर्ण और जर्जर होने पर उनके निर्माण कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट मंगवाकर जांच करवायी जाए। साथ ही, निर्मित होने वाले भवनों एवं मरम्मत कार्यों के खर्चों की सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि खराब कार्यों के संबंध में जवाबदेहिता को निर्माण कार्यों की प्रमुख शर्तों में शामिल किया जाए।

उन्होंने शैक्षणिक भवनों के मरम्मत संबंधी कार्यों के लिए डांग, मगरा, मेवात क्षेत्रीय विकास योजना के तहत अनुमत 20 प्रतिशत राशि का प्राथमिकता से उपयोग करने के विशेष दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप कक्षा निर्माण एवं अन्य सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित करें। साथ ही, विशेष योग्यजन विद्यार्थियों की पर्याप्त संख्या होने पर व्हीलचेयर की सुविधा भी प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इन संयत्रों के संचालन से शैक्षणिक संस्थानों की ऊर्जा जरूरत पूरी हो सकेगी और आधारभूत ढांचा भी सुदृढ़ हो सकेगा। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में उपलब्ध कराए जा रहे डाईनिंग हॉल को मल्टीपरपज विकसित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने कहा कि राजकीय विद्यालयों के भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने भामाशाह और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ समन्वय स्थापित कर इन कार्यों के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पटियाला की नेताजी सुभाष नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ स्पॉटर्स की तर्ज पर खेड़ली–गुर्जर, भरतपुर में विकसित होने वाले स्पॉर्ट्स स्कूल पर विस्तृत चर्चा करते हुए इसकी कार्ययोजना के संबंध में निर्देश प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कॉर्पोरेट सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के संचालन के संबंध में प्रभावी कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम के संचालन में आवश्यक मास्टरट्रेनर की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों को सतत रूप से प्रशिक्षण मिल सके।

लखनऊ में सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 का समापन

यूपी बना निडर व्यवसाय का नया केंद्र : योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश में सक्रिय हैं 17 हजार से अधिक स्टार्टअप, इनमें 8 यूनिकॉर्न शामिल

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित सीए-सआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 के समापन समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टार्टअप उत्पादों का अवलोकन किया और अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों और भविष्य की दिशा को सबके सामने रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने बीते साढ़े आठ वर्षों में सुरक्षा का उत्कृष्ट वातावरण दिया है। फियरलेस बिजनेस का केंद्र उत्तर प्रदेश बन चुका है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी यूपी आज अग्रणी है। अब ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस यूपी की नई पहचान है। व्यवसाय के लिए सुरक्षा, सुगमता और मजबूत इको सिस्टम जरूरी है और यह तीनों आज उत्तर प्रदेश में मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार केवल नीतियां नहीं बना रही, बल्कि युवाओं, उद्यमियों और वैज्ञानिकों के विचारों को पंख दे रही है। सरकार हर योग्य स्टार्टअप के साथ खड़ी है। हम प्रयोगशाला से उद्योग तक युवाओं का साथ दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर शोध उत्पाद बने, हर उत्पाद उद्योग बने और हर उद्योग भारत की शक्ति बने। यही विकसित भारत और विकसित यूपी का मंत्र है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह कॉन्क्लेव लखनऊ में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि यहां चारों केंद्रीय प्रयोगशाल-ाओं- एनबीआरआई, सीडीआरआई, आईआईटीआर और सीमैप के निदेशकों ने भविष्य की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक में जितना निवेश होगा, समाज उतना

प्रगतिशील बनेगा और वही देश दुनिया का नेतृत्व करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम तेजी से बढ़ा है। आज भारत में 1 लाख 90 हजार स्टार्टअप हैं और हम अमेरिका व ब्रिटेन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। प्रधानमंत्री जी की सोच थी कि युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब क्रिएटर बने। उसी संकल्पना को यूपी ने मजबूती से आगे बढ़ाया है। प्रदेश में 17 हजार से अधिक स्टार्टअप सक्रिय हैं, जिनमें 8 यूनिकॉर्न शामिल हैं। यहां 72 इनक्यूबेटर्स और 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित हो चुके हैं। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने 137 करोड़ रुपए की सहायता भी उपलब्ध कराई है।

उन्होंने बताया कि हेल्थकेयर, एग्री, बायोटेक, ब्यूटी और एन्वायरनमेंट जैसे क्षेत्रों में स्टार्टअप्स ने उल्लेखनीय कार्य किया है। प्रगतिशील किसानों के प्रयासों से अन्य किसानों का जीवन भी बदल रहा है। पहले अनुसंधान लैब तक सीमित रह जाता था, लेकिन अब लैब टू लैंड और लैब टू इंडस्ट्री की दिशा में काम हो रहा है। यही सहयोगी भावना स्टार्टअप्स

को बाजार से जोड़ेगी और उनकी सफलता तय करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी आज ग्लोबल टेक और इनोवेशन हब के रूप में स्थापित हो रहा है। स्टार्टअप और स्टैंडअप की यह व्यवस्था आत्मनिर्भर भारत का आधार बनेगी। उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि परंपरागत उद्योगों और एमएसएमई को तकनीक, डिजाइन, पैकेजिंग और मार्केट से जोड़ा गया। इसका नतीजा है कि आज यूपी से प्रतिवर्ष दो लाख करोड़ रुपए का निर्यात हो रहा है। 2017 से पहले प्रोत्साहन के अभाव में श्रमिकों और युवाओं का पलायन होता था, लेकिन अब 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में दो करोड़ लोग कार्यरत हैं। 75 जिलों के 77 उत्पादों को जीआई टैग मिला है, जिससे उनकी वैश्विक मांग बढ़ी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि एनबीआरआई ने जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए 9 लाख एकड़ भूमि पर किसानों को जैविक खाद उपयोग के लिए प्रेरित किया। सीडीआरआई नई दवाओं के शोध पर काम कर रहा है, जिससे फार्मा पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क को बढ़ावा मिल रहा है। आईआईटीआर ने आर्सेनिक और फ्लोराइड की समस्या वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण शोध किया है, वहीं सीमैप ने पिपरमिंट और स्पिरिचुअल टूरिज्म से जुड़े उत्पादों पर नई दिशा दी है। दो दिवसीय इस स्टार्टअप कॉन्क्लेव ने न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है। इस अवसर पर विभिन्न स्तरों पर कई एमओयू का आदान-प्रदान हुआ और अनेक स्टार्टअप्स ने अपने उत्पाद लॉन्च किए।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सीएसआईआर-एनबीआरआई के निदेशक एके शासनी, सीएसआईआर-सीडीआरआई के निदेशक राध रंगराजन, सीमैप के निदेशक सुबोध कुमार त्रिवेदी, आईआईटीआर के निदेशक भास्कर नारायण समेत देशभर के वैज्ञानिक, उद्योग जगत से जुड़े सीएमडी, सीईओ, वीसी, अकादमिक संस्थानों के प्रमुख, प्रगतिशील किसान और अन्य स्टेकहोल्डर्स मौजूद रहे।

लखनऊ स्टार्टअप हब बनने की ओर अग्रसर: डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने लखनऊ में आयोजित सीएसआईआर स्टार्टअप कॉन्क्लेव के दौरान कहा कि वे हमेशा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्नेह और सहयोग के पात्र रहे हैं और यूपी में किसी भी कार्यक्रम को लेकर वैज्ञानिकों को हमेशा मुख्यमंत्री का मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स के मामले में जिस प्रकार हैदराबाद और दक्षिण भारत के शहर विकसित हुए हैं, वैसा ही पोटेंशियल लखनऊ में भी मौजूद है। लखनऊ से मिंट की गोली पूरी दुनिया को मिली और मुख्यमंत्री जी के सहयोग से साहिबाबाद स्थित सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड, जो पहले घाटे में था, अब दो साल में ही प्रॉफिट मेकिंग संस्थान बन गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि 1977 में इसी यूपी से हिन्दुस्तान का पहला सोलर सेल बना था और अब लखनऊ में नया बायोटेक्नोलॉजी पार्क और साइंस म्यूजियम भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि लखनऊ में स्थित देश का सबसे पुराना बॉटेनिकल गार्डन और वहां बना स्वास्तिक लोटस गार्डन, जिसमें दुनियाभर के कमल के फूल लगाए गए हैं, भविष्य में एक बड़े पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है।

मॉल और मार्ट का मालिक उस्मान गनी गिरोह का सरगना

देवरिया में भी सक्रिय है धर्मांतरण गिरोह छांगुर से लिंक

देवरिया, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में एक बड़े धर्मांतरण सिंडिकेट का खुलासा हुआ है, जिसका लिंक छांगुर गिरोह से है। इस सिंडिकेट का मुख्य सरगना उस्मान गनी है। वह एसएस मॉल और ईजी मार्ट का संचालक है।

एसएस मॉल का मालिक उस्मान गनी, उसकी बीवी तरन्नुम और साले गौहर अली पर उसी मॉल में काम करने वाली एक युवती ने धर्मांतरण और यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में एफआईआर दर्ज है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी। अब सामने आया है कि रविवार 14 सितंबर को उस्मान गनी और उसकी बीवी दोनों मॉल बंद कर फरार हो गए हैं।

फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है। इसी बीच ईजी मार्ट का एक नया मामला सामने आया। यहां काम करने वाले दाता त्रयनाथ मद्धेशिया नाम के कर्मचारी ने अपने पूरे परिवार के साथ इस्लाम धर्म कबूल कर लिया है। अब वह अब्दुल रहमान बन चुका है। इस बात की पुष्टि ग्राम प्रधान राम नारायण गुप्ता और एडवोकेट विजय तिवारी ने की है। यह भी सामने आया है कि खुखुंदू थाना क्षेत्र के रहने वाले उमेश सिंह की बेटी लक्ष्मी सिंह को उस्मान गनी के साले गौहर अली ने बहलाकर निकाह किया और धर्म बदलवाकर उसका नाम सलमा रख दिया। इस मामले में गौहर अली को जेल भेज दिया गया है। लक्ष्मी के पिता का कहना है कि उनकी बेटी को गुमराह किया गया है और अब वह उसी का साथ दे रही है।

आरोप है कि ये लोग युवतियों को लग्जरी लाइफ का लालच देकर व्यापारियों को सप्लाई करते थे। वहीं अब पीड़ित परिवारों को धमकियां भी दी जा रही हैं। मामले में सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा है कि जिले में छांगुर जैसे सिंडिकेट को पनपने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन को सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं और एसएस मॉल एवं ईजी मार्ट की जांच की मांग की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से लगातार खुलासों के बाद अब एसएस मॉल और ईजी मार्ट पर स्थानीय लोगों द्वारा भी जांच की मांग उठाई जा रही है। विधायक के अनुसार, उस्मान गनी, उसकी बीवी और साले, सभी इस धर्मांतरण गिरोह में शामिल हैं और सुनियोजित तरीके से काम कर रहे हैं।

अपना मोर्चा ने किसानों के उत्पीड़न के खिलाफ खोला मोर्चा

पांच हजार किसानों पर दर्ज हैं गंभीर आपराधिक मुकदमे

न सरकार को फिक्र है, न तथाकथित रहनुमाओं को

लखनऊ, 15 सितंबर (ब्यूरो)।

उत्तर प्रदेश में भूमि अधिग्रहण, विस्थापन के दौरान अलग अलग जिलों में पिछले एक दशक में करीब पांच हजार किसानों पर गंभीर आपराधिक धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। राज्य सरकार ने पिछले वर्षों में दर्जनों लोगों से आपराधिक मुकदमे वापस लिए हैं, लेकिन किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं हो रहे। अपना मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी बृजेंद्र सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में आयोग का गठन कर बीते 10 वर्षों के अंदर किसानों आंदोलन के दौरान किए गए मुकदमे वापस लिए जाएं।

पटेल ने बताया कि अलग-अलग जिलों में अधिग्रहण के दौरान अधिकारियों ने मनमानी की थी जिसके कारण आंदोलन की स्थितियां पैदा हुईं। शांतिपूर्ण धरना में अराजकता कैसे पैदा होती है, इसका उदाहरण सोनभद्र जिले के दुद्धी इलाके में मोर्चा की जनसुनवाई में सामने आया। कनहर बांध परियोजना में विस्थापन के दौरान आदिवासी वहां धरना दे रहे थे और बालू में धंसकर गिरे एसडीएम ने वहां लाठी चार्ज करवा दिया और हंगामा हो गया। 2014 में 75 नामजद आदिवासी समाज के महिला पुरुष और बच्चों पर तथा 500 अज्ञात लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज कर लिए। अनेक आश्वासन के बाद भी रिपोर्ट वापस नहीं ली गई। पुलिस किसी भी निर्दोष को अज्ञात में दिखाकर थाने ले आती है। कनहर का बांध प्रोजेक्ट 1976 में प्रारंभ हुआ था जो आज तक अपूर्ण हैं।

इसी तरह प्रयागराज जिले के कचरी में वर्ष 2011 में कचरी पावर प्लांट के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान किसान आंदोलन में 200 नामजद और 600 से अधिक अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज है। अलग अलग राजनीतिक दल उन किसानों से मिले। सरकारें बदली और मुकदमा वापसी का आश्वासन देने वाले सपा और भाजपा दोनों दलों की सरकार आई और अभी है, पर मुक़दमे नहीं हटाए गए।

किसानों के खिलाफ दर्ज किए मुकदमे हत्या के प्रयास, सरकारी

कामकाज में बाधा, आगजनी गैंगस्टर जैसे गंभीर धाराओं में हैं। हमीरपुर, उन्नाव जिले में भी ऐसे 500 से अधिक मुक़दमे दर्ज हैं। एक एक किसान पर तीन तीन एफआईआर हैं। सैकड़ों लोग जेल हो आए। पीढ़ियां बदल गईं और जिन परियोजनाओं के लिए जमीन ली गई वो अधूरी हैं या फिर शुरू ही नहीं हो पाई। लाखों एकड़ जमीन बड़े बड़े कारोबारी लोगों के कब्जे में चली गई और विस्थापन का दंश झेल रहे किसान मुआवजा के बदले मुकदमों से घिरे हैं। ऐसे ही माहौल के कारण जिलों में राजस्व विभाग के आर्थिक अपराध चरम पर है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग समय पर किसानों से जिस प्रयोजन के लिए जमीन खरीदी है समय बीत जाने के बाद भी उन परियोजनाओं को पूरा नहीं किया गया। उन परियोजनाओं की कीमत 25-25 गुना से अधिक बढ़ चुकी है। उदाहरण के तौर पर सोनभद्र की कनहर बांध योजना में यह बांध परियोजना 28 करोड़ रुपए से शुरू हुई थी जो अब तक 3500 करोड़ रुपए के आसपास पहुंच चुकी है और योजना अधूरी है। इन योजनाओं के हालात और किसानों पर दर्ज मुकदमों का वापस लिए जाने के मामले इस समिति के द्वारा सुनकर सरकार फैसला करे।

उत्तर प्रदेश के किसान बिरादरी में शामिल कुर्मी जाति के श्री केशपाल सिंह पटेल की हत्या कर दी गई। फतेहपुर के धाता के अजरौली पलावा गांव के रहने वाले केशपाल पटेल पर गांव के एक जातीय उन्माद से लबरेज युवक श्याम पांडे ने फरसा कुल्हाड़ी से हमला किया। उनको काट डाला। उनके साथ राम लखन पटेल और वीर भान पटेल को मरणासन्न कर दिया और मंदिर में जाकर बैठ गया। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट सही धाराओं में नहीं लिखी। 26 अगस्त की इस घटना के बाद रिश्तेदारों को भी वहां जाने से रोका गया। जब कुर्मी समाज ने अफसरों का घेराव किया, प्रदेश में आंदोलन की स्थितियां बन गई तब 13 सितंबर को सुरक्षा और नौकरी का आश्वासन मिला। इस मामले की उच्च स्तरीय जांच आवश्यक है। पीड़ित परिवार को संविदा के बजाय स्थाई नौकरी दिए जाने का प्रबंध किया जाए।

अपना मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक चौधरी बृजेंद्र सिंह पटेल ने बताया कि फतेहपुर में केशपाल सिंह पटेल की हत्या और उसके बाद पैदा हुए राजनीतिक घटनाक्रम से यह बात साफ हो गई है कि उत्तर प्रदेश में कुर्मी समाज के लोगों का भरोसा अनुप्रिया पटेल और उनके पति आशीष पटेल पर नहीं रहा है। इसी खिसियाहट में मृतक केशपाल की बेटी अमृता पटेल के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष सिंह पटेल का वीडियो देखा जा सकता हैं जिसमें मंत्री कहते हैं कि मृतका की बेटी डीएम से जाकर मिले। मैं क्या कर सकता हूं। इसके बाद जब समाज के अंदर प्रदेश भर में आक्रोश जागा तो कुर्मी समाज की महापंचायत फतेहपुर में हुई और तब डीएम ने अनेक मांगें मान लीं। इससे सरकार के अंदर अनुप्रिया और उनके पति की हैसियत का अंदाजा समाज को लग गया है कि सिर्फ परिवार और लालच के कारण ये समाज की बात रखने की स्थित में नहीं रह गए हैं।

प्रेस वार्ता के दौरान मोर्चा के सह संयोजक और अपना दल बलिहारी के अध्यक्ष धर्मराज पटेल ने कहा कि अपना मोर्चा राष्ट्र, समाज एवं राजनीति में परिवारवाद, आर्थिक भ्रष्टाचार, सामाजिक भ्रष्टाचार एवं आपराधिक भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई करेगा। सह संयोजक और राष्ट्रीय जन सरदार पार्टी के अध्यक्ष हेमंत चौधरी ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में किसी भी राजनीतिक संगठन के पास आर्थिक और आपराधिक भ्रष्टाचार पर सोचने की क्षमता शून्य हो चुकी है। जिसके कारण देश व प्रदेश में हर स्तर पर गिरावट शुरू हो गई है। और इसी गिरावट को रोकने के लिए देश व प्रदेश एवं समाज के हित के लिए अपना मोर्चा का गठन हम सारे साथियों ने मिलकर किया है तथा इसकी लड़ाई लड़ने के लिए मोर्चा कटिबद्ध है।

मोर्चा के सह संयोजक बौद्ध अरविंद सिंह पटेल ने कहा कि जो भी राजनीतिक संगठन केवल जाति, धर्म, मजहब, के नाम पर समाज एवं राष्ट्र का शोषण कर रहे हैं उनके खिलाफ परिवर्तन की लड़ाई में अपना मोर्चा अग्रणी भूमिका निभाएगा और संपूर्ण परिवर्तन होने तक अनवरत संघर्ष करता रहेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. रविंद्रनाथ द्विवेदी, कुर्मी क्षत्रिय महासभा की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शोभा पटेल, अखिल भारतीय स्वर्णकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री गोविंद वर्मा, एडवोकेट चंद्रप्रताप पटेल, इंद्रजीत पटेल, सौरभ सिंह, दिशा पटेल, अली आजाद, राजकुमार पटेल, मास्टर साहब और राजकुमार पटेल बनारस समेत अन्य लोग मौजूद थे।

योगी सरकार के मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा

सपा शासनकाल भ्रष्टाचार और माफियागीरी का काल

आज यूपी निवेश विकास और कानून व्यवस्था में बना मिसाल

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने जमकर पलटवार किया। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि सपा शासनकाल की यादें भ्रष्टाचार, अराजकता और माफियागीरी से जुड़ी हैं, जबकि योगी सरकार ने कारीगरों से लेकर किसानों तक सबको राहत और सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव विश्वकर्मा दिवस पर अवकाश की राजनीति करते हैं, लेकिन योगी सरकार ने पीएम विश्वकर्मा योजना के जरिए करोड़ों कारीगरों को 15,000 रुपए तक का लोन, आधुनिक टूलकिट और बीमा सुविधा दी है। यह असली सम्मान है, जो कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देता है। स्वतंत्र देव ने रिवर फ्रंट को भ्रष्टाचार का प्रतीक बताते हुए कहा कि हजारों करोड़ रुपये जनता की गाढ़ी कमाई को डुबाने वाले आज सुंदरता की मिसाल देते हैं। योगी सरकार ने प्रदेश की करीब 100 नदियों के

किनारे सवा दो करोड़ से अधिक पौधे लगवाए और नदियों को गाद और अतिक्रमण से मुक्त कर उन्हें जीवन दिया।

स्मार्ट सिटी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि लखनऊ आज स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप-10 में जगह बनाई है, जबकि सपा सरकार के समय यूपी के शहर कचरे के ढेर थे। उन्होंने कहा कि सपा शासनकाल में गोरखपुर बाढ़ का केंद्र था।

योगी सरकार की समयबद्ध व्यवस्थाओं से अब न सिर्फ गोरखपुर, बल्कि पूरे प्रदेश में बाढ़ पर नियंत्रण पाया गया है। आज बारिश का पानी नालियों से निकल जाता है और शहरों में जनजीवन सामान्य रहता है। अखिलेश यादव के पक्की नौकरी वाले दावे पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा शासनकाल में आउटसोर्स कर्मी बिना वेतन भटकते थे। योगी सरकार ने आउटसोर्स सेवा निगम बनाया है, जिसमें कम से कम वेतन 20 हजार रुपए तय किया गया है और आरक्षण भी लागू है। अब तक 8.5 लाख युवाओं को पारदर्शी भर्ती के जरिए सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। स्वतंत्रदेव सिंह ने कहा कि अखिलेश को ओडीओपी की सफलता पच नहीं रही। एक जिला एक उत्पाद योजना से 96 लाख एमएसएमई यूनिट खड़ी हुई और करोड़ों युवाओं को रोजगार मिला। सपा शासनकाल में जहां उद्योग यूपी से पलायन करते थे, आज यूपी निवेशकों का हब बन गया है। उन्होंने कहा कि सपा के समय मुख्यमंत्री खुद माफियाओं से समझौते करते थे, जबकि योगी सरकार ने प्रदेश से माफियाओं को जड़ से उखाड़ फेंका है। आज बेटी, व्यापारी और किसान सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की भ्रामक बातें उनकी असफलताओं को छिपाने का हथकंडा भर हैं। सपा सरकार वादों पर चलती थी, जबकि योगी सरकार तथ्यों पर काम करती है। 2027 में जनता इसका फैसला करेगी।

मंचेरियल में वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय और राज्य मंत्री विवेक वेंकटस्वामी ने दिखाई हरी झंडी

मंचेरियाल, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल वासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है। नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव सोमवार से मंचेरियल में शुरू हो गया। पिछले एक साल से स्थानीय नेताओं द्वारा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष से मंचेरियल में इस ट्रेन के ठहराव की मांग की जा रही थी। आखिरकार, इस मांग को स्वीकार करते हुए वंदे भारत के ठहराव को हरी झंडी दे दी गई।

सोमवार को मंचेरियल रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय, श्रम और खनन राज्य मंत्री विवेक वेंकटस्वामी, पेद्दापल्ली के सांसद गद्दाम वामसीकृष्णा और एमएलसी अंजी रेड्डी ने संयुक्त रूप से वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर भाजपा और कांग्रेस पार्टी के नेता, कार्यकर्ता और रेलवे विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। ठहराव की अनुमति मिलने पर स्थानीय लोगों ने अपार खुशी व्यक्त की।

वंदे भारत के मंचेरियल में रुकने से अब सिकंदराबाद तक का सफर केवल तीन घंटे में पूरा होगा। यह ट्रेन तेलंगाना और महाराष्ट्र के बीच 575 किलोमीटर का सफर तय करती है और पहले से ही काजीपेट, रामागुंडम, बल्लारशा, चंद्रपुर और सेवाग्राम में रुकती है। सोमवार से यह मंचेरियल और कागजनगर में भी रुकेगी।

ट्रेन का समय-सारिणी इस प्रकार है:- नागपुर से प्रस्थान: सुबह 5:00 बजे, सिकंदराबाद आगमन: दोपहर 12:15 बजे, सिकंदराबाद से प्रस्थान: दोपहर 1:00 बजे, नागपुर आगमन: रात 8:20 बजे।

इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच मंचेरियल शाखा के अध्यक्ष भारत लड्डा और राष्ट्रीय सदस्य गोपाल व्यास ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय से मुलाकात की। उन्होंने मंचेरियल रेलवे स्टेशन पर अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव के लिए एक ज्ञापन सौंपा।

वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव से मंचेरियल और आसपास के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय को तेलंगाना फोटो एक्सपो में शामिल होने का निमंत्रण

मंचेरियल, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ने हाल ही में हैदराबाद में आयोजित होने वाले तेलंगाना फोटो एक्सपो के पोस्टरों का अनावरण किया। इस अवसर पर, मंचेरियल जिला फोटो एवं वीडियोग्राफर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मंत्री से एक्सपो में शामिल होने का अनुरोध किया और उन्हें आमंत्रित किया।

इस कार्यक्रम में एमएलसी अंजी रेड्डी, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष मुकेश गौड़, एसोसिएशन के अध्यक्ष रमन्ना और सचिव तिरुपति सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस एक्सपो का उद्देश्य राज्य के फोटोग्राफरों और वीडियोग्राफरों को एक मंच प्रदान करना है, जहाँ वे अपनी कला का प्रदर्शन कर सकें।

शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की मांग को लेकर एबीवीपी का प्रदर्शन

यादगिरिगुट्टा, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की तेलंगाना शाखा के आह्वान पर सोमवार को यादगिरिगुट्टा में लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी करने की मांग को लेकर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया।

एबीवीपी की जिला संयोजक जुपल्ली दीपिका ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार छात्र-विरोधी नीतियां अपना रही है। शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी न होने के कारण छात्रों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे कमजोर वर्ग के छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हो रहे हैं।

दीपिका ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि वे केवल चुनाव के समय ही छात्रों को याद करते हैं और बाकी समय सिर्फ भटकाव की राजनीति में व्यस्त रहते हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि छात्रों का भविष्य दांव पर होने के बावजूद शिक्षा मंत्री इस मुद्दे पर ध्यान क्यों नहीं दे रहे हैं।

दीपिका ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने तुरंत शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति जारी नहीं की, तो मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों को हर जगह विरोध का सामना करना पड़ेगा। इस प्रदर्शन में राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य अरविंद, यादगिरिगुट्टा शहर सचिव गद्दामी कार्तिक और उपाध्यक्ष अखिल सहित कई छात्र मौजूद थे।

आसिफाबाद सरकारी अस्पताल में मीडिया पर प्रतिबंध!

आसिफाबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को कोमुरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर कार्यालय में आसिफाबाद पत्रकार संघ ने जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे को सरकारी अस्पताल में मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। पत्रकारों ने इस अवसर पर कहा कि 30 वर्षों की पत्रकारिता में उन्होंने इस तरह की घटना कभी नहीं देखी।

पत्रकारों ने बताया कि जब भी वे जिला चिकित्सा अधिकारी से सरकारी अस्पताल से संबंधित सूचना मांगते हैं, तो उन्हें जवाब मिलता है कि वे सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत आवेदन करें। पत्रकारों ने आरोप लगाया कि जब वे अस्पताल में मरीजों की समस्याओं को उजागर करने के लिए समाचार कवरेज करने जाते हैं, तो उन्हें कवरेज करने से रोका जाता है। कई मरीज अपनी समस्याएं पत्रकारों के व्यक्तिगत मोबाइल पर साझा करते हैं। पत्रकारों ने कहा कि यदि वे इन समस्याओं को अपनी पत्रकारिता के माध्यम से उजागर नहीं करेंगे, तो जनता का पत्रकारों पर से भरोसा उठ जाएगा।स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या कोमुरम भीम आसिफाबाद जिला मुख्यालय स्थित सरकारी अस्पताल कोई प्रतिबंधित क्षेत्र है? अस्पताल प्रशासन देश की सर्वोच्च अदालत के

आदेशों का भी पालन नहीं कर रहा है। अस्पताल की दीवारों पर पोस्टर चिपकाए गए हैं, जिनमें फोटो खींचने और वीडियो बनाने पर रोक का उल्लेख है। साथ ही, मीडिया पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

पत्रकारों ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पहले यह अस्पताल मेडिकल काउंसिल के अधीन था, लेकिन अब मेडिकल कॉलेज की स्थापना के बाद इसे चिकित्सा शिक्षा निदेशक के अधीन कर दिया गया है। इसके बाद से मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर यहां कार्यरत हैं। अस्पताल की क्षमता को 100 बेड से बढ़ाकर 350 बेड कर दिया गया है, लेकिन भवन, आवश्यक उपकरणों और पर्याप्त डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को उचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। गंभीर बीमारी या दुर्घटना के मामलों में मरीजों को केवल प्राथमिक उपचार देकर अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया जाता है।

अस्पताल में डॉक्टरों, कर्मचारियों और तकनीशियनों की कमी के कारण यह केवल बुनियादी इलाज तक सीमित है। डॉक्टर इस क्षेत्र में काम करने में रुचि नहीं दिखाते, जिससे डॉक्टरों की कमी स्पष्ट है। इसके अलावा, यहां कार्यरत डॉक्टर और कर्मचारी अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। स्थानीय लोगों के विरोध करने पर वे गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं और अभद्र भाषा का उपयोग करते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उच्च अधिकारी भी ऐसी लापरवाही के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं करते, जिससे डॉक्टर और कर्मचारी और अधिक लापरवाह हो गए हैं। जब स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जानकारी पत्रकारों को दी, तो अस्पताल प्रशासन ने पत्रकारों के साथ अभद्र व्यवहार किया और उन्हें सूचना देने से इनकार कर दिया।

पिछले कुछ महीनों से अस्पताल में सुरक्षित पेयजल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। मरीज और उनके तीमारदार सुविधाओं की कमी के कारण परेशान हैं और इसे अपनी नियति मान रहे हैं।

पत्रकारों ने बताया कि जब उच्च अधिकारी लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करते हैं, तो भी अन्य लोग यहां काम करने नहीं आते। इस कारण डॉक्टर अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरतते हैं और तबादले की धमकी देकर भावनात्मक ब्लैकमेलिंग करते हैं।पत्रकारों ने मांग की है कि जिला चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में हो रही अनियमितताओं को उजागर करने के लिए स्वतंत्र पत्रकारिता जरूरी है। इस अवसर पर आसिफाबाद प्रिंट मीडिया के पत्रकार रावला शंकर, छिपा सुरेश, रमेश सोलंकी, सतीश, श्रीनिवास, तरु, श्रीधर, कुमार, वाराणसी श्रीनिवास आदि उपस्थित थे।

मदनूर में बाघ की आवाजाही से किसान परेशान

मदनूर, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर के किसानों ने अपने खेतों के पास बाघ की लगातार आवाजाही से परेशान होकर सोमवार को तहसीलदार मुजीब एम.डी. को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों का कहना है कि वे पिछले एक हफ्ते से बाघ को देख रहे हैं, जिससे उनमें भय का माहौल है और वे अपने खेतों में जाने से डर रहे हैं।किसानों ने आरोप लगाया कि इस समस्या के बावजूद वन विभाग के अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं।

आसिफाबाद विधायक के घर के सामने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना प्रदर्शन

आसिफाबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना आंगनवाड़ी शिक्षक एवं सहायिका संघ (सीटू) के तत्वावधान में सोमवार को आसिफाबाद जिला केंद्र में विधायक कोवलक्ष्मी के घर के सामने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया। इस अवसर पर सीटू जिला सचिव मुंजम श्रीनिवास ने केंद्र और राज्य सरकार से अपनी मांगों को तुरंत पूरा करने की अपील की।

मुंजम श्रीनिवास ने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में उल्लिखित 18,000 रुपये मासिक वेतन और पीएफ सुविधा को तत्काल लागू किया जाए। इसके अलावा, सेवानिवृत्ति आदेश संख्या 8 में संशोधन, रिक्त पदों को भरना, 24 दिन की हड़ताल का बकाया वेतन और अन्य लंबित मुद्दों का समाधान किया जाए। उन्होंने मांग की कि आंगनवाड़ी केंद्रों में मुफ्त प्री-प्राइमरी और पी.एम. श्रीविद्या की व्यवस्था लागू की जाए, साथ ही आंगनवाड़ी शिक्षकों और सहायिकाओं को पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी जाए और इसके लिए अतिरिक्त वेतन प्रदान किया जाए।श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) और शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी आईसीडीएस को कमजोर कर रही है, जिसका हिस्सा मुफ्त प्राथमिक शिक्षा नीति भी है। उन्होंने मांग की कि एफआरएस (फील्ड रिस्पॉन्स सिस्टम) को तत्काल समाप्त किया जाए और एक एकीकृत ऑनलाइन ऐप लागू किया जाए। इसके साथ ही, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 5जी नेटवर्क वाले मोबाइल फोन प्रदान किए जाएं।धरने में शामिल कार्यकर्ताओं ने मांग की कि आईसीडीएस मंत्री के वादे के अनुसार, 24 दिनों की हड़ताल का वेतन तुरंत दिया जाए। साथ ही, जी.ओ. क्रमांक 8 में संशोधन कर बढ़े हुए सेवानिवृत्ति लाभ 1 जुलाई, 2024 से भुगतान किए जाएं। इसके अतिरिक्त, तीन महीने का पीआरसी, मिनी शिक्षकों का 11 महीने का बकाया, और सेवानिवृत्त लोगों का 10 महीने का सीबीई बकाया तुरंत भुगतान किया जाए। मुंजम श्रीनिवास ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लेती, तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं अपने आंदोलन को और तेज करेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह केंद्र की खतरनाक नीतियों का विरोध करे और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के हितों की रक्षा करे।इस धरना प्रदर्शन में सीटू के जिला अध्यक्ष राजेंदर, तेलंगाना आंगनवाड़ी शिक्षक संघ की जिला अध्यक्ष गंगामणि, नायक उमादेवी, वनिता, तारा, राधा, सुवर्णा, राजेश्वरी, चंद्रकला, थिरुपथम्मा और अन्य कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

यादगिरिगुट्टा देवस्थानम में दो डीईओ की नियुक्ति पर उठे सवाल

वेमुलावाड़ा स्थानांतरण की मांग तेज

यादगिरिगुट्टा, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर, यदागिरिगुट्टा में कर्मचारियों की नियुक्तियों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंदिर में वर्तमान में दो जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यरत हैं-एक नियमित डीईओ और दूसरा सहायक शिक्षा अधिकारी (एईओ) के पद पर डीईओ के कार्यों का निर्वहन कर रहा है।वेतन व्यवस्था में असंगति: एक अधिकारी को यदागिरिगुट्टा देवस्थानम से वेतन मिल रहा है, जबकि दूसरे को वेमुलावाड़ा देवस्थानम से भुगतान किया जा रहा है, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।पदोन्नति के बावजूद पदावनति जैसी नियुक्ति: वेमुलावाड़ा के डीईओ को पदोन्नत कर यदागिरिगुट्टा में एईओ स्तर की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष फैल रहा है।स्थानांतरण की मांग: वेमुलावाड़ा देवस्थानम में डीईओ का पद रिक्त है, और यदागिरिगुट्टा में कार्यरत दो डीईओ में से एक स्थानांतरण के लिए तैयार है। इसके बावजूद, उच्च अधिकारी निर्णय लेने में विलंब कर रहे हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराज़गी है।धर्मस्व विभाग से यह अपेक्षा की जा रही है कि वह स्थिति की गंभीरता को समझते हुए शीघ्र निर्णय ले और यदागिरिगुट्टा में कार्यरत दो डीईओ में से एक को वेमुलावाड़ा देवस्थानम में स्थानांतरित करे, ताकि दोनों तीर्थस्थलों में प्रशासनिक संतुलन सुनिश्चित किया जा सके।

मदनूर: कृषि अधिकारी राजू ने कीट नियंत्रण के लिए किसानों को दी अहम सलाह

मदनूर, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानिक कृषि अधिकारी राजू ने सोमवार को जारी एक प्रेस नोट में बताया कि वर्तमान में सोयाबीन फसलों पर कीटों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है।

विशेष रूप से रेशम के कीड़े फूल कलियों और कोमल फलों पर हल्के पीले रंग के अंडे देकर नुकसान पहुँचा रहे हैं।सोयाबीन पर कीटों का हमला: अंडों से निकलने वाले लार्वा पहले कलियों को खाते हैं, फिर फली में सिर डालकर अंदर के बीजों को खोखला कर देते हैं। इससे फलों पर गोल, बड़े छेद स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। मूंगफली पर हरी मक्खी के कारण नटों पर गोल छेद बनते हैं, जिनमें शिशु कृमि सिर अंदर रखकर भोजन करते हैं।मारुका स्पॉटेड कीट पत्तियों, फूलों और मेवों को जाल की तरह जोड़ देता है। नटों पर छोटे, अनियमित छेद और कटे फलों में मल दिखाई देता है।-सभी कीटों के लक्षण भिन्न हैं, लेकिन नियंत्रण के उपाय समान हैं।

-प्रति एकड़ 8-10 पक्षीघर स्थापित करने की सलाह दी गई है।

-कली अवस्था में नीम के बीज का अर्क (300 पीपीएम) 5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

-ज्वार ऊँचा होने पर इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी (0.4 ग्राम), स्पिनोसैड 45% एससी (0.3 मिली), क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी (0.3 मिली) या फ्लूबेंडामाइड 39.35% एससी (0.2 मिली) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।कृषि अधिकारी राजू ने स्पष्ट किया कि कीटनाशकों का प्रयोग केवल वैज्ञानिकों और अधिकृत प्राधिकारियों की सलाह के अनुसार ही किया जाना चाहिए, ताकि फसल को सुरक्षित रखा जा सके और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे।

जन आवेदनों का शीघ्र समाधान किया जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। जिला कलेक्ट्रेट भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में अपर जिला कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी और आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने लोगों से सीधे आवेदन प्राप्त किए।कलेक्टर ने बताया कि प्राप्त हुए हर आवेदन की क्षेत्रीय स्तर पर जांच की जाएगी और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।कागजनगर मंडल के बट्टुपल्ली गांव की चापीदी मीराबाई ने अपनी पेंशन पुस्तिका में आधार संख्या में सुधार के लिए आवेदन दिया।आसिफाबाद मंडल के दासनापुर गांव की हेवेरे लक्ष्मी बाई ने वृद्धावस्था पेंशन के लिए अनुरोध किया।बेज्जूर मंडल के सानुगुपल्ली की देवी कमला ने अपने पति की मृत्यु के बाद पेंशन देने की गुहार लगाई।रेबेना मंडल की कनक लक्ष्मी ने रोजगार के तहत किए गए काम की मजदूरी का भुगतान करने का अनुरोध किया।वानकीडी मंडल की सुनीता चौधरी, जो अनुसूचित जाति छात्रावास में रसोइया थीं, ने नौकरी से निकाले जाने के बाद पुनः नियुक्ति की मांग की।गदाचरोली के पिडुगु सत्तैया ने अपने पिता की जमीन अपने नाम कराने के लिए आवेदन दिया।तक्कल्लापल्ली गांव की बांका पोशम ने अपनी खोई हुई पट्टा पासबुक की जगह नई पासबुक जारी करने का अनुरोध किया।

जीएसटी कटौती पर प्रधानमंत्री मोदी के चित्र का दुग्धाभिषेक

मदनूर, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती के फैसले का स्वागत करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मदनूर मंडल के गांधी चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र का दूध से अभिषेक किया। यह कार्यक्रम भाजपा मंडल अध्यक्ष तेप्पवार तुकाराम के नेतृत्व में आयोजित किया गया था।इस अवसर पर, मंडल अध्यक्ष तुकाराम थेप्पावर ने कहा कि जीएसटी में कटौती से आम जनता को काफी राहत मिलेगी और यह देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा। कार्यकर्ताओं ने इस खुशी में मिठाइयां भी बांटीं।

इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष तुकाराम थेप्पावर के साथ पूर्व सोसायटी अध्यक्ष पंडित राव पटेल, शंकर पटेल, जिला सचिव कृष्णा पटेल, ओबीसी विधानसभा संयोजक संतोष तुलावर, अजय तम्मेवार प्रशांत, शिवाजी रमेश, वीरेशम राजू, लक्ष्मण पटेल, सुभाष और कई अन्य भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

मंचेरियल में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापना हेतु अनुमति की मांग

मंचेरियाल, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय, जो करीमनगर निर्वाचन क्षेत्र से माननीय संसद सदस्य हैं, से मंचेरियल कस्बे में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने की अनुमति के संबंध में निवेदन किया गया है।शिवाजी प्रतिमा सदन समिति की ओर से यह अनुरोध किया गया है कि मंचेरियल शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक प्रतिमा स्थापित की जाए। शिवाजी महाराज एक हिंदू सम्राट थे, जिनका जीवन विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। समिति का मानना है कि उनकी प्रेरणादायक जीवनगाथा को स्मरण करने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने के लिए प्रतिमा की स्थापना आवश्यक है।*कई वर्षों से प्रतिमा स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक अनुमति प्राप्त नहीं हो सकी है। *समिति ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया है कि वे इस मामले पर ध्यान दें और केंद्र सरकार के माध्यम से आवश्यक अनुमति दिलवाएँ।* मंचेरियल में शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की गई है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में मामूली गिरावट नजर आ रही है। दूसरी ओर चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,11,060 रुपये से लेकर 1,11,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना 1,01,800 रुपये से लेकर 1,01,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,32,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,11,210 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,11,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,11,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,11,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,01,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,11,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,11,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,01,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,01,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,11,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,11,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,01,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आयकर विभाग ने आईटीआर की समय सीमा बढ़ाने की खबरों को बताया अफवाह

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने सोमवार को स्पष्ट किया कि आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। विभाग ने ये भी कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के विपरीत उसने आईटीआर भरने की अंतिम तारीख को आगे नहीं बढ़ाया है। आयकर रिटर्न की समय सीमा बढ़ाने से आयकर विभाग ने किया इनकार आयकर विभाग ने जारी एक बयान में कहा कि सोशल मीडिया पर एक फर्जी खबर चल रही है, जिसमें कहा गया है कि आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर को आगे बढ़ाकर 30 सितंबर कर दिया गया है। विभाग ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे केवल आधिकारिक अपडेट पर ही भरोसा करें। आईटीआर दाखिल करने, कर भुगतान और अन्य संबंधित सेवाओं में करदाताओं की सहायता के लिए हमारा हेल्पडेस्क 24×7 आधार पर काम कर रहा है और हम कॉल, लाइव चैट, वेबएक्स सेशन और ट्विटर/एक्स के माध्यम से सहायता प्रदान कर रहे हैं।

अगस्त महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री नौ फीसदी घटी: सियाम

नई दिल्ली। अगस्त महीने में कुल यात्री वाहन थोक बिक्री (डीलरों को भेजी गई) सालाना आधार पर लगभग 9 फीसदी घटकर 3,21,840 इकाई रह गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,52,921 इकाई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि संख्या में गिरावट की मुख्य वजह यात्री वाहन निर्माताओं के डिस्पैच पुनर्निर्धारण के कारण हुई। हालांकि, अगस्त महीने के दौरान कुल दोपहिया वाहनों की डिस्पैच साल फीसदी बढ़कर 18,33,921 इकाई हो गई, जबकि अगस्त 2024 में यह 17,11,662 इकाई थी। इस अवधि में मोटरसाइकिलों की बिक्री 4.3 फीसदी बढ़कर 11,06,638 इकाई हो गई (अगस्त, 2024 में 10,60,866 इकाई के मुकाबले), स्कूटरों की बिक्री करीब 13 फीसदी बढ़कर 6,83,397 इकाई हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 6,06,250 इकाई थी। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि ग्राहकों ने जीएसटी दर में कटौती और वाहनों की कीमतों में कमी की उम्मीद में खरीदारी स्थगित कर दी है, जिसकी वजह से अगस्त की मांग में गिरावट आई। मेनन ने कहा कि वाहनों पर जीएसटी दरें कम करने के सरकार के फैसले से आगामी त्योहारी सत्र में मांग बढ़ेगी।

दिल्ली एयरपोर्ट का उन्नत टी-2 टर्मिनल तैयार, 26 अक्टूबर से शुरू होगा

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट का उन्नत टर्मिनल-2 अगले महीने की 26 तारीख से चालू हो जाएगा, जिससे इसकी कुल वार्षिक यात्री क्षमता बढ़कर 10 करोड़ हो जाएगी। इस साल अप्रैल में उन्नयन के लिए बंद किया गया यह टर्मिनल, यात्री-अनुकूल सुविधाओं जैसे सेल्फ-बैगेज ड्रॉप, आधुनिक छत और नवीन स्काईलाइट डिजाइन के साथ फिर से खुलेगा। नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआईए) में तीन टर्मिनल-टी-1, टी-2 और टी-3 है। यहां से प्रतिदिन लगभग 1,400 उड़ानों का संचालन किया जाता है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने सोमवार को बताया कि आईजीआई एयरपोर्ट का टर्मिनल-2 अपग्रेड होकर 26 अक्टूबर से चालू होने के लिए तैयार है। डायल के मुताबिक 25-26 अक्टूबर की मध्यरात्रि से एयर इंडिया और इंडिगो की करीब 120 दैनिक घरेलू उड़ानें उन्नत टर्मिनल-2 पर स्थानांतरित हो जाएंगी। डायल ने कहा कि इसमें स्वचालित डॉकिंग तकनीक वाले छह नए यात्री बोर्डिंग ब्रिज भी होंगे, जो देश में अपनी तरह का पहला प्रयोग होगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने यहां टर्मिनल-2 का निर्माण 40 वर्ष पहले किया था, जिसे इसी वर्ष अप्रैल में उन्नयन के लिए बंद किया गया था।

बालाजी वेफर्स बेच रही 10% हिस्सेदारी खरीदने कई कंपनियों में लगी है होड़

कंपनी की कीमत 10 अरब डॉलर आंकी गई तो स्नैक्स की श्रेणी में बनेगी नजीर

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)।

चिप्स और नमकीन बनाने वाली गुजरात की कंपनी बालाजी वेफर्स अपनी 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के लिए अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, केदार कैपिटल, बेन ऐंड कंपनी, कार्लाइल और टीपीजी जैसी दिग्गज पीई फर्मों से उसकी बात चल रही है। इससे जुड़े लोगों ने बताया कि कंपनी चाहती है कि उसकी कीमत करीब 40,000 करोड़ रुपए यानी 4.53 अरब डॉलर आंकी जाए।

मीडिया रिपोर्ट में जानकारी रखने वाले एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि क्रिस कैपिटल, मल्टीपल्स, टीए एसोसिएट्स, एल कैटरटन, गोल्डमैन सैक्स और मॉर्गन स्टैनली ने भी कंपनी में रुचि दिखाई है। एफएमसीजी कंपनियों में केवल आईटीसी ने बालाजी की हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। कनाडा के एक पेंशन फंड ने भी बालाजी में दिलचस्पी दिखाई। गोल्डमैन सैक्स, केदार, टीपीजी और कार्लाइल से जब हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल होने की बात पूछी गई तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। आईटीसी के प्रवक्ता ने बाजार में चल रही अटकलों पर कुछ बोलने से इनकार कर दिया। एडीआईए, केकेआर, बेन ऐंड कंपनी, क्रिस कैपिटल, मल्टीपल्स, टीए एसोसिएट्स, एल कैटरटन और मॉर्गन स्टैनली को इस बारे में जानकारी के लिए ईमेल भेजे गए लेकिन अभी तक जवाब नहीं आया। बालाजी वेफर्स के संस्थापक विरानी बंधु देश भर में कंपनी का विस्तार करने के लिए कुछ हिस्सेदारी बेचना चाहते हैं। एक व्यक्ति ने कहा कि हल्दीराम के हाल में हुए सौदे में कंपनी की कीमत 10 अरब डॉलर आंकी गई है, जो स्नैक्स की श्रेणी में नजीर बन गई। उद्योग से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि 22 सितंबर से जीएसटी में कटौती लागू हो रही है, जिसके बाद कंपनियों को बिक्री से आय बढ़ने की उम्मीद है। स्नैक्स बनाने वाली हल्दीराम ने इस साल मार्च में इंटरनैशनल होल्डिंग कंपनी, अल्फा वेव ग्लोबल और सिंगापुर की सरकारी निवेश फर्म टेमासेक को 10 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 1 अरब डॉलर जुटाए थे। बालाजी की योजना की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि यह कंपनी वृद्धि के अगले चरण को रफ्तार देने के लिए पेशेवरों को लाने की भी सोच रही है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराने की भी योजना है लेकिन इसमें 5 से 6 साल का समय लग सकता है।

जीएसटी दरें घटने से अर्थव्यवस्था में 3.5 लाख करोड़ ग्रोथ की उम्मीद

नई दिल्ली। जीएसटी दरों में कटौती का लाभ 22 सितंबर से मिलने लगेगा। बाजार विश्लेषकों और अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इस कटौती से उपभोक्ताओं की डिमांड बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। जीएसटी सुधारों के बाद अब श्रम सुधारों की बारी है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि जीएसटी दरों में कमी और आयकर में छूट से अर्थव्यवस्था में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए की ग्रोथ आने की उम्मीद है। इसका असर अर्थव्यवस्था की विकास दर पर भी पड़ेगा। अर्थशास्त्री बोले- जीएसटी सुधारों के बाद अब श्रम सुधारों की बारी अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि इन सुधारों से देश की आर्थिक वृद्धि 7 से 7.5 फीसदी हो सकती है। अब आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन को तेज करने के लिए नीति-निर्माताओं को विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान देने की जरुरत है। इसके लिए अन्य क्षेत्रों विशेष रूप से भूमि और श्रम क्षेत्र में सुधार अहम हैं। जीएसटी परिषद ने हाल में माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया। अब कर की दरें 5 और 18 फीसदी होंगी, जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी हानिकारक वस्तुओं पर 40 फीसदी की विशेष दर लागू होगी। मीडिया रिपोर्ट में अर्थशास्त्री और मद्रास स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स के निदेशक एनआर भानुमूर्ति ने कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के किसी भी टैक्स का असर निगेटिव पड़ता है यानी जितना ज्यादा टैक्स होगा, उत्पादन उतना ही कम होगा। ऐसे में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष टैक्स सुधारों के जरिए टैक्स के बोझ में कमी आने से देश की आर्थिक वृद्धि की क्षमता 7.0 से 7.5 फीसदी तक बढ़ सकती है। फिलहाल चालू वित्तवर्ष में विकास दर 6.3 से 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। आनंद राठी ग्रुप के मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक ने कहा कि इनकम टैक्स की दर में कटौती से लोगों की खर्च योग्य आय में प्रभावी रूप से वृद्धि होगी।

प्रोत्साहन योजना से मिली रफ्तार, भारत बना ग्लोबल मोबाइल हब

नई दिल्ली,15 सितंबर (एजेंसियां)।

स्मार्टफोन का निर्यात सारे रिकॉर्ड तोड़कर एक लाख करोड़ के पार

अमेरिका के साथ व्यापार पर तकरार से हर तरफा ना उम्मीदी नजर आ रही है लेकिन चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में स्मार्टफोन का निर्यात सारे रिकॉर्ड तोड़कर एक लाख करोड़ के पार हो गया है। विक्रेताओं और उद्योग से सरकार को मिले आंकड़ों से पता चलता है कि निर्यात को उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना से ज्यादा रफ्तार मिली है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष के पांच महीनों में हुए निर्यात के मुकाबले 55 फीसदी ज्यादा है।

जानकारी के मुताबिक अप्रैल से सितंबर 2024 में 64,500 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन निर्यात हुए थे। ऐपल के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली दो कंपनियों टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन ने 75,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के स्मार्टफोन निर्यात किए यानी कुल स्मार्टफोन निर्यात में करीब 75 फीसदी योगदान इन दो कंपनियों का रहा है।

वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 90,000 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन निर्यात हुए थे। इस हिसाब से इस वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में ही 10 फीसदी ज्यादा निर्यात हो चुका है। स्मार्टफोन निर्यात पर पीएलआई योजना का प्रभाव इस बात से भी पता चलता है कि वित्त वर्ष 2023 के बाद हर साल निर्यात में करीब 50 फीसदी या ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई है। स्मार्टफोन पीएलआई योजना के समर्थक लंबे समय से कह रहे हैं कि स्मार्टफोन उत्पादन मूल्य में दुनिया भर में छाना है तो निर्यात करें, जैसा चीन ने किया है।

इससे देश में स्मार्टफोन के पुर्जों के विनिर्माण को भी गहराई मिलेगी, जिससे उच्च मूल्यवर्धन को रफ्तार मिल सकती है। इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईटी मंत्रालय ने कई पीएलआई योजनाओं की हालिया समीक्षा के दौरान बताया कि स्मार्टफोन के मामले में मूल्यवर्धन 2021 में 5 से 6 फीसदी था जो बढ़कर वित्त 2025 तक 19 फीसदी हो गया। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में कहा था कि मंत्रालय को इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जा विनिर्माण के लिए पीएलआई योजना के तहत 50,000 करोड़ से ज्यादा के निवेश के लिए आवेदन मिले हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कुछ पाबंदियों के...

निर्धारित प्रक्रिया, जिसमें वक्फ में संशोधन भी शामिल है, का पालन न्यायाधिकरण के साथ-साथ उच्च न्यायालय द्वारा भी किया जाना आवश्यक है। इसलिए न्यायाधिकरण के निर्णय के बाद वह आदेश भी प्रभावी हो सकता है। जो वक्फ पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें वक्फ संपत्ति नहीं माना जाएगा। जिन लोगों ने पांच साल तक इस्लाम का पालन नहीं किया है, वे वक्फ नहीं बना सकते, उस प्रावधान पर रोक लगा दी गई है।25 अप्रैल को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 का बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट में 1,332 पन्नों का प्रारंभिक हलफनामा दाखिल किया। इस हलफनामे में अदालत से अनुरोध किया गया कि वह इस कानून पर रोक न लगाए, क्योंकि यह कानून संसद ने पारित किया है और इसे संविधान-सम्मत माना जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने आठ अप्रैल को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को अधिसूचित किया था। इससे पहले पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस अधिनियम को मंजूरी दी थी। लोकसभा और राज्यसभा ने क्रमशः तीन और चार अप्रैल को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को पारित किया था।केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कोर्ट ने एक तरह से भारत की संसद के फैसले को बरकरार रखा है। उन्होंने यह भी कहा कि जब कोई कानून संसद में बनाया जाता है तो उसे खारिज नहीं किया जा सकता। इसी बात पर आज सुप्रीम कोर्ट ने मुहर लगाई है।

वक्फ संशोधन अधिनियम के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ईदगाह इमाम और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा, हमारी मांग थी कि पूरे अधिनियम पर रोक लगाई जाए, लेकिन कोर्ट ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया। हालांकि कोर्ट ने कई प्रावधानों पर रोक लगाई है, और हम कुछ प्रावधानों पर रोक का स्वागत करते हैं। धारा 3 और 4 पर रोक एक बहुत ही स्वागत योग्य कदम है, और हमें उम्मीद है कि जब भी अंतिम निर्णय आएगा, हमें 100 प्रतिशत राहत दी जाएगी। वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम फैसले को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, यह अंतरिम आदेश है। हम उम्मीद करते हैं कि शीर्ष कोर्ट इस पूरे कानून पर जल्द अंतिम फैसला सुनाए और सुनवाई शुरू हो। यह फैसला एनडीए सरकार द्वारा बनाए गए कानून से वक्फ की संपत्तियों को बचाने में मदद नहीं करेगा। इससे अतिक्रमण करने वालों को फायदा मिलेगा। वक्फ की संपत्तियों का विकास नहीं हो पाए। हम उम्मीद करते हैं कि शीर्ष कोर्ट जल्द ही अंतिम फैसला सुनाएगा। वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा, काफी हद तक हमारी बात मान ली गई है। वक्फ बाय यूजर वाली हमारी बात मान ली गई है। इसके साथ ही संरक्षित स्मारकों पर हमारी बात भी मान ली गई है कि कोई तीसरा पक्ष दावा नहीं करेगा। जो पांच साल का संशोधन लगाया गया था उसे हटा दिया गया है और इसके साथ, मैं कहना चाहता हूं कि कुल मिलाकर हमारी कई बातें मान ली गई हैं और हमें लगता है कि काफी हद तक संतुष्टि है।कोर्ट के आदेश को लेकर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा, यह वाकई एक अच्छा फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार की साजिश और इरादों पर लगाम लगा दी है। जमीन दान करने वाले लोग इस बात से डरे हुए थे कि सरकार उनकी जमीन हड़पने की कोशिश करेगी। यह उनके लिए राहत की बात है। सरकार कैसे तय करेगी कि कौन 5 साल से धर्म का पालन कर रहा है? यह आस्था का मामला है।

कांग्रेस-राजद...

अपनी बहन बेटियों के लिए चिंतित है। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैठियों की वकालत कर रहे हैं। यह लोग घुसपैठियों के लिए नारे लगा रहे हैं। यात्रा कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, हर गरीब को पक्का घर देना मेरा लक्ष्य है। जब तक हर गरीब को पक्का मकान नहीं मिल जाता है तब तक मोदी चैन से नहीं बैठने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्णिया में एयरपोर्ट का शुभारंभ हो चुका है। नया टर्मिनल भवन रिकॉर्ड पांच महीने में बना। बिहार के विकास के लिए सीमांचल और पूर्णिया का विकास जरूरी है। उन्होंने इंडी गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि राजद और कांग्रेस के कुशासन का परिणाम सीमांचल को सबसे ज्यादा भोगना पड़ा है। लेकिन, अब एनडीए सरकार के समय में यहां विकास हो रहा है। यहां की स्थिति बदल रही है। अब यह क्षेत्र विकास के फोकस में है। बिजली के क्षेत्र में भी बिहार को आत्मनिर्भर बनाने का काम चल रहा है। सरकार यहां के किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछली सरकार ने मखाना और मखाना किसानों की भी उपेक्षा की। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, कुछ लोग यहां आकर चक्कर काट रहे हैं लेकिन मैं दावे के साथ कहता हूं कि मेरे आने से पहले उन्होंने मखाना का नाम भी नहीं सुना होगा। हमारी सरकार ने मखाना को प्राथमिकता दी। मखाना किसानों के लिए एनडीए सरकार ने पूर्णिया में मखाना बोर्ड देने की घोषणा की। बिहार के विकास की गति कुछ लोगों को रास नहीं आ रही है। जिन लोगों ने बिहार का शोषण किया। इस मिट्टी के साथ धोखा किया वह यह मानने के लिए तैयार नहीं है कि बिहार लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।

इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, पीएम मोदी ने बजट में बिहार वासियों के लिए बहुत कुछ दिया है। आप सभी लोगों को यह सब याद रखना चाहिए। इन्होंने जितना काम किया है कि आप सभी लोगों को इन्हें खड़े होकर प्रमाण करना चाहिए। आप सब खड़े हो जाएंगे तो बिहार बहुत आगे जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयरपोर्ट का शुभारंभ करने के बाद गुलाबबाग के शीशाबाड़ी स्थित जनसभा स्थल पर पहुंचे। यहां पर वह सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ रथ पर सवार होकर जनसभा स्थल पर पहुंचे। इस दौरान लोगों ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नारे लगाकर दोनों नेताओं स्वागत किया। सभा स्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। मंच से भी पीएम मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे।

पीएम की जनसभा में मंच पर पहुंचे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने पूर्णिया में हाईकोर्ट बेंच, एम्स, पूर्णिया को उप राजधानी का दर्जा देने और मखाना में जीएसटी कम करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि एक दौड़ हमने देखा जब जंगल राज में माताओं बहनों का निकलना मुश्किल था। आज ये दौड़ है जहां विकास की सरकार केंद्र और बिहार दोनों हमारी सरकार। चिराग ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश का गुणगान किया।

एक करोड़ के...

कुख्यात नक्सली मारे गए। मौके से तीन एके-47 राइफलें भी बरामद की गई हैं। फिलहाल हजारीबाग और आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन जारी है।

सुरक्षा के साथ ...

युद्ध के बारे में जानकारी दी गई। सीसीसी-2025 का मुख्य फोकस सुधार, बदलाव और परिचालन तत्परता पर है। ये सभी पहलू सशस्त्र बलों की संस्थागत सुधारों, गहरे एकीकरण और तकनीकी आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाते हैं। विचार-विमर्श का उद्देश्य सशस्त्र बलों को और अधिक मजबूत बनाना है, ताकि वे बदलते जियोपॉलिटिकल परिदृश्य में निर्णायक रह सकें।

सम्मेलन में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों प्रमुख इस सम्मेलन में शामिल हैं। सीसीसी द्विवार्षिक आयोजन है जिसे सशस्त्र बलों का सर्वोच्च विचार-मंथन मंच माना जाता है। यह देश के शीर्ष नागरिक और सैन्य नेतृत्व को विचारों का आदान-प्रदान करने और रणनीतिक, संस्थागत और परिचालन प्राथमिकताओं पर चर्चा करने के लिए एकजुट करता। इस सम्मेलन में सेना के विभिन्न रैंकों के अधिकारी शामिल होते हैं।

16वां संयुक्त सम्मेलन, सशस्त्र बलों के सुधारों, रूपांतरण, परिवर्तन और परिचालन तैयारियों पर केंद्रित है। इसका विषय है सुधारों का वर्ष - भविष्य के लिए परिवर्तन। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संस्थागत सुधारों, गहन एकीकरण और तकनीकी आधुनिकीकरण के प्रति सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता बनाए रखना और उच्च स्तर की बहु-क्षेत्रीय परिचालन तत्परता हासिल करना है। पिछला सीसीसी सम्मेलन 2023 में भोपाल में आयोजित किया गया था।

7 मई को सेना ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पहली बार पीएम मोदी ने तीनों सेनाओं के कमांडरों को एक साथ संबोधित किया। 15 से 17 सितंबर तक कोलकाता में आर्म्ड फोर्स कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस साल सीसीसी की थीम है ईयर ऑफ रिफॉर्म: ट्रांसफॉर्मिंग फॉर दी फ्यूचर। इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस मौके पर रक्षा मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा राज्य मंत्री, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और रक्षा सचिव भी शामिल होंगे।भारतीय सेना अपने आधुनिकीकरण के दौर से गुजर रही है, वो भी स्वदेशी तरीके से। रक्षा मंत्रालय इस साल को ईयर ऑफ रिफॉर्म के तौर पर मना रहा है। सीसीसी का मुख्य फोकस सुधार, परिवर्तन और ऑपरेशनल तैयारियों पर होगा। यह सभी आर्म्ड फोर्स की संस्थागत सुधार, इंटीग्रेशन और तकनीकी आधुनिकीकरण की प्रतिबद्धता को दर्शाएगा। यह मल्टी-डोमेन ऑपरेशनल तैयारी को बनाए रखता है। इस विचार-विमर्श का उद्देश्य आर्म्ड फोर्स को और मजबूत करना है, जो तेजी से बदलते जियो-पॉलिटिकल स्थिति में चुस्त और निर्णायक हैं। इस सम्मेलन में अलग-अलग रैंकों के अधिकारियों और कर्मियों के साथ इंटरैक्टिव सेशन होंगे।

पहले सेना से जुड़े सभी बड़ी बैठक और कार्यक्रम दिल्ली में ही आयोजित होते थे। पीएम मोदी के सुझाव के बाद से इन कार्यक्रमों को दिल्ली से बाहर आयोजित किया जाने लगा। इसमें कंबाइंड कमांडर कॉन्फ्रेंस, आर्मी डे, एयरफोर्स डे, नेवी डे, डिफेंस एक्सपो जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इसके पीछे का मकसद था कि दिल्ली से बाहर आयोजनों से जनता को सेना के करीब लाना है। साल 2015 में पहली बार कंबाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस दिल्ली से बाहर आयोजित किया गया था। इसमें पीएम मोदी ने शिरकत की थी। पहली बार यह केरल के कोच्चि तट के पास समंदर में एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य पर आयोजित किया गया था। साल 2017 में देहरादून में इंडियन मिलिट्री एकेडमी (आईएमए) में आयोजित की गई थी। पीएम मोदी ने शिरकत की थी। इस दौरान साइबर सुरक्षा, हाइब्रिड युद्ध, और तकनीकी उन्नति पर चर्चा की गई थी। साल 2018 में जोधपुर वायुसेना स्टेशन, 2021 में गुजरात के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, और 2023 में भोपाल में भी आयोजित की जा चुकी है।

बीसीसीआई के...

मुझे अफसोस है कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ खेला। अगर कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनकी टीम से राय ली जाती तो वे खेलने से मना कर देते। कोई खेलना नहीं चाहता था।हालांकि हाई-वोल्टेज मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया, लेकिन मैच के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से हाथ मिलाने से इन्कार कर दिया। यह कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं था बल्कि टीम इंडिया ने इसे पहले से प्लान किया था। पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ियों को यह फैसला हैरान कर गया। भारत-पाकिस्तान का यह मैच ऐसे समय में खेला गया जब दोनों देशों के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हैं। पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसके बाद मई में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाया था और कई आतंकियों को मार गिराया था। इन घटनाओं के बाद इस मैच के आयोजन को लेकर भी सवाल उठे और कई लोगों ने बहिष्कार की मांग की। सोशल मीडिया पर भी मैच को लेकर नाराजगी देखने को मिली।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 16 सितंबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्रीकृष्ण कथा : द्वितीय दिवस में साध्वी आस्था भारती जी ने भक्तिमती आण्डाल के प्रेम का संदेश दिया

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान, श्री आशुतोष महाराज जी के मार्गदर्शन में, शास्त्रों के सत्य को मानव जीवन में चरितार्थ कर रहा है। सात दिवसीय श्रीकृष्ण कथा के द्वितीय दिवस में संस्थान की कृपापात्र शिष्या साध्वी आस्था भारती जी ने चिन्ना अनंतगिरी, अत्तापुर में भक्तिमती आण्डाल के निश्छल प्रेम और उनकी रचनाओं के माध्यम से जनकल्याण हेतु प्रेरित किया।

साध्वी आस्था भारती जी ने भक्तिमती आण्डाल के पावन चरित्र को प्रस्तुत करते हुए कहा कि उनका प्रेम आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। गोदा कल्याणम उत्सव आत्मा और परमात्मा के एकाकार होने का महोत्सव है। यह विलक्षण प्रेम प्रभु चरित्र सुनने से शुरू होता है, लेकिन प्रभु के दर्शन से दृढ़ होता है। उन्होंने भक्तों को प्रेमाभक्ति की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

साध्वी जी ने महर्षि चाणक्य के श्लोक का उल्लेख करते हुए समझाया-

पुष्पे गन्धं तिले तैलं काष्ठेऽग्निं पयसि घृतम्।
इक्षौ गुडं तथा देहे पश्याऽऽत्मानं विवेकतः।

अर्थात्, जैसे पुष्प में गंध, तिल में तेल, काष्ठ में अग्नि, दूध में घी और गन्ने में गुड़ छिपा होता है, वैसे ही शरीर में आत्मा का साक्षात्कार विवेक के द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मेहंदी के हरे पत्तों में लाल रंग छिपा होता है, लेकिन उसे प्रकट करने के लिए पत्तियों को रगड़ना पड़ता है। इसी तरह, दही को मथने से ही माखन निकलता है। ठीक उसी प्रकार, गुरु की शरण में जाकर सूक्ष्म युक्ति प्राप्त करने से ही मानव तन में परमात्मा के दर्शन संभव हैं।

साध्वी जी ने जोर देकर कहा कि मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य परमात्मा के दर्शन करना है। इसके लिए गुरु की शरण में जाकर उस युक्ति को प्राप्त करना आवश्यक है, जो अंतर्घट में ईश्वर को प्रकट कर सके। उन्होंने भक्तों से इस अवसर का लाभ उठाकर प्रेमाभक्ति और ईश्वर दर्शन की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

कथा का समापन प्रभु की पावन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

इस अवसर पर दैनिक प्रसाद यजमान पन्ना लाल शर्मा, संस्थान की ओर से स्वामी प्रदीपानंद जी, साध्वी भावना भारती जी, साध्वी साक्षी भारती जी उपस्थित थे। अतिथिगण में श्रीमती कौशल्या देवी बंग, सुरेश मोदी, लक्ष्मी निवास सारडा, जुगल पारिख, विमल खांडेलवाल, बाबुलाल जोशी, बजरंग लाल नालपुरिया, दीपा राम सीरवी, श्याम अग्रवाल, देवेंद्र चौधरी, छेला राम कुमावत, मोहन लाल कुमावत, गणेश चौधरी, वेना राम चौधरी, और गौतम कुमावत उपस्थित रहे।

साध्वी आस्था भारती जी ने भक्तों से आह्वान किया कि वे प्रेमाभक्ति को ईश्वर दर्शन से दृढ़ कर आत्मा के सच्चे आनंद को प्राप्त करें।

अग्रसेन जयंती पर प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास का भव्य कवि सम्मेलन 22 को

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा श्री अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन सोमवार, 22 सितंबर 2025 को रात्रि 9:00 बजे शमशाबाद स्थित क्लासिक 3 कन्वेंशन में किया जाएगा।

जयंती महोत्सव की प्रचार-प्रसार और मीडिया कमिटी के प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारी ने बताया कि इस आयोजन का संयोजन समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष रुपेश अग्रवाल, सचिव विकास केशान, सह-सचिव व जयंती प्रधान संयोजक डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष व जयंती संयोजक अंचल गुप्ता, परामर्शदाता बद्री विशाल बंसल और हरीश गुप्ता के नेतृत्व में किया जा रहा है।

इस कवि सम्मेलन में प्रख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास मुख्य आकर्षण होंगे। उनके साथ मंच पर जाने-माने कवि रमेश मुस्कान, सुदीप भोला, कुशाल कुशेनदर और साक्षी तिवारी भी अपनी काव्य प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे।

जयंती कार्यक्रम के सह-संयोजक दिनेश चंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया और दीपा भालोटीया ने बताया कि कार्यक्रम में प्रवेश संबंधी आवश्यक जानकारी जल्द ही आयोजन समिति द्वारा अग्रवाल समाज की सभी शाखाओं को प्रदान की जाएगी।

यह आयोजन न केवल महाराजा अग्रसेन जी की जयंती को उत्सव के रूप में मनाने का अवसर है, बल्कि समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का भी एक माध्यम है।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना ने इस भव्य आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं, जिससे यह कार्यक्रम यादगार बन सके।अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा आयोजित यह कवि सम्मेलन न केवल काव्य प्रेमियों के लिए एक सांस्कृतिक उत्सव होगा, बल्कि समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर सामुदायिक एकता को भी मजबूत करेगा।

पुण्य कर्मों से ही मिलता है सेवा का अवसर : नरेंद्र कुमार गोयल

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद द्वारा इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, बंजारा हिल्स परिसर में तीसरे निःशुल्क अन्नदान केंद्र का शुभारंभ सोमवार, 15 सितंबर को प्रातः 9 बजे किया गया। इस अवसर पर प्रमुख समाज-सेवी व उद्योगपति नरेंद्र कुमार गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज की सेवा करने का भाव हर किसी के मन में होता है, परंतु यह अवसर केवल पुण्य कर्मों के फलस्वरूप ही प्राप्त होता है। मुझे इस सेवा का हिस्सा बनने का परम सौभाग्य मिला।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अग्रवाल समाज, तेलंगाना (अग्रसेन मार्ग शाखा) के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि राधे राधे ग्रुप ने सेवा, सहयोग और समर्पण के अपने मूल भाव को समाज के सामने बखूबी प्रस्तुत किया है। उन्होंने ग्रुप के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि का स्वागत व सम्मान ग्रुप के संयोजक सतीश कुमार गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल और महेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

राधे राधे ग्रुप, हैदराबाद पिछले एक वर्ष से अधिक समय से नामपल्ली पब्लिक गार्डन (पिलर नंबर 1265 के पास) पर प्रतिदिन प्रातः 7:01 बजे निःशुल्क अन्नदान (अल्पाहार) सेवा प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, बेगम बाजार भूदेवी माता गौशाला के पास पिछले तीन महीनों से प्रतिदिन प्रातः 7:31 बजे अन्नदान सेवा संचालित हो रही है। बंजारा हिल्स में शुरू किया गया यह तीसरा केंद्र ग्रुप की सेवा भावना को और विस्तार देगा।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, आशा गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, राजेश, आरपीए सर, मनीष अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, मुन्नालाल अग्रवाल, मनोज शर्मा, उमाकांत गुप्ता, संतोष टाटिया, ई-जगन चम्पापेट, भगतराम गोयल, दिनेश गोयल, रोहित अग्रवाल, सुरेश डालमिया, शिवभगवान अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता अग्रवाल सहित राधे राधे ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित थे।

बेगम बाजार में राधे राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद ने सोमवार को श्राद्ध पक्ष की नवमी के अवसर पर बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के नजदीक नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस नेक पहल में जगतनारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विनोद तोशनीवाल, गोविंद राम पचेरीया, सुनील, अरुण विजयवर्गीय, शिव भगवान, पन्नालाल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, मीना अग्रवाल, मनोज शर्मा, आशीष और किशन पाल ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए राधे राधे ग्रुप की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की मासिक पत्रिका के 50 वर्ष विशेषांक का भव्य लोकार्पण

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने तथा मासिक विवरण पत्रिका के 50 वर्ष के स्वर्णोत्सव के अवसर पर प्रकाशित विशेषांक का लोकार्पण केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा गुजरात के गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय हिंदी भाषा दिवस एवं पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हुआ। इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में विशेषांक का विमोचन किया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य दिनेश शर्मा, रचनाकार एवं वैज्ञानिक डॉ. आनंद रंगनाथ, केंद्रीय गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या तथा संयुक्त सचिव मीनाक्षी जोली ने भी संयुक्त रूप से विशेषांक का विमोचन किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों ने हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली और अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव कवडे के नेतृत्व वाले प्रतिनिधि मंडल को 90 वर्षों से

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने किया विमोचन

हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में योगदान तथा विवरण पत्रिका के 50 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए अभिनंदन किया।हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद ने 90 वर्षों से हिंदी भाषा के प्रचार, शिक्षा और साहित्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सभा की मासिक विवरण पत्रिका ने हिंदी साहित्य, संस्कृति और भाषा के क्षेत्र में लाखों पाठकों को प्रेरित किया है। इस विशेषांक में सभा के ऐतिहासिक योगदान, प्रमुख उपलब्धियां और भविष्य की योजनाओं को विशेष रूप से उजागर किया गया है।

इस अवसर पर राजभाषा विभाग के विभिन्न अधिकारी, संयुक्त निदेशक राजेश कुमार श्रीवास्तव, सहायक निदेशक भावना सक्सेना, उप निदेशक रघुवीर शर्मा, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, विशेष अधिकारी श्रुतिकांत भारती, कानूनी सलाहकार जे. वेंकटराम नरसिंहा रेड्डी, सी. गोपाल, कार्यालय सचिव वेंकटेश्वर, श्रीकांत आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में देश भर के केंद्रीय न्याय विभाग, गृह मंत्रालय, तीनों सेनाओं के रक्षा विभाग, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ोदा, इंडियन बैंक, एस.बी.आई. बैंक तथा विभिन्न बैंकों और केंद्रीय मंत्रालयों के अधिकारियों ने भाग लिया।

हिंदी दिवस 2025 तथा पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय, गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, कई सांसद, विधानसभा सदस्य तथा देश भर के प्रमुख हिंदी विशेषज्ञ उपस्थित हुए।

यह कार्यक्रम हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार और राजभाषा के रूप में उसके उपयोग को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित यह सम्मेलन राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के महत्व को रेखांकित करता है। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद का यह विशेषांक हिंदी साहित्य और संस्कृति के संरक्षण में एक मील का पत्थर साबित होगा।

प्रेरणा संस्था द्वारा होम फॉर द डिसेबल्ड में वस्त्र और फल वितरित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रेरणा संस्था ने होम फॉर द डिसेबल्ड में एक वस्त्र और फल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। संस्था की संस्थापक और संचालिका श्रीमती पूजा गुप्ता ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस कार्यक्रम में पहने योग्य कपड़ों और फलों का वितरण किया गया।

पूजा गुप्ता ने कहा कि यह कार्यक्रम बहुत ही आनंददायक रहा। इस अवसर पर पूजा गुप्ता के साथ अक्षत गुप्ता, लता गोयल, संगीता जाजोदिया और वसंता उपस्थित थे।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम द्वारा मेधावी सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम, हैदराबाद द्वारा रविवार को तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में 'मेधावी सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 10वीं और 12वीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले लगभग 35 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ, जिसे अणुव्रत सुराना, दीक्षा सुराना, अर्हम बेंगानी, शिखा सुराना, ज्योति बेंगानी और ऋषभ दुगड़ ने प्रस्तुत किया। समारोह में परमपूज्य युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वीश्री डॉ. गवेषणा श्री जी आदि ठाणा 4 का पावन सानिध्य रहा।

इस अवसर पर तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जी घोषल ने स्वागत भाषण देते हुए मेधावी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रीय टीम से प्रोजेक्ट चेयरमैन श्री ऋषभ जी दुगड़ ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई दी और विद्यार्थियों को 'तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम फ्यूचरा' से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

मेधावी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. साध्वी गवेषणा श्री जी ने कहा, शिक्षा ज्ञान की अधिष्ठात्री है, अमूल्य निधि है, जीवन का श्रृंगार है और मानवता की पहचान है। शिक्षा धन सबसे बड़ा धन है, जो व्यक्ति को अंधकार से प्रकाश की ओर, असत् से सत् की ओर और मृत्यु से अमरत्व की ओर ले जाता है। उन्होंने छात्रों से कहा कि यह सम्मान सिर्फ एक शुरुआत है और उन्हें इससे आगे बढ़कर नई ऊंचाइयों को छूने का हौसला रखना चाहिए।साध्वी मयंकप्रभा जी ने कहा कि धनवान और नेताओं का सम्मान उनके पद तक सीमित होता है, लेकिन प्रतिभा की पूजा तीनों काल में होती है। उन्होंने प्रतिभा के साथ संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। साध्वी मेरूप्रभा जी ने एक सुंदर गीतिका प्रस्तुत की, और साध्वी दक्षप्रभा जी ने भी मधुर गीतिका के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

कार्यक्रम की विशेष वक्ता उर्वशी जी बैद ने मेधावी विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए विशेष सुझाव दिए। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम की सह-मंत्री दीक्षा जी सुराना ने छात्रों को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समारोह में लगभग 35 मेधावी विद्यार्थियों को आचार्य तुलसी गोल्ड मेडल, आचार्य महाप्रज्ञ मेडल, आचार्य महाश्रमण गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल, ब्रोंज मेडल और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक और श्राविकाओं ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय टीम से सह-मंत्री श्री मोहित जी बैद, ऑर्गेनाइजेशन एंड डेवलपमेंट के चेयरमैन श्री ऋषभ जी डुगड़, और प्रोजेक्ट चेयरमैन दीपक जी संचेती उपस्थित थे। स्थानीय टीम से अध्यक्ष श्री वीरेंद्र जी घोषल, निवर्तमान अध्यक्ष पंकज जी संचेती, मंत्री श्री अणुव्रत सुराना सहित पूरी टीम की उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक दीक्षा जी सुराना, शिखा जी सुराना, पीयूष जी भूतोरिया और तरुण जी सांखला ने अथक प्रयास किया।

अंत में, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के मंत्री अणुव्रत सुराना ने साध्वीश्री जी और उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

ध्यान फाउंडेशन और तेलंगाना पुलिस की संयुक्त पहल

800 गौवंश को मिला नया जीवन

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना पुलिस और ध्यान फाउंडेशन ने गौवंश तस्करी के खिलाफ एकजुट होकर सराहनीय कार्य किया है। पिछले तीन महीनों में तेलंगाना के विभिन्न जिलों से तस्करी और अवैध वध से लगभग 800 गौवंश को बचाया गया है। इन सभी को यादाद्री भुवनगिरी जिले के राजपेट मंडल के चलूर गांव में स्थित ध्यान फाउंडेशन की गौशाला में सुरक्षित आश्रय और पुनर्वास का अवसर प्रदान किया गया है।

हैदराबाद में ध्यान फाउंडेशन के वरिष्ठ स्वयंसेवक हरीश ने बताया, हमारी गौशाला में आने वाले गौवंश की हालत अत्यंत दयनीय होती है। उन्हें कठोर परिस्थितियों, क्रूरता और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। बिना संवेदनाहारी के बधियाकरण, सींग काटना, और गर्म लोहे से दागना आम बात है। चारागाहों और बूचड़खानों में ले जाए जाने वाले गौवंश को बिजली के झटके दिए जाते हैं, पीटा जाता है, लात मारी जाती है, घसीटा जाता है, और लंबे समय तक भोजन-पानी से वंचित रखा जाता है। ट्रकों में ठूंसने के कारण उनके अंग टूट जाते हैं और कई चोटें व संक्रमण हो जाते हैं। युवा बछड़ों को उनकी मां और साथियों के सामने मार दिया जाता है, जिससे होने वाले आघात की कल्पना भी भयावह है। तस्करों द्वारा उनकी आंखों और पीछे के हिस्से में मिर्च और भारी धातु डालकर उन्हें नियंत्रित किया जाता है, जिससे उनके शरीर पर जलने के निशान स्पष्ट दिखाई देते हैं।

गौवंश तस्करी का यह अवैध कारोबार हजारों करोड़ रुपये का काला धन उत्पन्न करता है, जिसका उपयोग हथियार तस्करी, जाली मुद्रा व्यापार और आतंकवादी गतिविधियों जैसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को वित्तपोषित करने में किया जाता है। यह गतिविधियां तेलंगाना राज्य गोहत्या निषेध और पशु संरक्षण अधिनियम 1977 (धारा 3, 5, 6, 10, 11), पशु क्रूरता निवारण (पीसीए) अधिनियम 1960 (धारा 11, 38), पशु परिवहन नियम 1978 (धारा 56 ए, बी, सी), और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 325 के साथ-साथ माननीय सर्वोच्च न्यायालय और आंध्र प्रदेश व तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसलों के तहत अवैध और दंडनीय हैं।

ध्यान फाउंडेशन वर्तमान में तेलंगाना में दो गौशालाएं संचालित कर रहा है, जहां 3500 से अधिक गौवंश का पुनर्वास किया जा रहा है। इनमें बीमार, घायल, परित्यक्त और अनाथ गौवंश शामिल हैं। गौशाला में 90 प्रतिशत बैल हैं, और गायों में से अधिकांश बूढ़ी और अनुत्पादक हैं। स्वयंसेवकों, कर्मचारियों और पैरा-पशु चिकित्सकों की समर्पित टीम इन गौवंशों को शीघ्र स्वस्थ करने और सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान फाउंडेशन 45 से अधिक गौशालाएं संचालित करता है, जहां 70,000 से अधिक गौवंश को आश्रय दिया गया है। ये गौवंश मुख्य रूप से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस द्वारा तस्करों और अवैध बूचड़खानों से बचाए गए हैं। यह पहल न केवल गौवंश के संरक्षण में योगदान दे रही है, बल्कि समाज में पशु कल्याण और कानून के प्रति जागरूकता भी बढ़ा रही है।

भक्ति, साहित्य एवं सांस्कृतिक शोध संस्थान द्वारा

अध्यापक दिवस, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयंती और हिंदी दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्येरो)।

भक्ति, साहित्य एवं सांस्कृतिक शोध संस्थान, तुलसी भवन, उस्मानिया विश्वविद्यालय के तत्वावधान में अध्यापक दिवस, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयंती और हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक रंगारंग कार्यक्रम श्री त्यागराजगान सभा के सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 40 आचार्यों, प्राध्यापकों और अध्यापकों को उनके शैक्षिक और सांस्कृतिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्या मंडली, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद के वाइस चेयरमैन आचार्य ई. पुरुषोत्तम उपस्थित रहे। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में समर्पण के साथ कार्य करने वाले आचार्य समाज के सच्चे मार्गदर्शक हैं। उन्होंने विशेष रूप से आचार्य प्रदीप कुमार और डॉ. एच. के. वंदना की विद्या और संस्कृति के क्षेत्र में समर्पित सेवाओं की सराहना की। इसके साथ ही, आचार्य मुत्यम रेड्डी, आचार्य कोटला हनुमंत राव, आचार्य शकीला खान, और आचार्य रामलू ने तुलसी भवन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए इस आयोजन की सफलता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के प्रसिद्ध नाटक सत्य हरिश्चन्द्र के एक दृश्य की प्रस्तुति रही। इस नाटक में राजा सत्य हरिश्चन्द्र की भूमिका आचार्य प्रदीप कुमार ने और तारामती की भूमिका डॉ. एच. के. वंदना ने निभाई। नौ रसों से परिपूर्ण इस नाटक में दोनों का अभिनय अत्यंत सराहनीय रहा, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर प्रो. शकीला खानम, सीनियर प्रोफेसर और डीन, कला संकाय, अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय को भी अध्यापक दिवस, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयंती और हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया। उनके साथ आचार्य के. एल. व्यास, आचार्य धारेश्वरी, आचार्य शुभदा वानजपे, आचार्य सुमन लता, आचार्य प्रवीण, और सुधाकर सहित अन्य गणमान्य शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

यह आयोजन शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के प्रति समर्पण को दर्शाने वाला एक प्रेरणादायी मंच साबित हुआ। तुलसी भवन के इस प्रयास ने हिंदी भाषा और भारतीय साहित्य की समृद्ध परंपरा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ की वार्षिक सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संतोषी माता मंदिर मुस्लिम जंग पुल में विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ की एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में संघ के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सुनील कुमार पाण्डेय को एक और वर्ष के लिए संघ का अध्यक्ष चुना।

इस अवसर पर, संघ के सचिव नीरज तिवारी ने अध्यक्ष पद के लिए सुनील कुमार पाण्डेय का नाम प्रस्तावित किया, जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति दी। इस सभा में कमलेश त्रिपाठी स्वामी, रावेन्द्र मिश्रा, रामशिरोमणि तिवारी, अवधेश परोहा, प्रदीप पाण्डेय, रामपाल पाण्डेय, विष्णुदत्त पाण्डे, सतीष त्रिपाठी, मनीष द्विवेदी, महेश तिवारी, विनय पाण्डेय, उमेश पाण्डेय, ब्रजेश शुक्ला, पुष्पेंद्र शुक्ला, कुबेर द्विवेदी, बीरेंद्र पाण्डेय, कौशल पाण्डेय, परीक्षित द्विवेदी, आदित्य नारायण मिश्रा, शशिकांत द्विवेदी, पूर्णानंद पयाशी, शिवनारायण त्रिपाठी, राजेश शुक्ला, प्रवीन द्विवेदी, योगेश पाण्डेय, भूपेन्द्र गौतम, अमित पाण्डे, अनिल पाण्डेय, राजन शुक्ला, अरुण द्विवेदी, बसन्त मिश्रा, विनीत शुक्ला, बबलू गर्ग, और राजेश मिश्रा, दीप नारायण गौतम सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

श्रद्धांजलि सभा आयोजित

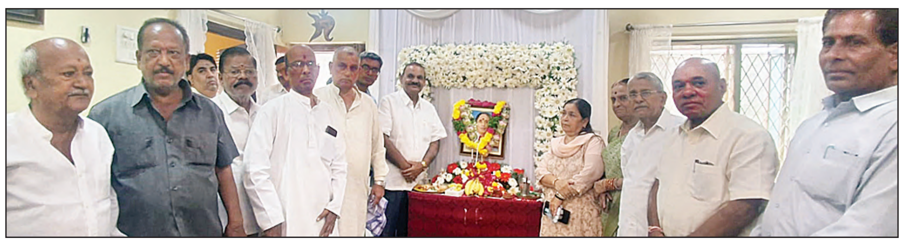

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों संघ चंद्रायंगुट्टा यूनिट की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती वीणा कपूर (शालिबांदा) की 13वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में थाकुरिंदर सिंह, अध्यक्ष, हैदराबाद जिला शाखा, बड़ीचावड़ी उपस्थित रहे। साथ ही सभा में पी.रामचंद्र रेड्डी, कोषाध्यक्ष, एन. नरसिम्हाचारी पार्षद, सी. जगदीश्वर, शुभाख चंद मारवाड़ी यूनिट अध्यक्ष, किशन प्रसाद कपूर, सचिव, गोपाल कृष्ण मूर्ति कोषाध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। समारोह में उपस्थित सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि श्रीमती वीणा कपूर की आत्मा को शांति मिले। उन्होंने दिवंगत आत्मा की आत्मा की शांति के साथ ही उनके परिवारजनों को साहस और धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। यह श्रद्धांजलि सभा उन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है जो श्रीमती वीणा कपूर के प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल भाग्यनगर महिला मंडल की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल भाग्य नगर के महिला मंडल ने आगामी नवरात्रि उत्सव की तैयारियों के लिए गोशामहल के राम मंदिर में एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में नवरात्रि गरबा और डांडिया की तैयारियों पर चर्चा की गई।बैठक के दौरान महिलाओं के लिए कई मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया और एक लकी ड्रॉ भी निकाला गया, जिसमें पूनम और सुमन विजेता रहीं। इस आयोजन में सभी उपस्थित महिलाओं के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।इस बैठक में दुर्गा, ज्योति, पूनम, सुमन, भाजपा नेता सपना गुप्ता, उर्मिला, रचना, आस्था, दुर्गावती, अनु, सोनिया, सैफ ली और अन्य महिलाएं मौजूद थीं।

समस्त पापों से मुक्ति दिलाती है श्रीमद् भागवत कथा : आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश मंदिर चादर घाट पर श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस में कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह यात्रा रामदेव बाबा मंदिर ईशामिया बाजार से प्रारंभ होकर गणेश मंदिर चादर घाट पहुंची। इस अवसर पर आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री महाराज ने भक्तों को श्रीमद् भागवत पुराण की महिमा के बारे में विस्तार से बताया।

महाराज जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा समस्त पापों से मुक्ति दिलाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि काम, क्रोध, लोभ, मोह आदि विकारों से ग्रस्त मनुष्य को नरक का ही भाग मिलता है। यदि कोई प्रभु को प्राप्त करना चाहता है, तो उसे झूठ, कपट और माया को त्यागकर केवल भगवान की भक्ति में लीन हो जाना चाहिए। तभी वह भवसागर से पार पा सकेगा।

महाराज जी ने भारत भूमि की पावनता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत पावन भूमि है, जहां कलियुग में केवल नाम सुमिरण ही मोक्ष का साधन है। कलियुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरही पारा - इस प्रकार कई जन्मों के पुण्य उदय होने पर ही श्रीमद् भागवत पुराण कथा श्रवण का सौभाग्य प्राप्त होता है।

कथा में महाराज जी ने राजा परीक्षित की कथा का उल्लेख किया। परीक्षित के पास केवल सात दिन शेष थे, तब व्यास जी और शुकदेव जी ने उन्हें भागवत कथा का रसपान कराया। भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की कथाओं से उन्होंने परीक्षित को मोक्ष प्रदान किया। महाराज जी ने भक्तों को प्रेरित किया कि वे भी इस कथा के माध्यम से अपना जीवन संवारें।

आगे महाराज जी ने सनातन धर्म की प्राचीनता पर विधिवत् प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म प्राचीन काल से ही जीव मात्र के उद्धार का साधन रहा है। यह धर्म न केवल व्यक्तिगत मोक्ष प्रदान करता है, बल्कि समस्त सृष्टि के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है।

कथा के प्रथम दिवस पर पूजा यजमान भरत जी, राम डालियां, मुरलीधर जी, रमेश मोदानी, ओमप्रकाश अग्रवाल, अमरीश जायसवाल, ईशामिया बाजार राजस्थानी महिला संगठन की सुमित्रा राठी, पूजा आचार्य आलोक त्रिपाठी, सुनील पाण्डेय, नीरज तिवारी, वेदप्रकाश तिवारी, रामराज तिवारी, देवेन्द्र महराज आदि भक्तगण उपस्थित थे।

आचार्य सत्यप्रकाश शास्त्री महाराज ने भक्तों से आह्वान किया कि वे श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से अपने जीवन को पापमुक्त बनाएं और भक्ति मार्ग पर अग्रसर हों। सात दिवसीय कथा के द्वितीय दिवस में और भी गहन ज्ञान की वर्षा होगी।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला परिसर में 12,000 वर्ग फुट में एक नए कामधेनु कक्षा का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस गौसेवा पहल के तहत, गौ प्रेमियों द्वारा लगभग 15 लाख रुपये की लागत से एक बड़ा टिन शेड बनाया जा रहा है। सोमवार को गौशाला के सदस्यों ने निर्माणाधीन स्थल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर, पितृपक्ष के उपलक्ष्य में उन्होंने गौसेवा भी की। इस दौरान गौशाला के प्रभुदत्त महाराज, हरिकिशन मायच्छ, पंकज वर्मा, सुरेश परवाल और अन्य सदस्य मौजूद थे। इस पहल से गौशाला में गायों को बेहतर आश्रय मिल सकेगा।

पर्यावरणविद् डॉ. कोमटीरेड्डी गोपाल रेड्डी सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणविद् पुरस्कार 2025 से सम्मानित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अंतर्राष्ट्रीय ओज़ोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. कोमटीरेड्डी गोपाल रेड्डी को सर्वश्रेष्ठ पर्यावरणविद् पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम तेलंगाना मेधावी मंच की राज्य शाखा द्वारा आयोजित किया गया था।

तेलंगाना शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर वी. बालकृष्ण रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए कहा कि ओज़ोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन असंभव है और हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इसकी रक्षा करें। उन्होंने यह भी बताया कि पारंपरिक ऊर्जा के बजाय सौर ऊर्जा का उपयोग करके वैश्विक तापमान को कम किया जा सकता है, जिससे ओज़ोन परत को बचाने में मदद मिलेगी।

उसमानिया विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद अख्तर अली ने समझाया कि ओज़ोन परत हानिकारक विकिरण को अवशोषित करके पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करती है।

डॉ. कोमटीरेड्डी गोपाल रेड्डी को पिछले 25 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, ओज़ोन परत की रक्षा, वृक्षारोपण और प्लास्टिक निषेध जैसे अभियानों के लिए उनकी अथक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। प्रोफेसर बालकृष्ण रेड्डी ने उन्हें शॉल, पुष्पमाला, स्मृति चिन्ह और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

अतिथियों ने डॉ. गोपाल रेड्डी को बधाई दी और बताया कि उन्हें आगामी 24 सितंबर को अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित क्लाइमेट ग्रुप संगठन द्वारा ग्लोबल ग्रीन मेंबर अवार्ड 2025 से भी सम्मानित किया जाएगा। अमेरिका में मौजूद तेलंगाना मेधावी मंच के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुडिराज ने संदेश के माध्यम से डॉ. गोपाल रेड्डी को शुभकामनाएँ दीं।

श्रीमद् भागवत महापुराण – भक्ति का सरल मार्ग और जीवन का सार : देवी स्वीकृति जी

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । हर को भजे सो हरि का होई...। श्रीमद् भागवत महापुराण में वर्णित यह उद्घोष भगवान के सान्निध्य प्राप्त करने का सबसे सरल और सहज मार्ग दर्शाता है। जो भगवान के हैं और जो भगवान का है, उसका सान्निध्य स्वयं भगवान को प्राप्त करा देता है। यह महापुराण न केवल भक्ति का स्रोत है, बल्कि जीवन के प्रत्येक पहलू को आध्यात्मिक दृष्टि प्रदान करने वाला अमूल्य ग्रंथ है।

श्रीमद् भागवत महापुराण, जो भागवत पुराण के नाम से भी जाना जाता है, भक्ति रस का अनुपम कोष है।

श्रीमद् भागवत महापुराण का श्रवण और पाठ समस्त पापों का नाश करता है और आत्मा को शुद्ध कर भगवान के चरणों में स्थापित करता है। यह ग्रंथ न केवल धार्मिक ज्ञान प्रदान करता है, बल्कि जीवन के नैतिक मूल्यों, कर्म योग, ज्ञान योग और भक्ति योग को समझाने में सहायक है। कलियुग में नाम स्मरण और कथा श्रवण ही मोक्ष का सुलभ साधन है। भागवत कथा के माध्यम से भक्त अपनी चित्त की अशुद्धियों को दूर कर सकते हैं और परमात्मा के साथ एकाकार हो सकते हैं। यह पुराण समाज को एकजुट करने, नैतिकता सिखाने और आध्यात्मिक उन्नति करने का माध्यम है।उक्त उद्गार बड़ीचावड़ी स्थित श्री जलाराम बापा मंदिर में श्री हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा महाजन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन एवं हैदराबाद सुंदरकांड मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण के द्वितीय दिवस पर कथावाचक देवी स्वीकृति अच्युत रामानुज ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि भागवत महापुराण भक्ति का सरल मार्ग है, जो हर भक्त को हरि के सान्निध्य में ले जाता है।

इस अवसर पर कैलाशनारायण जी भांगड़िया ने एकल विद्यालय में चल रही सेवाओं और शिक्षा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को धर्म और संस्कृति से परिचित कराया जा रहा है। एकल विद्यालय में छात्रों को विशेष रूप से हिंदी भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जा रहा है। जैसे फोन, इंटरनेट और अन्य माध्यमों से ज्ञान प्राप्त करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं, ताकि वे अपनी धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहें। उन्होंने सभी भाषाओं, धर्मावलंबियों एवं दानदाताओं का आभार जताया, जिन्होंने भारतवर्ष में एकल विद्यालय को तन, मन, धन से सहयोग दे रहे हैं।

अवसर पर जसमत पटेल ने अनेक सामाजिक संस्थाओं के संस्थापकों का व्यासपीठ द्वारा शॉल से सम्मान करवाया। इनमें नैमिशरण्यधाम से कैलाश नारायण भांगड़िया, नैमिशरण्यधाम के ट्रस्टी और सेवक अनंत काबरा, मारवाड़ी युवा मंच के हेमंत सारडा, आलोक प्रसाद तिवारी, श्याम सुंदर दाहिमा शामिल थे।

इस अवसर पर श्री जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य, वनिता बेन, एकता विठलानी, मुकेश भाई बडियाणी लुवाणा महाजन, विजयभाई सिंगाडा, गोविंद राठी, अनिलभाई तन्ना, कांतिभाई गोरानी कच्छ कड़वा पाटीदार समक, राधेश्याम राठी वैष्णव सत्संग मंडल, महंत ठाकुरदास जी (श्री शाखी बाबा मठ), प्रकाशजी तर्की, निशा तर्की, विक्रम जी (भद्रीनाथ टेम्पल तूपरान), नितिन भाई नथवाणी, अरविंद भाई महेता, जयश्रीबेन तन्ना, भारती बेन पटेल (गुजराती प्रगति समाज), तरूणभाई मेहत, जसमत पटेल, रंजा शाह अक्ताबेन एवं सैकड़ों की संख्या में भक्त उपस्थित थे। सभी ने भागवत पारायण का श्रवण किया।

श्रीमद् भागवत सप्ताह पारायण के माध्यम से भक्तों को भागवत महापुराण की गहनता से परिचित कराया जा रहा है। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक उन्नति का साधन है, बल्कि सामाजिक एकता को भी मजबूत कर रहा है। अगले दिनों में कथा की और गहराई से चर्चा होगी।

प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में हिन्दी पखवाड़े का भव्य शुभारंभ

हिन्दी दिवस पर उत्साह और समर्पण

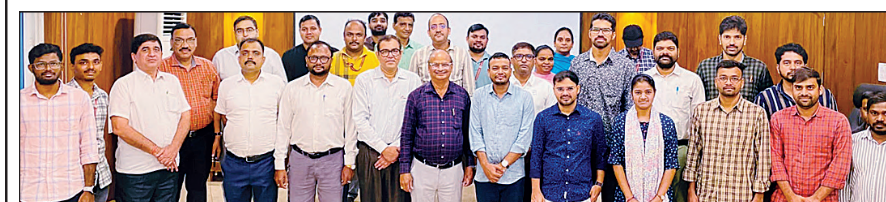

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के अंतर्गत कार्यरत प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद (प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण की एक इकाई) में दि. 15 सितंबर 2025 से आरंभ होकर 30 सितंबर 2025 तक चलने वाले हिन्दी पखवाड़े का हर्षोल्लास के साथ शुभारंभ हुआ। दिनांक 14 सितंबर 2025 को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण हिन्दी दिवस का आयोजन 15 सितंबर को किया गया। कार्यालय में प्रातः से ही कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच हिन्दी दिवस की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हो रहा था, जो पूरे माहौल को हिन्दीमय बना रहा था।हिन्दी दिवस समारोह का कार्यक्रम प्रतिभूति मुद्रणालय के सभा गृह में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से प्रारंभ हुआ। पखवाड़े का औपचारिक उद्घाटन इकाई के महाप्रबंधक श्री एस. आर. वाजपे ने किया। उद्घाटन सत्र में सर्वप्रथम श्री संतोष साव, पर्यवेक्षक (राजभाषा) ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए सरकारी प्रतिष्ठानों में हिन्दी के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने हिन्दी पखवाड़े के दौरान आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी तथा सभी से उत्साहपूर्वक भाग लेने का अनुरोध किया।तत्पश्चात, अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार के संदेश का डिजिटल लाइव प्रदर्शन सभा गृह में किया गया। इस अवसर पर एसपीएमसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के संदेश का वाचन श्री अमिताभ शाह, संयुक्त महाप्रबंधक ने किया। महाप्रबंधक श्री एस. आर. वाजपे ने सभी कर्मचारियों को हिन्दी पर्व की बधाई देते हुए हिन्दी के सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और हिन्दी में कार्य करने का संदेश दिया।

हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर सभी कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा राजभाषा प्रतिज्ञा एवं प्रतिबद्धता को दोहराया गया। सत्र का समापन श्री नरेश, कनिष्ठ लिपिक सहायक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार और उपयोग को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। यह पखवाड़ा कर्मचारियों को हिन्दी के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति को समृद्ध करने और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। प्रतिभूति मुद्रणालय में आयोजित यह कार्यक्रम न केवल भाषाई विविधता को सम्मान देता है, बल्कि हिन्दी को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थापित करने में योगदान देगा। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएँ, व्याख्यान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो सभी कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होंगे।

जीनेश्वर धाम मंदिर में जया रमेश जागीरदार परिवार द्वारा पंच कल्याणक पूजा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर चातुर्मास संघपति गुलाब मोता, जसराज देवड़ा धोका और लक्ष्मी बेन नागडा समेत अन्य मंडल की श्राविकाएं मौजूद थीं। इस पूजा में सभी ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया और अपनी आस्था व्यक्त की।

हिलेस की कवि गोष्ठी और साहित्यिक आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी लेखक संघ हैदराबाद (हिलेस) की 608वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा में हुआ। इस आयोजन में साहित्य और कवि गोष्ठी के दो प्रमुख सत्र शामिल थे, जिसमें हिंदी भाषा के वर्तमान और भविष्य पर गहन चर्चा की गई।

कार्यक्रम के पहले सत्र में ठाकुर दिनेश सिंह ने 'भारतीय और वैश्विक स्तर पर हिंदी' विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हिंदी लगातार प्रगति कर रही है और आज न केवल भारत में बल्कि दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में भी पढ़ाई जा रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी की प्रगति के लिए भारतीयों को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि हमें हिंदी को लेकर अपनी क्षेत्रीय भाषाओं से असुरक्षा की भावना छोड़नी चाहिए, जैसा कि चीन ने अपनी भाषा मैंडरीन के साथ किया।सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है और यह हमारी संस्कृति और विचारों की विरासत है। उन्होंने नई पीढ़ी की भागीदारी पर खुशी जताई और सभी से आग्रह किया कि हिंदी को केवल साहित्यिक मंचों तक सीमित न रखकर जीवन के हर क्षेत्र में प्रयोग करें।

दूसरे सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद ने की। उन्होंने कहा कि कविता केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि जीवन की गहराइयों को छूने वाली अनुभूति है। उन्होंने कवियों द्वारा समाज के हालात और मानवीय मूल्यों को मार्मिकता से प्रस्तुत करने की सराहना की।

इस कवि गोष्ठी में शहर के जाने-माने और युवा कवियों ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। कविता पाठ करने वाले कवियों में राजकुमार यादव, चंपालाल बैद, अरविंद कुमार जायसवाल, शोभा देशपांडे, ममता मिश्रा, शिवकुमार तिवारी कोहिरी, गोविंद अक्षय, तख़िया ग़ज़ल, अनुज कुमार तिवारी, बासित अली रईस, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव और ठाकुर दिनेश सिंह शामिल थे।

कार्यक्रम का संचालन गोलकोण्डा दर्पण के संपादक और हिलेस के संयोजक गोविंद अक्षय ने किया, जिन्होंने सभी उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में अशोक दोशी की ओर से जलपान की व्यवस्था की गई थी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,500/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,32,220/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

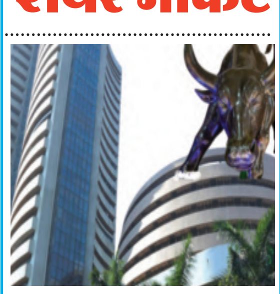

बीएसई : 81,785.74
-118.96 -0.15% ↓
एनएसई :25,069.20
-44.80(-0.18%) ↓

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 28^0

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर ने आगामी दो वर्षों (2025-2027) के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चुनाव किया है। इस कार्यकारिणी की अध्यक्षता डॉ. यादगिरी कांभंपाटी करेंगे, जो डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, जुबली हिल्स, हैदराबाद में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। वे एक प्रतिष्ठित जनसंपर्क विशेषज्ञ भी हैं।

डॉ. के. यादगिरी पूर्व में चैप्टर सचिव के पद पर कार्यरत थे और उन्हें पीआरएसआई द्वारा सर्वश्रेष्ठ चैप्टर सचिव के रूप में सम्मानित किया गया था। उनके नेतृत्व में हैदराबाद चैप्टर को सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। यह चुनाव पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर की 54वीं वार्षिक आम सभा के दौरान सुरावरम प्रताप रेड्डी तेलुगु विश्वविद्यालय में 14 सितंबर 2025 को संपन्न हुआ। के. राजेश, जो दक्षिण मध्य रेलवे में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और पिछले तीन कार्यकालों से सक्रिय कार्यकारिणी सदस्य रहे हैं, को सचिव के रूप में चुना गया। डॉ. यादगिरी और श्री राजेश ने कहा कि हम जनसंपर्क पेशेवरों को तकनीकी प्रगति के अनुरूप कौशल सुधार में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम केंद्र और तेलंगाना सरकार की योजनाओं के प्रचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने तेलंगाना राज्य सरकार और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आई एंड पीआर) को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि सरकार पत्रकारों की लंबित समस्याओं को सुलझाने के लिए तत्पर है। साथ ही, उन्होंने एससीसीएल, एनएमडीसी, किम्स, सुचीर इंडिया प्रा.लि. और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को पीआर से संबंधित सेमिनारों और कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर की नई कार्यकारिणी:- अध्यक्ष: डॉ. यादगिरी कांभंपाटी – सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी। उपाध्यक्ष: श्री बी. महेश – निदेशक (सीसी), स्पीड इंफ्रा ग्रुप। सचिव: श्री के. राजेश – जनसंपर्क अधिकारी, दक्षिण मध्य रेलवे। संयुक्त सचिव: श्री पी. लिंगा रेड्डी – महाप्रबंधक, टी-सैट नेटवर्क्स। कोषाध्यक्ष: श्री वीवी भुजंगा राव – सेवानिवृत्त जनसंपर्क अधिकारी शामिल हैं।

अन्य कार्यकारिणी सदस्यों में श्रीमती अपर्णा राजहंस – सहायक प्रोफेसर, सेंट जोसेफ्स डिग्री कॉलेज (निर्वाचित), डॉ. फातिमा रहीम – सहायक प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, सेंट जॉर्ज डिग्री कॉलेज (निर्वाचित), डॉ. वी. सुधाकर – जनसंपर्क अधिकारी, प्रो. जयशंकर कृषि विश्वविद्यालय (सह-नामित), डॉ. साजिदा खान (सह-नामित), कदरी सुभाष – जनसंपर्क अधिकारी, एचएमडब्ल्यूएसएसबी (सह-नामित) और पी. रघुपति – निदेशक, ईआरएमसी एवं सहायक जनसंपर्क अधिकारी, ओयू (सह-नामित) शामिल हैं। पीआरए-सआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीता पाठक, महासचिव श्री पी.एल.के. मूर्ति और दक्षिण क्षेत्र के उपाध्यक्ष श्री यू.एस. शर्मा ने नई टीम को बधाई दी।

तेरापंथ भवन में ज्ञानशाला प्रशिक्षक परीक्षा 2025 का आयोजन

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में ज्ञानशाला प्रशिक्षक परीक्षा 2025 सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह परीक्षा तेरापंथ महासभा ज्ञानशाला प्रकोष्ठ, अहमदाबाद के निर्देशानुसार 14 सितंबर को पूरे देश में एक ही समय पर हुई।

यह जानकारी राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गई। परीक्षा का आरंभ साध्वी श्री डॉ. गवेशणा श्री जी आदि ठाणा 4 के मंगल पाठ के श्रवण के साथ हुआ।

परीक्षा के दौरान, सभा के निवर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल जी बैद, आंचलिक संयोजक सीमा जी दस्साणी, क्षेत्रीय संयोजक संगीता जी गोलछा, परामर्शक अंजू जी बैद, मुख्य प्रशिक्षक पुष्पा जी बरड़िया, केंद्र परीक्षा व्यवस्थापक सरिता नखत और तेमम प्रतिनिधि उपाध्यक्ष प्रभा जी दूगड़ मौजूद थे।

इस परीक्षा में 'विज्ञ' के लिए 5 और 'विशारद' के लिए 3 प्रशिक्षिकाओं ने पूरे अनुशासन और प्रामाणिकता के साथ परीक्षा दी। क्षेत्रीय सह-संयोजिका सुरभि सिंघी और प्रमिला पोकरणा ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। यह भी बताया गया कि हैदराबाद ज्ञानशाला की लगभग 80 प्रशिक्षिकाओं ने अपना स्नातक कोर्स पूरा कर लिया है।

विज्ञप्ति में यह भी बताया गया कि 28 और 29 अक्टूबर को साध्वी श्री जी के सानिध्य में प्रशिक्षिकाओं के लिए स्नातक रिफ्रेशर कोर्स का सम्मेलन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में प्रकोष्ठ से राष्ट्रीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

CHANGE OF NAME
I, Service No. JC-759200A, Rank: SUB, Name: KOMATURI LAKSHMI NARAYANA, S/o. Late K KRISHNAMMA, Residing at F.No. 303, CVK RESIDENCY, DEVI NAGAR, NEAR GOVT RYTHU Market, R.K. Puram, Malkajgiri, District:Medchal-Malkajgiri, State:Telangana, Pin:500056, I have Changed my Spouse Name from BHARATHI K to K BHARATHI, my Spouse name is K BHARATHI. That my Spouse date of birth is 01-05-1971, Affidavit G Samuel, Bsc, LLB
Date : 12/09/2025

ऋषि श्रृंग भवन में राजस्थानी फाउंडेशन का जॉब मेला-3 भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा शनिवार, 13 सितंबर को प्रातः 10:31 बजे ऋषि श्रृंग भवन में जॉब मेला-3 का भव्य आयोजन किया गया। प्रातः 9:30 बजे से ही नौकरी की तलाश में युवाओं का आगमन प्रारंभ हो गया। प्रातः 10 बजे से बैंकिंग, ज्वेलर्स और अन्य कंपनियों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने स्टॉल पर 250 से अधिक उम्मीदवारों के रिज्यूमे लिए और साक्षात्कार लिया। इस आयोजन में 45 युवाओं को तत्काल नौकरी मिल गई, जबकि 54 उम्मीदवारों को कंपनियों में जाकर साक्षात्कार देने का अवसर प्रदान किया गया। पूरा भवन दिन भर खचाऊभर रहा।

यह जॉब मेला राजस्थानी फाउंडेशन की युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों ने भाग लिया, जिससे युवाओं को विविध अवसर उपलब्ध हुए। आयोजन की सफलता का श्रेय संस्था के संयोजक मंडल को जाता है, जिन्होंने कड़ी मेहनत से इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। दोपहर 3 बजे समापन के साथ यह आयोजन

45 युवाओं को तत्काल नौकरी

समाप्त हुआ।कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, तेलंगाना प्रवासी संस्था के सुबाष अग्रवाल, बेगम बाजार पार्षद शंकर यादव, बीआरएस नेता आशीष यादव, प्रमुख समाजसेवी और विशेष अतिथि गोपाल बल्दवा, पं. पुरुषोत्तम लाला, सुरेश कुमार व्यास पारीक, अनिल जायसवाल, मनोज अग्रवाल, रूपचंद व्यास, कमल काबरा, रमेश बराडिया तथा सामाजिक और राजनैतिक पदाधिकारी उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष संदीप जायसवाल द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।यह प्रेस विज्ञप्ति संस्था के महासचिव पवन नागला तिवारी द्वारा जारी की गई। कार्यक्रम की सफलता में अध्यक्ष संदीप जायसवाल, मंत्री पवन तिवारी, संयोजक मंडल के राजेश शर्मा पंडित, भरत चांडा, धर्माराम ढाका, सी.के. वर्मा, गोपाल डोबा, हरीप्रसाद दधीच, उपाध्यक्ष कमल नारायण उपाध्याय, अमर जालवाल, विनोद तिवारी तथा अन्य सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह जॉब मेला प्रवासी राजस्थानी युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुआ। संस्था ने ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया है, ताकि अधिक से अधिक युवा आत्मनिर्भर बन सकें।

राजस्थानी फाउंडेशन अगले जॉब मेला की तैयारियां शुरू कर चुका है, जिसमें और अधिक कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। युवाओं से अपील है कि वे अपनी स्किल्स को अपडेट रखें और ऐसे अवसरों का लाभ उठाएं।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नौरंगलाल सिंघानिया की पुण्य स्मृति में अन्नदान

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद ने पितृ पक्ष की नवमी के अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पास जरूरतमंद लोगों को अल्पाहार कराया। यह अन्नदान स्वर्गीय श्री नौरंगलाल सिंघानिया की पुण्य स्मृति में उनके परिवार द्वारा किया गया।

यह सेवा राधे राधे ग्रुप द्वारा चलाई जा रही नियमित अन्नदान की श्रृंखला का हिस्सा है। आज की सेवा का दायित्व श्री पुरुषोत्तम जी और विपिन कुमार जी सिंघानिया के परिवार ने संभाला।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, ई-जगन चम्पापेट, मनोज शर्मा, सुशील गुप्ता, महेश गुप्ता, भगतराम गोयल, नंदकिशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, मनीष अग्रवाल, विपिन सिंघानिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, सुरेश डालमिया सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

श्री गोपाल गौशाला के ट्रस्टियों की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री गोपाल गौशाला इब्राहीमपट्टनम के ट्रस्टियों एवं सहयोगियों की बेठक बिकानेरवाला होटल, हैदरगुड़ा में सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में सर्वप्रथम गौ.माता के जयकारे के साथ पूजा-अर्चघना की गई। ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया। चेयरमैन तुलसीराम बंसल ने सभी लोगों का अभिवादन करते हुए उनके सहयोग की सराहना की। गौमाता की धार्मिक विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि सभी देवी देवता गौमाता में विराजमान रहते हैं। गौमाता ही एक प्रत्यक्ष भगवान के रूप में दर्शन देती है। हम प्रतिदिन उनके दर्शन और सेवा से अपने जीवन के सारे कष्ट दूर कर सकते हैं। अतः हमें कोई भी गौशाला अथवा अपने घर में गौमाता की सेवा करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम भाग्यशाली हैं जो गौशाला से जुड़कर तन, मन और धन से सेवा कर रहे हैं।

ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी महावीर प्रसाद अग्रवाल ने 2024-25 का आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। जिसे अतिशीघ्र ऑडिटर से ऑडिट करवा कर इनकम टेक्स रिर्टन समय पूर्व दाखिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गौशाला की वर्तमान आर्थिक परिस्थिति अच्छी है तथा पर्याप्त चारा गायों को दिया जा रहा है।

तुलसी बंसल ने बताया कि गायों के विकास के लिए अगले एक साल तक पौष्टिक आहार की मात्रा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए सभी ट्रस्टियों के आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने ने सभी ट्रस्टियों से निवेदन किया कि गौशाला में सहयोग राशि रिश्तेदारों एवं मित्रों से बढावे।

ज्वाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल ने बताया कि वर्तमान में गौशाला में शुद्ध घी तैयार किया जा रहा है। जिसे सभी भक्त उपयोग में लायें। कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग के धन्यवाद ज्ञापन एवं सहभोज के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में तुलसीराम बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, अर्जुन गोयल, विनोद गर्ग, राजकुमार केडिया, नरेश चौधारी, विमल अग्रवाल, संजय कुमार गुप्ता, विनय कुमार अग्रवाल, रमेश काबरा, राधेश्याम सिंघल, सुरेश कुमार गोयल, एस.के. बंसल, सुनील अग्रवाल, प्रवीण कुमार अग्रवाल, वेदप्रकाश अग्रवाल, अशोक नरेडी, जितेश सिंघानिया, सुभाषा भगेरिया, इंदरमल सिंघानिया एवं अन्य उपस्थित थे।

पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल ने 152वां नि:शुल्क मेगा चिकित्सा शिविर आयोजित किया

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट और अग्रवाल सेवा दल ने अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां नाचाराम मल्लापुर शाखा के सहयोग से जीबीयूपीएस, कृष्णानगर मैकलामंडी में अपना 152वां निशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस शिविर से 441 से अधिक लोगों को लाभ मिला।

शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, रेनबो चिल्ड्रेन्स हार्ट इंस्टीट्यूट, और लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ डॉक्टर और स्टाफ ने अपनी सेवाएँ दीं।

जनरल फिजिशियन और कार्डियोलॉजी: डॉ. गायत्री, डॉ. पूजिता, डॉ. अंशू दीवान (हृदय रोग विशेषज्ञ) ने मरीजों की जांच की।

हड्डी रोग विशेषज्ञ: हड्डियों से

जुड़ी समस्याओं का इलाज किया गया।

जांच सुविधाएँ: शिविर में ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच और आरबीएस की सुविधा उपलब्ध थी।

नेत्र जांच: लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल ने 73 लोगों को चश्मे दिए और 11 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चुना।

अन्य सेवाएँ: डॉ. अखिल क्लिनिक द्वारा जनरल फिजिशियन सेवा, बजाज फिजियो केयर द्वारा फिजियो-थेरेपी और एसएनआर डेंटल द्वारा दाँतों की जांच की गई।

विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिविर में भाग लिया। इस सफल आयोजन के पीछे अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार और पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी पित्ती, शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अजीत गुप्ता, निखिल रानासरिया और दीपक गुप्ता का अहम योगदान रहा। स्थानीय अग्रवाल समाज कृष्ण सखिया और जीबीयूपीएस स्कूल के स्टाफ सदस्यों, स्वयंसेवकों और पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने भी शिविर को सफल बनाने में भरपूर सहयोग दिया।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली महिला शाखा की कार्यकारिणी सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबावली की महिला शाखा की एक कार्यकारिणी सभा अध्यक्ष गीता अग्रवाल के निवास पर आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी की पूजा के साथ हुई, जिसके बाद गीता अग्रवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।सभा में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। सदस्यता अभियान को तेज करने का निर्णय लिया गया, जिसका विवरण जुटाने की जिम्मेदारी सचिव नेहा अग्रवाल को सौंपी गई।आगामी कार्यक्रम - 21 सितंबर: पितृ विसर्जन अमावस्या के अवसर पर श्री कृष्ण गोसेवा मंडल, गंडीपेट में गौसेवा और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।22 सितंबर: अग्रसेन जयंती के मौके पर अधिक से अधिक महिला सदस्यों को जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। 27 सितंबर: भजन संध्या का आयोजन होगा। 10 अक्टूबर: करवा चौथ का उत्सव मनाया जाएगा।25 अक्टूबर: दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा।उक्त सभा में अध्यक्ष गीता अग्रवाल, उपाध्यक्ष शालू गुप्ता, मंत्री नेहा अग्रवाल, सह-मंत्री शिवानी अग्रवाल और कार्यकारिणी सदस्य शालू गुप्ता प्रवीण उपस्थित रहीं।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा की कार्यकारिणी सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज गच्चीबोली की कार्यकारिणी सभा हाल ही में शाखा अध्यक्ष के.पी. अग्रवाल के निवास स्थान हिल रिज स्प्रिंग पर आयोजित की गई। इस सभा में अध्यक्ष ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

मुख्य निर्णय और नियुक्तियाँ की गई। जिसमें सदस्यता शुल्क: शाखा के मानद मंत्री प्रकाश अग्रवाल ने कार्यवाही का संचालन करते हुए सदस्यता शुल्क तय किया। गौ सेवा: 21 सितंबर को श्री कृष्ण गौ सेवा मंडल, गंडीपेट में गौ सेवा करने के लिए प्रकाश अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया गया।

अग्रसेन जयंती: 22 सितंबर को अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह में सदस्यों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बस की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।

सदस्यता अभियान: मेंबरशिप ड्राइव के लिए एक एक्सेल शीट तैयार करने और अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने के लिए प्रवीण गुप्ता को संयोजक नियुक्त किया गया। दीपावली कार्यक्रम: 25 अक्टूबर को दीपावली कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रवीण गुप्ता और अमित अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया गया।

उक्त बैठक में कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। सदस्यों में डॉ. प्रमोद गर्ग, गौरव गुप्ता, प्रवीण गुप्ता (उपाध्यक्ष), संतोष टांटिया और सुरेश अग्रवाल (केंद्रीय समिति सदस्य) ने भी अपने विचार रखे। बैठक का सफल संचालन प्रकाश अग्रवाल द्वारा किया गया।

मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा अन्न प्रसाद वितरित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। माँ दुर्गा की कृपा संस्था चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पितृ पक्ष के अवसर पर लगातार अन्न प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। नवमी के श्राद्ध के अवसर पर, संस्था ने जीरा चावल और सांभर का प्रसाद वितरित किया।

लगभग 150 लोगों ने इस सेवा का लाभ उठाया और स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण किया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि यह सेवा सोनारसर बाबा जी की प्रेरणा और श्याम बाबा जी के आशीर्वाद से सफलतापूर्वक चल रही है और आगे भी जारी रहेगी।संस्था के संस्थापक विनय किशोर तायल के साथ योगेश खत्री और मीता खत्री ने मिलकर इस सेवा को पूर्ण किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.